



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 19, 1975 (चैत्र 29, 1897)
NO. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 19, 1975 (CHAITRA 29, 1897)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रिया सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

कलकत्ता-700016 दिनांक 24 फरवरी 1975

सं० 10/75/जी०—वार्षिक निवृत्ति ग्राम्य (58 वर्ष) प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने वार्षिकी यह तारीख से सेवा निवृत्त हुए

1 श्री एन० जी० गांगुली, स्वामापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)—31 अक्तूबर 1974 (अपराह्न)।

2. श्री एस० एल० सिलास, स्वामापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोरहोल्डर) श्री एस० के० दत्त, स्वामापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)—31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न)।

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्ट्रिया

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1975

सं० 6/341/56-प्रशा०-(जी)—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० बेकटसुब्रह्मण्यम नियंत्रक (श्रेणी-1) को उसी कार्यालय में 1-1-75 से 31-1-75 तक एवं 2-2-75 से 28-2-75 तक की और अवधि के लिए उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्वामापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

बलदेव कुमार
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6/878/89-प्रशा० (जी)—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्वारा संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री एल० राजगोपाल, अनुभाग प्रभारी को उसी

कार्यालय में 17 फरवरी, 1975 से आगामी आदेशों के जारी होने तक, नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री एल० राजगोपाल नियमों के अनुसार 650-30-740-35-810 दक्षता रोध 35-880-40-1000 दक्षता रोध 40-1200 रु० के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्तु आयात कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक फरवरी 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(630)—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री बी० पी० अजनाप्पा को इंडियन इस्टिड्यूट आफ हैडलूम टेक्नालाजी, वाराणसी में 26 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्तु रूपांकन के वरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(590)—श्रीमान् राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र विजयवाड़ा के एक्सपर्ट डिजाइनर, श्री तुफानी जमालशाह रफई को 16 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी केन्द्र में सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (डिजाइंस) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

मणि नारायण स्वामी
वस्तु आयात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-1 अनुभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1975

सं० प्र०-1/1(1020)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं:—

1. पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक श्री बी० के० संकरालिंगम को उसी कार्यालय, मद्रास में।
2. निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में अवर प्रगति अधिकारी श्री एस० के० बनर्जी को उसी कार्यालय बम्बई में।
3. निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के अवर प्रगति अधिकारी श्री पी० के० पतानकर को उसी कार्यालय बम्बई में।

श्री बी० के० संकरालिंगम, श्री एस० के० बनर्जी तथा श्री पी० के० पतानकर की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका संख्या 739/71 के निर्णय के आधीन होगी।

दिनांक मार्च 1975

सं० प्र०-1/1(1003)—राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1973 के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित प्रत्याशियों को दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय पूर्ति सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III में परिधीक्षाधीन नियुक्त करते हैं:—

1. श्री मदन मोहन आहूजा
2. श्री अनिल कुमार जैन

उपरोक्त प्रत्याशियों ने 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (प्रशिक्षण आरक्षित) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-1/1(1000)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० सी० सी० उन्नी को उनके संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर दिनांक 6 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित अस्थायी आधार पर उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री उन्नी 6-11-1974 से 5-11-1976 तक दो वर्ष के लिए परिधीक्षाधीन होंगे।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली दिनांक फरवरी 1975

सं० प्र०-1/1(1017)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा महानिदेशालय (रक्षा मंत्रालय) के स्थायी भंडार अधिकारी (सिविल) श्री सुजान सिंह को दिनांक 10 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 मार्च 1975

सं० ए०-17011/86/75-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति, तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री ए० सी० निगम को दिनांक 3-2-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली
उप-निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए एस आर/ए पी० -1611/74-75 —यतः
मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो कोटा खालसा
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शान चन्द सपुत्र ठाकुर दास
139 डिफन्स कालोनी, अमृतसर । (अन्तरक)
2. मैसर्स रवि फाईनैन्स चिट फण्ड एण्ड कम्पनी, नवा कटड़ा
दाल मण्डी अमृतसर । मैसर्स परवेश स्टील इंडस्ट्रीज
पुतलीधर अमृतसर । मैसर्स एच० के० स्क्यू फैक्टरी
पुतलीधर अमृतसर । तथा श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र
बाबा सिंह गली न० 4 अमर कोट, अमृतसर ।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1432 तथा 1433
जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए पी -1612/74-75 ---यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० जमीन है तथा जो कोट खालसा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान चन्द्र पुत्र ठाकर दास
139 डिफेंस कालोनी, अमृतसर (अन्तरक)
2. सैसर्ज एच० के० सकरीऊ फैक्टरी, पुतलीघर, अमृतसर और श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र बाबा सिंह, गली नं० 4 अमर कोट, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1433 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए पी-1613/74-75 —यतः मुझे
अध्या० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो कोट खालसा,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान चन्द्र पुत्र श्री ठाकर दास,
149 डिफेंस कलोनी, अमृतसर (अन्तरक)

2. मैसर्स रवी फाईनेन्स चिट फण्ड एण्ड को० नवां कटरा,
दाल मण्डी, अमृतसर मैसर्स परवेश स्टील इन्डस्ट्रीज
पुतलीघर, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1432 जुलाई 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए पी-1614/74-75 —यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा हुकम सिंह रोड, अमृत-
सर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह पहलवान पुत्र श्री हरनाम सिंह और
श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री अजीत सिंह धर्मवीर
सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी वरना तहसील तरन तारन
जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष खोसला पत्नी श्री राम लुभाया खोसला,
इन्कम टैक्स प्रैक्टिशनर, हुकम सिंह रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1378
जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी / -1615 / 74-75 —यतः मुझे
बी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो आर० बी० प्रकाश-
चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का-
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सचदेव एण्ड को०,
13 कैन्ट, अमृतसर द्वारा श्रीमती मरगिस सचदेव
(अन्तरक)
2. श्री कमल किशोर पुत्र श्री दुर्गादास कटवा डूलो, अमृत-
सर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1472
जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा
है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी-1616 / 74-75 —यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो आर० बी० प्रकाश चन्व रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सजदेह एण्ड कम्पनी, (अन्तरक)
13 कैन्ट, अमृतसर द्वारा श्रीमती नरगिस सजदेह
2. श्री देव राज पुत्र दुर्गा दास, (अन्तरिती)
कटड़ा बूली, अमृतसर
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1629 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश नं० अमृतसर / एपी-1617/74-75 —यतः मुझे
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०- -XIII185-1 है तथा जो
हाईवे मार्केट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
प्रार्थितः—

2—26GI/75

1. श्री महन्त बचन दास चेला महन्त बसन्त दास वासी चिटा
अखाड़ा बाजार माई सेवा, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह पुत्र मखन सिंह
गली शान वाली, महासिंह गेट, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति धामोप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1509
जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा
है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर/बी टी एल/ए पी-1618 /74-75—

मतः मुझे बी० आर० सगर आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है और जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सुन्दर सिंह सपुत्र खुशहाल सिंह, (अन्तरक) बावली इन्द्रजीत, बटाला।
2. मैसर्स एटलस इंजियरिंग इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती) जी० टी० रोड बटाला द्वारा श्री जानकी नाथ क्वाटरा।
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह ~~सम्पत्ति~~ में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए-एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अद्यय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2667 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर बी टी एल/ए पी-1619/74-75—यतः
बी० धार० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रुपये से अधिक है
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो जी० टी० रोड, बटाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करणे
या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधि-
नियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री प्राण नाथ सपुत्र रोशन लाल बाह्यण (अन्तरक)
कपूरी गेट, बटाला ।

2. श्री मंगल राम सपुत्र देश राज कर्मचन्द सपुत्र ज्ञानचन्द
मार्फत मैसर्ज कर्मचन्द अशोक कुमार, जी० टी० रोड,
बटाला । (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2878 जुलाई,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में है ।

बी० धार० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर / ए पी -1620 /74-75—यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सम्पत्ति है तथा जो कूपर रोड, अमृतसर में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती संगीता मेहरा पत्नी राधा रमण मेहरा गोपाल मेसन नजवीक मैट्रो सिनेमा, धोबी तलाव, बम्बई द्वारा श्री राम लुभाया सपुत्र श्री जगन नाथ, दाब बस्ती राम, अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स मेहरा खन्ना लक्की स्कीम (प्रा०) लि० गागर मल-रोड अमृतसर द्वारा श्री मनोहर खानल (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराए दार जो सम्पत्ति में रहते हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अमृतसर कार्यालय द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई है तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अधिनियम, के अध्याय 20-फ में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख, 1626 जुलाई, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में हैं।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी -1621 /74-75--यतः मुझे
श्री० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जो कपूर रोड, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

1. श्री भगवान दास सपुत्र श्री अमर नाथ मेवा मण्डी, अमृत-
सर । (अन्तरक)
2. मेसर्स मेहरा खन्ना लक्की स्कीम (प्रा०) लि० गागर
मल रोड , अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोदाम न० 150-151, 152/13-2 कपूर रोड, अमृतसर में
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1260 जुलाई 1974 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

श्री० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश सं० अमृतसर / ए पी -1622 / 74-75 —यतः मूझे
वी० आर० सगर आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाहर हाल गेट अमृतसर में
स्थित है (और इससे [उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा कट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बृजमोहन सहगल सपुत्र राम दिता मल श्रीमति
निर्मल सहगल पत्नी सुरिन्द्र मोहन श्रीमती कंचन-
कपूर, रेणू तथा सुषमा सपुत्रयां सुरिन्द्र मोहन द्वारा
श्री बृज मोहन सहगल, गुरु का महल, अमृत-
सर । (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी सोहन सिंह तथा हरिन्द्र
सिंह सपुत्र सोहन सिंह 15 पवन नगर, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा दूसरे व्यक्ति जो सम्पत्ति में
रहते हैं । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1286 जुलाई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28 फरवरी 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर /ए पी-1623/74-75—यतः मुझे बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाहर हाल गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बृजमोहन सहगल सपुत्र रामदत्तामल, निर्मल सहगल पत्नी सुरिन्द्र मोहन, श्रीमती कंचन कपूर, रेणू तथा सुषमा सपुत्रियां सुरिन्द्र मोहन द्वारा श्री बृज-मोहन सहगल, गुरु का महल अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह सपुत्र तेजा सिंह तथा कुलदीप सिंह सपुत्र सोहन सिंह, 15 पवन नगर, अमृतसर (अन्तरिती)

* (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा दूसरे व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहते हैं।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1287, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/पी एच जी/ए पी/-1624/74-75—
यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामगडीया एंज्केमनल कोन्सल फगवाड़ा द्वारा
श्री मेला सिंह पुत्र माया सिंह प्रैजीडेन्ट, फगवाड़ा
(अन्तरक)

(2) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र अजीतसिंह वासी गांव बीरक
तहसील फिर्गौर (अन्तरिती)

* (3) जैसा न० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

* (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 822 जुलाई 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर / पीजीएच / एपी-1625/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है और

जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रामगढ़ीया ऐजुकेशनल कौन्सिल फगवाड़ा द्वारा
श्री मेलासिंह पुत्र माया सिंह प्रैजिडेंट फगवाड़ा
(अन्तरक)

(2) श्री गुरबखश सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह वासी बीरक
तहसील फिलौर (अन्तरिती)

*(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 848, जुलाई 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जोलागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर/पीजीजी/एपी-1626/74-75—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) रामगडीया ऐजुकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री मेला सिंह पुत्र माया सिंह फगवाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री पुष्पा बती पत्नी बांके बिहारी पुत्र भगत राम वासी फगवाड़ा (अन्तरिती)

*(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 996, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश नं० अमृतसर/पी एच जी/ए पी-1627/74-75—

यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री रामगढ़ीया एजुकेशनल कौन्सल फगवाड़ा द्वारा श्री
मेला सिंह पुत्र माया सिंह प्रैजीडेंट, फगवाड़ा
(अन्तरक)

2. श्री राधारमण पुत्र बांके बिहारी पुत्र भगत राम जलनत
वासी फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 997 जुलाई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० अमृतसर/पी एच जी / ए पी / 1628 / 74-75—

मत: मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल / 36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती करतार कौर पत्नी किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह आफ रेलवे रोड फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी मौली तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी - एक्स एल 136 का 1/5 भाग जो रेलवे रोड फगवाड़ा में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 852 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर/फग०/ए पी -1629/74-75—

यतः मुझे; बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशन सिंह पुत्र जीवन सिंह वासी फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री परमजीत सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी मौली तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० बी-एक्स एल का 1/5 भाग जो रेलवे रोड, फगवाड़ा में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 858, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर फग०/ए० पी०-1630/74-75—यतः मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग है तथा जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र नगीना सिंह वासी फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री सन्तोख सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी गांव मौली तहसील फगवाड़ा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग जो रेलवे रोड फगवाड़ा में जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 855, जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश नं० अमृतसर फग०/एपी-1631 / 74-75--
यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/5 हिस्सा मकान नं० बी-एक्स एल/36 है तथा
जो रेलवे रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

1. श्री किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह मुख्तियारे आम आफ
जगजीत सिंह उर्फ रजिन्द्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह वासी
फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री जसपाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह वासी गांव मौली
तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति,
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 हिस्सा मकान नं० बी-एक्स एल/ 36 रेलवे रोड फगवाड़ा
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 854 जुलाई 1974 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----- 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर/फग०/एपी-1632/74-75—यतः
मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5 भाग
है तथा जो रेलवे रोड़, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री किशन सिंह पुत्र जीवा सिंह मुक्तियार ग्राम आफ
श्रीमती तरसेम कौर पत्नी दरशन सिंह वासी रेलवे
रोड़ फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह पुत्र गोकल सिंह वास मौली नजदीक
मसुल चुंगी, फगवाड़ा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेलवे रोड़ फगवाड़ा पर मकान नं० बी-एक्स एल/36 का 1/5
भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 853 जुलाई 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर/फग०/एपी—1633/74-75—यतः
मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा वस्तु में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—26 GI/75

- (1) श्री गुरमेल सिंह पुत्र मैहगा सिंह चक बिलगा
(अन्तरक)
- (2) श्री हंस राज शीश पाल पुत्राण श्री हलिया राम वासी
खान खना तहसील नवां शहर (अन्तरिती)
- (2) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 810 जुलाई 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/एपी-1634/74-75—यतः
मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया या किना जाना चाहिए या, किनाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री रामगडिया एजुकेशनल कौन्सिल फगवाड़ा द्वारा
श्री मेला सिंह, प्रेजिडेंट (अन्तरक)
- (2) श्री मेजर सोहन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह बासी औरक
नजदीक फगवाड़ा तहसील फिलौर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अबोधुस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधुस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में ब्यापारिभाषित हैं, यही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्थात् जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 821 जुलाई 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए०पी०-1635/74-75—यतः
मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव तुंग पाई तहसील अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) नरैन सिंह पुत्र लाल सिंह तुंग तहसील पटी (अन्तरक)
- (2) श्री दलीप सिंह पुत्र बन्ता सिंह संगारा सिंह प्यारा सिंह
पुत्र दलीप सिंह गांव तुंग पाई तहसील अमृतसर
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1391 जुलाई
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटी में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस० ———

**धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर / पटी/ ए पी-1636 / 74-75 —यतः

मुझे, बी० आर० सगर,

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तुंग वाला, तहसील अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य धास्तियों, को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरैन सिंह पुत्र लाल सिंह वासी तुंग तहसील पटी जिला अमृतसर (अन्तरक)
2. जरनैल सिंह करनैल सिंह, अजीतसिंह, जोगिन्द्र सिंह उर्फ लालसिंह बलबीर सिंह पलविन्द्र पुत्राण लछमन सिंह पुत्र तोतासिंह वासी गांव तुंगबाला तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1392 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटी में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28, फरवरी 1975

निदेश न० अमृतसर / एपी -1637/ 74-75—यतः मुझे
बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० धरती है तथा जो रेस क्रोस रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर विधवा श्री उजागर सिंह सुल्तान
बिड़ रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री वासुदेव अन्तर, श्री गोवर्धन दास और रमन कुमार
पुष्पाण श्री देसराज 63 दया नन्द नगर, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्ने
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना प्रती
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1604 जुलाई 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

बी० आर० सागर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश नं० अमृतसर/पी एच जी / ए पी -1638/74-75—
मत: सक्षे, धी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है तथा जो फगवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उत्तेके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या छिपाने में सुविधा के लिए :

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमेल सिंह पुत्र मेहगा सिंह वासी चक बिलगा (अन्तरक)

2. श्री तारा चन्द पुत्र रलिया राम तेज पाल, अशोक कुमार,
राजकुमार पुष्पाण भगत राम वासी खन खनान तहसील
नवांशहर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 850 जुलाई
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी-1639/74-75—यतः मुझे, बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो गली आचार्य, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्पहू प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगल किशोर पुत्र काहन चन्द इनसाइड कुचा दरवाजा सीहल, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री बूटी राम पुत्र राम दास और संसारी लाल पुत्र बूटी राम बाजार टाहली साहब, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

महान गली आचार्य जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 1530 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी-1640 / 74-75—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आयदाद कपूर रोड अमृतसर हैं तथा जो कपूर
रोड अमृतसर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अन्तर्गत, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तिओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, धारा 269-घ के अमृतसर में, मैं,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्जितः—

1. श्री राजकुमार बेरी सपुत्र श्री महेश दास कटडग भाई
भाई सन्त सिंह गली गोसाईयां अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री कैलाश नाथ अमर नाथ प्रवेश चन्द्र सपुत्राण श्री बाल-
मुकन्द नया मिसरी बाजार अमृतसर (अन्तरिती)
3. मैसर्ज बेरी एण्ड कम्पनी गुरदास राम शापकीपर, पप्पू
बूल, मैसर्ज जेम वर्कशाप कपूर रोड अमृतसर
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हो कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद कपूर रोड अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1536 महीना जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
में लिखा है ।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर / ए पी-1642 / 74-75— यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कपूर रोड अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधि-
नियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—26GI/75

1. श्रीमती मन्तोष मेहरा पत्नी सुदर्शन मेहरा कटड़ा चक़त
सिंह गली जरगरा अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री कैलाश नाथ, अमर नाथ, प्रवेश चन्द्र सपुत्राण बाल-
मुकन्द, नया मिसरी बाजार अमृतसर (अन्तरिती)
3. मैसर्स बेरी एण्ड को० गुरदास राम शापकीपर, पप्पू
बूल मैसर्स जेम वर्कशाप कपूर रोड अमृतसर (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद कपूर रोड अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1568 महीना जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर / पी एच जी / ए पी-1643/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 1 कनाल 17 सरले है तथा जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन सिंह पुत्र प्रताप सिंह गांव कोट रानी तहसील फगवाड़ा जिला कपूर थला (अन्तरक)
2. श्री पारवर सिंह पुत्र लाभसिंह गांव अथोली तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा फगवाड़ा गरबी में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 944 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28-2-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 7-3-1975

निर्देश सं० बी जी आर (डी एल आई) /6/74-75/—
अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है और
जिसकी सं० प्लॉट नं० 55, डी० अल० अफ० इन्डस्ट्रियल
इस्टेट नं० 1 मथुरा रोड, फरीदाबाद है तथा जो फरीदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
मेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- (1) (i) मै० इम्पिरियल टेक्नीकल वर्क्स, 6/3 रोहतक रोड
(पंजाबी बाग), दिल्ली
(ii) श्री अस० अस० बेरी,
(iii) श्री ऐ० अस० बेरी पार्टनर मैसर्स इम्पिरियल
टेक्नीकल वर्क्स 6/3 रोहतक रोड (पंजाबी बाग)
दिल्ली (अन्तरक)
- (2) (i) श्री अस० के० जैन,
(ii) श्रीमती कमला जैन,
(iii) श्रीमती पुष्पा जैन,
बी- 4/166, सफदरजंग, इन्कलेख, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 55, डी० अल० अफ० इन्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 1
मथुरा रोड फरीदाबाद (क्षेत्रफल 3382.5 वर्गगज) (जसे कि
रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 843, जुलाई 1974 में सब-रजिस्ट्रार
दिल्ली के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 7-3-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-बी

तारीख 14-3-1975

निदेश सं० बी जी आर / (डी एल आई) / 3/74-75—
अतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद जिसका नं० औद्योगिक प्लॉट नं० 10,
सेक्टर 6, फरीदाबाद है जिसके साथ तारें, ट्यूबवैल पानी का नल
हैंटें और कच्ची इमारत भी है तथा जो फरीदाबाद जिला मुडगांव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी प्रिन्सीपल आफिसर, सुपरटोन इलेक्ट्रीकलज प्राईवेट
लिमिटेड बी 6, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) दी प्रिन्सीपल आफिसर हेन लैहमान (भारत) लिमिटेड
16, हेर स्ट्रीट कलकत्ता -1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसकी नं० औद्योगिक प्लॉट नं० 10 सेक्टर 6,
फरीदाबाद है जिसके साथ, तारें, ट्यूबवैल, पानी का नल, हैंटें
और कच्ची इमारत भी है

उत्तर :—प्लॉट नं० 11 ओरीयन्ट जनरल इन्डस्ट्रीज,

दक्षिण :—प्लॉट नं० 9 ऐ ज्योती इन्टरस्ट्राट्रुज

पूर्व :—प्लॉट नं० 16 और 17

पश्चिम :—मैन दिल्ली मथुरा रोड.

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 940, जुलाई 1974,
में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 14-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 14-3-1975

निदेश सं० बी जी आर/(डी एल आई)/5/74-75/—अतः
मुख्य जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी सं० जायदाद जिसका प्लॉट नं० 17 है और जिस पर
बिल्डिंग बनी हुई है जो फरीदाबाद इन्डस्ट्रियल कम
हाउसिंग इस्टेट सैक्टर 4, फरीदाबाद जिला गुडगांव में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती भागवती भुटानी, (अन्तरक)

(2) सर्वश्री

(i) बी० के० कपूर,

(ii) रणवीर कपूर,

(iii) आर० के० कपूर,

(iv) अरुण कपूर

(अन्तरिती)

नाबां लिंग द्वारा श्री अस० पी० कपूर, पता—प्राकृतिक संरक्षक
निवासी 10-डी, देव नगर, दिल्ली-5

(3) मै० सिकन्दर प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड, 56, फरै-
न्ड कलौनी, ईस्ट, नई दिल्ली, (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका प्लॉट नं० 17 है और जिस पर बिल्डिंग
बनी हुई है जो फरीदाबाद इन्डस्ट्रियल कम हाउसिंग इस्टेट
सैक्टर 4, फरीदाबाद जिला गुडगांव में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्री कृत के विलेख नं० 907, जुलाई 1974
में सब रजिस्ट्रार दिल्ली के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 14-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० एस आर एस/ 23/74-75/—अतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग दूकान नं० 127 है तथा जो नई मण्डी, सिरसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (i) श्री चिमन लाल पुत्र श्री नथू राम, पुत्र श्री-गुरु दित्त, (ii) श्रीमती शान्ती देवी विधवा पत्नी श्री नेकी राम माता और नेचुरल गारडियन पुत्र श्री पुरख चन्द नाबालिग पुत्र श्री नेकी राम पुत्र श्री नथू राम, निवासी गांव, रानीया तहसील सिरसा (अन्तरक)
- (2) (i) श्री सतनाम राम (ii) श्री जयमल राम पुत्रान चौधरी तथा सिंह, पुत्र श्री मिलन राम, निवासी सिरसा, जिला हिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दूकान नं० 127, जोकि नई मण्डी, सिरसा, जिला हिसार में स्थित है।

उत्तर :—सड़क

पूर्व :—दूकान नं० 128 आफ श्री मुकन्द लाल.

पश्चिम :—दूकान नं० 126 (आंच आफ स्टेट बैंक आफ इण्डिया सिरसा,

दक्षिण :—मण्डी चौक,

अगला हिस्सा दक्षिण में मण्डी की तरफ है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156 सैक्टर 9-बी

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तिथि 4-2-1975

निर्देश सं० एस आर एस/24/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान नं० 127 है तथा जो नई मण्डी सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं विद्यमान है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री नन्द लाल पुत्र श्री नथू राम, पुत्र श्री गुरु दत्ता,
(ii) श्री बाबू राम पुत्र श्री नेकी राम पुत्र श्री नथू-राम, गांव रानीया, तहसील सिरसा, जिला हिसार (अन्तरक)

(2) (i) श्री हरीचन्द (ii) श्री गोपी चन्द पुत्राण चौधरी तथा सिंह पुत्र श्री मिलावा राम, निवासी सिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान नं० 127, नई मण्डी, सिरसा, जिला हिसार में स्थित है।

पूर्वः—दुकान नं० 128 श्री मुकन्द लाल,

पश्चिमः—दुकान नं० 126, (आंच स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सिरसा)

उत्तरः—सड़क

दक्षिणः—मण्डी चौक

अगला हिस्सा दक्षिण की तरफ है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, तिथि 1-2-1975

निदेश सं० लुधियाना/सी/347/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि, क्षेत्रफल 775 वर्गगज है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देविन्द्र सिंह गारचा, पुत्र श्री शमशेर सिंह, निवासी
 ठण्डारी खुर्द, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री सरवगीत सिंह, पुत्र बरगोडियर सवर्नसिंह, निवासी
 होशियारपुर मार्फत श्री योगिन्द्र सिंह रीटायर्ड पी०
 पी० रतन बिलडिंग, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, क्षेत्रफल 775 वर्गगज, जोकि तरफ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है ।

खसरा नं० 73/7/2, खेवट नं० 1426, खतौनी नं० 1527, जमाबन्दी 1970-71 ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 'नं० 3482, जुलाई, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय का

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी 1975

निदेश सं० लुधियाना / सी / 337 / 74-75—अतः मुझे
जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सदा, तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—26GI/75

(1) (i) श्री मोहन सिंह, पुत्रान श्री दरबारा सिंह,
(ii) श्री सुरजीत सिंह, (अन्तरक)
(iii) श्री हरमिन्द्र सिंह,
निवासी धर्मपुरा, लुधियाना

(2) सर्वश्री (अन्तरिती)

(i) चमनलाल, पुत्र धनी राम 25/100.

(ii) शक्ति कुमार पुत्र राम प्रकाश 15/100

(iii) श्रीमती सवित्री देवी पुत्री जीवन मल
10/100

(iv) श्रीमती सुवेश कुमारी, पत्नी श्री ओम प्रकाश,
1/8

(v) बिहारी लाल, पुत्र पोखरदास, 1/8

(vi) मुख्तार राज पुत्र चमन लाल 25/100.

द्वारा गोसाई परापरटी डीलर्ज, चौक समराला
रोड, लुधियाना .

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 बिस्वा 19 बिस्वासी जो कि तरफ सदा तहसील
लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला रोड चौक से दो फलांग
की दूरी पर और बुचड़खाना और समराला रोड के बीच में है।

खसरा नं० 943, खाता नं० 39/53, खसरा नं० 947,
खाता नं० 617/829, जमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3250, जुलाई 1974,
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख, 27 जनवरी 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी/338/74-75/ यतः, मुझे
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदा, तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री

(i) प्रीतम सिंह } सपुत्र श्री गुरबचन सिंह,
(ii) हरबस सिंह } निवासी धर्मपुरा, लुधियाना

(2) सर्वश्री (अन्तरक)

(i) चमन लाल, पुत्र धनी राम 25/100
(ii) शक्ति कुमार, पुत्र रामप्रकाश 15/100
(iii) श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्री जीवन मल 10/
100
(iv) श्रीमती सुदेश कुमारी, पत्नी श्री श्रोमप्रकाश 1/8
(v) बिहारी लाल, पुत्र पोखर दास, 1/8
(vi) मुख राज, पुत्र चमनलाल, 25/100
(अन्तरिती)

मार्फत गोसाईं, प्रापरटी डीलर, चौक समराला रोड
लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 8 बिस्वा, 19 बिसवांसी जो कि तरफ सैदा तहसील
लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला रोड चौक से दो
फलांग की दूरी पर बूचड़खाना और समराला रोड के बीच में
है । खसरा नं० 943, खाता नं० 39/53, खसरा नं० 947,
खाता नं० 617, 829, अमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 325, 3251 जुलाई,
1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी 1975

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर, 9-बी

तिथि 27 जनवरी 1975

निर्देश सं० लुधियाना /सी/ 339/74-75 —अतः मुझे
जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ सैदा, तहसील लुधि-
याना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न
लिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री

(i) सुरजीत सिंह, सुपुत्र श्री भजन सिंह,

(ii) हाकिम सिंह, सुपुत्र श्री शेर सिंह,

निवासी धर्मपुरा लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री

(i) चमन लाल, पुत्र घनी राम 25/100.

(ii) शक्ति कुमार, पुत्र राम प्रकाश 15/100.

(iii) श्रीमती सावित्री देवी, पुत्री श्री जीवन मल
10/100

(iv) श्रीमती सुदेश कुमारी, पत्नी श्री ओम प्रकाश
1/8

(v) बिहारी लाल, पुत्र पोखर दास, 1/8

(vi) मुख्तार राज, पुत्र चमन लाल, 25/100.

मार्फत गोसाई, परापटी डीलर्स, चौक समराला
रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 8 बिस्वा, 19 गिस्वामी जो कि तरफ सैदा तहसील
लुधियाना में स्थित है और जो कि समराला रोड चौक से दो
फर्लांग की दूरी पर बूचड़खाना और समराला, रोड के
बीच में है।

खसरा नं० 943, खाता नं० 39/53, खसरा नं० 947,
खाता नं० 617/829, जमाबन्दी 1967-68.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3252, जुलाई 1974
में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी 1975

निदेश सं० लुधियाना/477/74-75—अतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव भोरा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 74,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री हरकृष्ण सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह गांव भोरा, तहसील और जिला लुधियाना । (अन्तरक)

(2) मै० धीर एण्ड कम्पनी, 55, भदौड़ हाउस, लुधियाना द्वारा श्री राम चन्द्र धीर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल गांव भोरा तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है । और लुधियाना शहर से 2½ मील दूरी पर जालन्धर जाने वाली जी० टी० रोड के दाहनी ओर है ।

किला नं० 14 खाता नं० 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 और 28. (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3470, मास जुलाई, 1974 में दिखाया गया है ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी 1975

निदेश स० लुधियाना/सी/350/74-75—अतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जमीन 4 कनाल 1 मरला तथा जो गांव भोरा तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध) अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरकिशन सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह निवासी भोरा, तहसील और जिला लुधियाना। (अन्तरक)

(2) मै० धीर एण्ड कम्पनी, 55, भरोड़ा हाउस, लुधियाना द्वारा श्री रानम चन्द्र धीर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कनाल 1 मरला जो कि गांव भोरा तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है और जो लुधियाना शहर से 2½ मील की दूरी पर, जालन्धर में जाने वाली जी० टी० रोड, के दाहनी ओर है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3538, मास जुलाई, 1974 में दिखाया गया है।

किला नं० 14 खाता नं० 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 और 28।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर-9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जनवरी, 1975

निदेश सं० करनाल/61/74-75/—अतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 549 क्षेत्रफल 1450 वर्गगज (या 26040 वर्गफुट है तथा जो माडल टाऊन, करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री सरदार सिंह पुत्र श्री सरदार करम सिंह,
(ii) श्री गुरजीत सिंह, पुत्र सरदार सिंह, 41,
रणधीर लेंन, करनाल,
(अन्तरक)

(2) (i) श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह,
(ii) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी परमजीत सिंह
(iii) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा सरदार गुरदित्त सिंह,
(iv) श्री प्रिथी पाल सिंह, पुत्र सरदार गुरदित्त सिंह,
निवासी, 162, प्रेम नगर, करनाल .
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 549, माडल टाऊन, करनाल

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० लुधियाना/सी/373/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपुर रोड, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम दास, 1231, गली नं० 5, राजिन्द्र नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन सिंह, पुत्र श्री दिलबारा सिंह, कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपुर रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० बी-एक्स एक्स-1280, फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4095, जुलाई 1974 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के बपतर में लिखा है)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31 जनवरी, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तिथि, 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़/166/74-75/—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आपका अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं०

665 इन्डस्ट्रियल एरिया, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश गुप्ता, मकान नं० 1685-86, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) (2) श्रीमती जगदीश कौर पत्नी श्री बलशीश सिंह, द्वारा अस० सी० आफिस नं० 8-9, सैक्टर 17-बी चण्डीगढ़. (अन्तरिती)

3 श्री कैलाश चन्द, मालिकमै नारदन इन्डिया कैमिकल इन्डस्ट्रीस, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा इन्डस्ट्रियल आधूरी बिल्डिंग नं० 665, इन्डस्ट्रीयल, एरिया, चण्डीगढ़

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 492, में अगस्त, 1974 को सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है।

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़/167/74-75/—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 665, इन्डस्ट्रियल ऐरिया है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—26G1/75

- (1) श्री शाम कुमार गुप्ता, 1685-86 सैक्टर, 22-बी चण्डीगढ़. (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जगदीश कौर पुत्री, [श्री बखशीश सिंह, c/o सी० अस० अफ० नं० 8-9, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़. (अन्तरिती)
- (3) श्री कैलाश चन्द्र मालिक, मै० नारदन इण्डिया कैमीकल इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में समति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग आधूरी इन्डस्ट्रियल बिल्डिंग नं० 665, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, चण्डीगढ़.

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 493 अगस्त 1974 में सब-रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 जनवरी 1975

निदेश सं० चण्डीगढ़/237/74-75—अतः मूखे जी० पी०
सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम,
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 244, सैक्टर 19-ए, है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 262ग के अनुसरण
में, मैं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | | |
|--|---|-------------------------------|
| (1) | (i) श्री मुरारी लाल | } चिरनजी लाल,
पुत्रान श्री |
| | () श्री राम कुमार बंसल, | |
| शो रूम नं० 24, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़, 1 (अन्तरक) | | |
| (2) | श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री सीताराम, एस० सी०
एफ० 34, सैक्टर 18-डी चण्डीगढ़. (अन्तरिती) | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लॉट नं० 244, सैक्टर 19-ए चण्डीगढ़, क्षेत्रफल 618.75
वर्गगज,

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28, जनवरी, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 7-2-75

निर्देश सं० ए-4/74(14) 209/4—यतः मुझे, बी० पी०
मित्तल

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० ए० एम० सी० मकान नं० 7/142 है, जो
अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री हासानंद पुत्र श्री विधीमल मुस्लिम मोची मोहल्ला
अजमेर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी श्री रामचन्द्र पुत्र श्री हरपाल-
दास मुस्लिम मोची मोहल्ला अजमेर (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स ठाकुरमल नथरमल 2. मैसर्स दयालदास नथरमल
3. मैसर्स परमानंद किशनचन्द 4. मैसर्स भागवमल
मूलचन्द 5. मैसर्स धाननमल कियालदास मकान नं०
ए० एम० सी० 7/142 मोची मोहल्ला, अजमेर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मुस्लिम मोची मोहल्ला अजमेर जो कि अब सन्त नामदेव
मोहल्ले के नाम से जाना जाता है में स्थित मकान ए० एम० सी०
नं० 7/142 का आधा भाग ।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 7 फरवरी 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू 23-I 251 (137) /11-1/74-
75 यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी नं० प्लॉट नं० 142, 143 तथा 144, वार्ड नं० 1
है, तथा जो मजेवडी दरवाजा के बाहर, जूनागढ़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-7-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्ल आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राजेश्री आइल मिल मजेवडी दरवाजा के बाहर,
जूनागढ़ (अन्तरक)

(2) गणेश आइल मिल, मजेवडी दरवाजा के बाहर, जूना-
गढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसके साथ 2682-02 वर्गगज खुली
जमीन है, और जिसमें आयल मिल के आफिस कमरे, गोदाम,
स्टोर रूम, इत्यादि शामिल है, और जिसका प्लॉट नं० 142,
143, तथा 144 है, और जो वार्ड नं० 1, आयल मिल एरिया
(इन्डस्ट्रियल एरिया), मजेवडी दरवाजा के बाहर जूनागढ़
में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 7-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सोमारु राय व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दसरथ सेठ व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

दिनांक 30 जनवरी 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1021 वर्गफुट है, जो कि
मोहल्ला -हाथी गली, बीबी हटिया, वाराणसी में स्थित है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

विश्वम्भरनाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री दीन दयाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री केशर सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 31 जनवरी 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 26-के०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वम्भरनाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 74/4 है तथा जो विजयनगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

एक किता सक्कान जिसका क्षेत्रफल 3741 वर्गफुट है, जो कि
विजय नगर लखनऊ में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

विश्वम्भरनाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 31-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-263 (136) / 1-1/74-
75-यत : मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 1-5 फायनल प्लॉट नं० 102 है तथा
जो मणीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 17-7-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नटवरलाल बनमालीदास ठाकुर, पुनीत आश्रम
के सामने, मणीनगर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन नटवरलाल ठाकुर पुनीत आश्रम
के सामने, मणीनगर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक तीन मंजला मकान जो 317 वर्गगज भूमि पर स्थित है,
है, और जिसका सब-प्लॉट नं० 1-5, फायनल प्लॉट नं० 102
है और जो पुनीत आश्रम के सामने मणीनगर टाउन प्लेनिंग स्कीम,
अहमदाबाद में स्थित है और जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं :—

पूर्व :— सब प्लॉट नं० 4

पश्चिम :— बीमन लाल मंगलदास की सम्पत्ति

उत्तर :— 30 फुट का रास्ता

दक्षिण :— सब प्लॉट नं० 6

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I
अहमदाबाद

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12-2-1975

निदेश सं० आर० ए० सी० 107/74-75—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-145/4/ए हिमायत नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-4-1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती हुसेनी बेगम, 3-6-145/4/ए, हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० महीपाल रेडी, 3-6-573, हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसका अधिभोग में संपति है)
- (4) डाक्टर प्रकाश देशपांडे, 3-6-145/4/ए हिमायत नगर हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—दुमंजला ईमारत नं० 3-6-145/4/ए, हिमायत नगर, हैदराबाद क्षेत्रफल 114 वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - II, अहमदाबाद

तारीख 4-2-1975

निदेश सं० 183/ए० सी० न्यू० 23-343/19-8/74-75— अतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० नॉथ नं० 348, म्यू० वार्ड नं० 13, प्लॉट नं० 26 है, जो अठवा, ता०, चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 2-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या 'किया जाना चाहिए' था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—
8—26 GI/75

(1) श्री हरखचन्द मगनलाल शाह गाले मण्डी, गोल शेरी, सूरत (अन्तरक)

(2) भगवान दास गजन मल धरीयान गोपी पुरा, काजी मैदान कंकू मेम्शन, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नॉथ नं० 348 पैकी म्यू० वार्ड नं० 13 (रे० सं० नं० 30-2 पैकी) प्लॉट नं० 26 (टी० पी० एस० नं० 5, एफ० पी० नं० 576) जिसका कुल माप 938 बगैंगज है और जो अठवा ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, सूरत के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2540, जुलाई 1974 में प्रदर्शित है ।

पी० ए० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 4-2-1975
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज -II अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 5-2-1975

निदेश सं 184/ए० सी० ब्यू० 23-268/7-4/74-75
अतः मुझे, पी० ए० मिस्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 619-1,620, सी० एस० नं० 4-5, टीका नं० 21 पैकी म्यु० हा० नं० 389 एफ० वार्ड नं० 9, प्लॉट नं० 19 है तथा जो पूर्ण सोसायटी, स्टेशन रोड, नवसारी जि० बलसाड में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिवदन भाई मनीलाल ठाकोर जेमनी फ्लैट्स,
उफनाला शाहीबाग अहमदाबाद. (अन्तरक)

(2) श्री रामभाई नथुभाई पटेल उहयाभाई नथुभाई पटेल
की ओर से उसके बहीबर कर्ता रामभाई एन० पटेल
19, पूर्णसोसायटी, स्टेशन रोड, नवसारी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन बमकान सहित अक्षल सम्पत्ति रे० सं० नं० 619-1620 सी० एस० नं० 4-5, टीका नं० 21 पैकी म्यु० हा० नं० 389 एफ० म्यु० वार्ड नं० 3 प्लॉट नं० 19, जो पूर्ण सोसायटी, स्टेशन रोड नवसारी में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 5250 वर्ग फुट है जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी द्वारा जुलाई 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 835 में प्रदर्शित है।

पी० ए० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -II
अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1975

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 7-2-1975

निदेश नं० 185/ए० सी क्यू० 23-261/19-7/74-75
—अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 2396 म्यु० वाई नं० 4, है तथा जो मोमनावाड, सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-75

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वल्लभभाई छगन लाल पटेल महीवरपुरा लीम्ब
शेरी, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री अब्बास हुसेन मोहम्मदभाई भौरानिया

गलाम हुसेन " "

अबदुल रहीम " "

पीरमोहम्मद " "

अब्दुल कादर " "

इस्माईल भाई

सलाबत पुरा, मोमनावाड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सहित प्रचल सम्पत्तियों घ नं० 2396, म्यु० वाई नं० 4, जिसका कुल माप 198 वर्गगज है और जो मोमनावाड सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2808 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 7-2-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7-2-1975

निदेश नं० 186/ए०-सी०-ब्यु०/23-265/19-7/74-75

अतः मुझे, पी० एन० मिस्तल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 228 पैकी है तथा जो रान्देर, ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैं० स्काय लाईन लैंड कॉर्पोरेशन की ओर से उसके सहियारी ठाकोर भाई जेरामभाइ मिस्त्री, सूरत (अन्तरक)

2. शिल्पी को-प्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सूरत की ओर से उसके चेयरमेन : खाजी भाई रणछोड़ भाई चावडा सेक्रेटरी : हरीभाई शामजीभाई परमार सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 228 पैकी जिसका माप कुल 8792 वर्ग गज है और जो रान्देर ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2587 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 10-2-75

निदेश नं० 187/ए० सी० क्यू०-23-218/7-4/74-75-अतः
मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 304/1 और 305/1 पैकी म्यु०
नं० 623-ए है, जो मानेक लाल रोड, नवसारी जि० बलसाड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 16-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० हिन्दुस्तान बाबिन एण्ड स्पूलस मेन्युफैक्चरिंग कं०
बड़ोदा की और से उसके सहियारी: भानुभाई छोटा भाई
पटेल, निम्नलिखितों के कुलमुस्तार :—

ललित चन्द्र मगनभाई पटेल, भूपेन्द्र मगनभाई पटेल,
शम्भू भाई छोटाभाई पटेल, रमेशभाई छोटाभाई पटेल, चितरंजन
शंभालाल पटेल, नटुभाई पुरुषोत्तमदास पटेल, चिमनभाई
पुरुषोत्तमदास पटेल, हर्षदाभाई पुरुषोत्तमदास पटेल, हीर
भाई पुरुषोत्तमदास पटेल, कान्ती भाई सी० पटेल, महेन्द्रभाई
सी० पटेल (अन्तरक)

2. नवरोजी सोराबजी तम्बोली श्रीमती नाजू नवरोजी,
तम्बोली, तेहमूरूप सोसबजी पम्तीली, श्रीमती पेरिन तेहमूरूप
तम्बोली। (अन्तरिती)

3. प्रिन्सीपल आफिसर, अहमदाबाद एडवान्स मिल्स कं०
लि०, नवसारी।

(यह व्यक्ति जिसके अभिग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन व मकान सहित अचल सम्पत्ति सर्वे नं० 304
हिस्सा-1 पैकी और सर्वे नं० 305 हिस्सा-1 पैकी म्यु० नं०
नं० 623/ए जिसका कुल माप 19224 वर्ग फुट (1785-
97.37 वर्ग मीटर (जुड़ी हुई है वस्तुओं व पेड़ों सहित)
जो मानेकलाल रोड, नवसारी, जि० बलसाड में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के जूलाई 1974
के रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रवर्णित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद।

तारीख : 10-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 11-2-1975

निदेश नं० 188/ए० सी० क्यू०-23-259/19-8/74-75—अतः मुझे, पी० एन० मिस्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 2939-ए-1-ए-2-ए है तथा जो महात्मा वाडी, शीदी शेरी के पास सलाबतपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धन सुखलाल फारस राम खतरी सलाबतपुरा, सिधी शेरी, सूरत । (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र अम्बाला मोदी, ईश्वर लाल ठाकोरदास कापडिया जयन्तीलाल ठाकोरदास चन्द्रकान्त जगमोहनदास छतिया वाला सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन व मकान सहित अचल सम्पत्ति नोंध नं० 2939-ए-1-ए-2-ए जिसका कुल माप 185 वर्ग गज है जो सिधी शेरी महात्मा वाडी, सलाबतपुरा सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जुलाई 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2609 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-2-1975

मोहर :

तारीख : 11-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 14-2-1975

निदेश नं० ए० सी० 116/आर०-5/कल०/74-75—

अतः मुझे एल० के० बालसुब्रह्मनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० पी० 126, 127, 128 है तथा जो बेनारस
रोड, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया हुआ या किया जाना चाहिए था,
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स कुमार इन्जीनियरिंग वर्क्स प्रा० लि० (अन्तरक)
3. श्रीमती मोहिनी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 10 कट्ठा, 0 छटांक, 5 स्को० फुट
जमीन जो पि 126, 127, 128 बेनारस रोड,
हावड़ा पर अब स्थित जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंसेस कलकत्ता
द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4250/1974 के अनुसार
है।

एल० के० बालसुब्रह्मनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16।

तारीख : 14-2-1974।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोच्चिन-II

एरणाकुलम दिनांक 4-2-1975

निदेश सं० एल० सी० 25/74-75—अतः मुझे टी० बी० स्वामीनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 48/7, 48/1 डी, 48/8, 48/10, है तथा जो कोयिकोड तालुका के नेल्लिकोड ग्रंश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेवायूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मेरी मात्यू, "पालमडम", चेवायूर कालीकट-17 (अन्तरक)

2. सोसाइटी आफ् दी प्रेसन्टेशन सिस्टेम्स, चेवायूर, कालीकट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ, शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कालिकट जिला, कोयिकोड तालुका में नेल्लिकोड ग्रंश देश के आर० एस० सं० 48/7, 48/1, 48/8, 48/1 के अन्तर्गत 6 एकड़ और 48 सैन्टस भूमि तथा मकान ।

टी० बी० स्वामीनाथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 4-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद 4-2-75

निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-267 (133)/11-2/
74-75—अतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 36 प्लॉट नं० 5, 6, तथा 7
है तथा जो जूनागढ़ बेरावल रोड, नूर मंजिल के निकट,
केशोद जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इसके उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, केशोद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी कर या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री वकील जयानंद वखतचंद दोशी, (2) श्री
वकील शशि कान्त मोहनलाल छाया, मांगरोल (अन्तरक)
- (2) श्री विनोदराय धीरजलाल, मैसर्स जयको टेक्सटाइल
डाईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स जेतपुर के एडमिनिस्ट्रेटर।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5733 वर्ग गज है, और
जिसका सर्वे नं० 36 प्लॉट नं० 5, 6 तथा 7 है और
जो जूनागढ़ बेरावल रोड, नूर मंजिल के निकट केशोद,
जिला जूनागढ़ में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित
हैं :—

पूर्व : सरकारी जमीन
पश्चिम : प्लॉट नं० 8
उत्तर : 15 फुट का रास्ता
दक्षिण : नूर मंजिल की जगह

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 4-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15-2-75

निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-432 (141)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है की सं० फायनल प्लॉट नं० 100, टी० पी० स्कीम नं० 3, है तथा जो शेखपुर-खानपुर (नवरंगपुरा), अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957) का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट द्वारा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उसकी ओर से भागीदार ए-1 लक्ष्मीलाल नाथालाल सोमाणी, अपने लिय तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुस्तियार के रूप में : (2) हसमुखलाल चूनीलाल मेहता; (3) मनुभाई जीनदास मेहता; (4) प्रबोध चन्द्र नाथालाल; (5) पद्माबेन रतिलाल; (6) कलावती भोगीलाल मेहता; (7) आसुतोष

विमलशंकर शास्त्री; (8) जनक भाई घेलाभाई शाह; (9) सुधीर कुमार शान्तीलाल मेहता, (10) बाबुभाई भोगीलाल; (11) दिलीपकुमार चंदुलाल पटेल; (12) पद्मा कुंदनलाल शाह; ठोटालाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

बी०-I. अशोक कुमार शान्तीलाल मेहता अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुस्तियार के रूप में :

(2) हसमुखलाल चूनीलाल मेहता; (3) मनुभाई जीनदास मेहता; (4) प्रबोध चन्द्र नाथालाल; (5) कलावती भोगीलाल मेहता; (6) आसुतोष विमलशंकर शास्त्री; (7) जनक भाई घेलाभाई शाह; (8) सुधीर कुमार शान्तीलाल मेहता; (9) बाबुभाई भोगीलाल; (10) दिलीप कुमार चंदुलाल पटेल, (11) पद्मा कुंदनलाल शाह। ज्ञान दीप सोसायटी, धूमकेतु मार्ग, एलिसब्रिज पालड़ी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती लीला बेन विष्णु प्रसाद पटेल (2) श्रीमती कोकिलाबेन महेन्द्र कुमार 596, मोटावास, नवा वाड़ज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

(3) मैसर्स नीरुमा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो अजन्ता कमर्शल सेंटर के आऊटफ्लोर पर सामने की तरफ स्थित है। और जिसका फायनल प्लॉट नं० 100, टी० पी० स्कीम नं० 3 है, और जो शेखपुर-खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 15 फरवरी 1975।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1975

निदेश सं० ए०सी०एन० 23-1-433(142)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

अन्तरक :—विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उसकी ओर से भागीदार :—

A-I लक्ष्मीलाल नाथालाल सोमाणी, अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के सुखितयार के रूप में :—

- (2) हसमुखलाल जूनीलाल मेहता;
- (3) मनुभाई जीनदास मेहता;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल;
- (5) पद्माबेन रति लाल;
- (6) कलावती भोगी लाल मेहता;
- (7) आसुतोष विमल शंकर शास्त्री;
- (8) जनक भाई छेला भाई शाह;

(९) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता;

(10) बाबु भाई भोगी लाल;

(11) दिलीप कुमार चन्दुलाल पटेल;

(12) पद्मा कुन्दन लाल शाह । छोटा लाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

B-I अशोक कुमार शान्ति लाल मेहता अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के सुखितयार के रूप में :—

(2) हसमुख लाल जूनी लाल मेहता;

(3) मनुभाई जीव दास मेहता;

(4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल;

(5) कलावती भोगी लाल मेहता;

(6) आसुतोष विमल शंकर शास्त्री;

(7) जनक भाई छेला भाई शाह;

(8) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता;

(9) बाबुभाई भागी लाल;

(10) दिलीप कुमार चन्दु लाल;

(11) पद्मा कुन्दन लाल शाह ।

ज्ञानदीप सोसाइटी, धूमकेतु मार्ग, एलिस ब्रिज, पालड़ी, अहमदाबाद।

(2) रमेशचन्द्र नटवरलाल पटेल 596, मोटावास, नवावाड़ज अहमदाबाद-13। (अन्तरिती)

(3) मैसर्ज तीरुमा (वह व्यक्ति; जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 57, जो अजन्ता कमर्शाल सेंटर के ग्राउंड फ्लोर पर पीछे की तरफ स्थित है, और जिस का फायनल प्लॉट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है, और जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण, बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 15-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-434(143)/1-1/74-75—यतः मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ए-1 :—विजय कार्पोरेशन के हेतु तथा उस की ओर से भागीदार :—
- (1) लक्ष्मी लाल नाथा लाल सोमानी, अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुक्तियार के रूप में :—
- (2) हंसमुख लाल चुनी लाल मेहता;
- (3) मनुभाई जीनदास मेहता ;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल ;
- (5) पद्माबेन रति लाल ;
- (6) कलावती भोगी लाल मेहता ;
- (7) आसुतोष विमल शंकर शास्त्री ;
- (8) जनक भाई घेला भाई शाह ;
- (9) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता ;

- (10) बाबू भाई भोगी लाल ;
 - (11) दिलीप कुमार चन्दु लाल पटेल ;
 - (12) पद्मा कुन्दन लाल शाह ;
- छोटा लाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

बी-1 अशोक कुमार शान्ति लाल मेहता अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुक्तियार के रूप में :—

- (2) हंसमुख लाल चुनी लाल मेहता ;
- (3) मनु भाई जीन दास मेहता ;
- (4) प्रबोध चन्द्र नाथा लाल ;
- (5) कन्नवती भोगी लाल मेहता ;
- (6) आसुतोष विमल शंकर शास्त्री ;
- (7) जनक भाई घेला भाई शाह ;
- (8) सुधीर कुमार शान्ति लाल मेहता ;

(9) बाबू भाई भागी लाल ;

(10) दिलीप कुमार चन्दु लाल पटेल ;

(11) पद्मा कुन्दन लाल शाह ;

ज्ञान दीप सोसायटी, धूमकेतु मार्ग, एलिसब्रिज, पालड़ी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मणीबेन छगन लाल पटेल, पति श्री अम्बा लाल गोरधन दास, नवा वाड़ुज, अहमदाबाद-13 (अन्तरिती)

(3) मैसर्ज शारदा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, अजन्ता कमर्शियल सेंटर के ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित है, और जिस की फायनल प्लॉट नं० 100, टी०पी० स्कीम नं० 3 है और जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा) अहमदाबाद में स्थित है और जिसका पूर्ण विवरण बिश्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 15 फरवरी 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5, बम्बई

दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० 5/117/2/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो चेंबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अश्वतार किशन गुरुदास रामगुप्ता (अन्तरक)
2. श्री हरिचन्द्र दिवानचन्द अग्रवाल (अन्तरिती)
3. (1) केवल केशन गुरुदास रामगुप्ता
(2) हरिचन्द्र दिवानचन्द अग्रवाल
(3) सतिसपाल दिवानचन्द अग्रवाल
(4) विपनचन्द दिवानचन्द अग्रवाल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिधे कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो भाप में 939 वर्गगज समकक्ष करीबन 785.0979 वर्ग मीटर या आसपास जिसका प्लॉट नं० 164 उपनगर योजना नं० 3 चेम्बूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग और जो 4 था रास्ता, चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है और जिसका म्युनिसिपल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् पूर्व की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 207 द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त 4 था रास्ता द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 163 द्वारा और उत्तर की ओर से योजना के प्लॉट नं० 165 द्वारा।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 20-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 20-2-75

निर्देश सं० आई-5/116/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका प्लॉट नं० 164 है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रवीणकुमार गुरुदास राम गुप्ता (अन्तरक)
2. श्री विपिनचंदर दिवानचंद आगरवाल (अन्तरिती)
3. (1) केवलकृष्ण गुरुदास रामगुप्ता ।
(2) हरिच्छत्र दिवानचंद आगरवाल ।
(3) सतीसपाल दिवानचंद आगरवाल ।
(4) विपिनचंदर दिवानचंद आगरवाल ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 939 वर्गगज समकक्ष करीबन 785.0979 वर्गमीटर या आसपास जिसका प्लॉट नं० 164 उपनगर योजना नं० 3, चेम्बूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग और जो 4था रास्ता, चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है और जिसका म्यूनिसिपल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप जिला बांद्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् पूर्व की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 207 द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त 4था रास्ता द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 163 द्वारा और उत्तर की ओर से योजना के प्लॉट नं० 165 द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई ।

तारीख 20-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई

तारीख 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० 5/118/3/74-75—अतः, मुझे जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है जो चेंबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी-धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेवकिशन गुरुदास रामगुप्ता (अन्तरक)
2. श्री सतिसपाल दिवानचंद अग्रवाल (अन्तरिती)
3. (1) केवलकिशन गुरुदास रामगुप्ता ।
(2) हरिश्चंद्र दिवानचंद अग्रवाल ।
(3) सतिसपाल दिवानचंद अग्रवाल ।
(4) विपनचंदर दिवानचंद अग्रवाल ।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 939 वर्ग गज समकक्ष करीबन 785.0979 वर्गमीटर या आसपास जिस का प्लॉट नं० 164, उपनगर योजना नं० 3, चेंबूर सबक में वहां पर निर्मित बिल्डिंग और जो 4 था रास्ता, चेंबूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है, और जिसका म्युनिसिपल नं० एम० वार्ड नं० 732, पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा पूर्व जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् पूर्व की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 207 द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त 4 था रास्ता, द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 163 द्वारा और उत्तर की ओर से योजना के प्लॉट नं० 165 द्वारा।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 20-2-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई०-1/876/जूलै०, 74—अतः मुझे,
आर० जी० नेहरुकर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
सी०एस०एन० 615 कलाबा डिब्बी बैकबे रिकलेमेशन स्कीम है, जो
प्लॉट नं० 104, ब्लॉक नं० 5 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—26 GI/75

1. मैमसे बस्तीपदार बिल्डर्स प्रा० लि०
(अन्तरक)
2. जय कफ परेड कोआपरेटिव हाउसींग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)
3. किराणदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में
2000 वर्गमीटर या ग्रासपास है, महाराष्ट्र सरकार के बैकबे
रिकलेमेशन योजना के ब्लॉक नं० 5 में जिसका प्लॉट नं० 104
(पहले प्लॉट नं० 157 के नाम से ज्ञात), रजिस्ट्रेशन जिला
और उप जिला बम्बई में, जिसका कैंडिस्ट्रेल सर्वेक्षण नं० 815,
कोलाबा डिब्बी साथ में वहां पर निर्मित "पार्मा स्प्रिंग" के
नाम से बिल्डिंग और इमला जिसका म्युनिसिपल 'ए०' बाई
नं० 225 (43) स्ट्रीट नं० 157, कैफे परेड है और इस प्रकार
घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से 220 फीट चौड़े मुख्य
मार्ग द्वारा, पश्चिम की ओर से उस स्कीम के प्लॉट नं० 117
द्वारा, उत्तर की ओर से 20 फीट चौड़ी गली द्वारा और
दक्षिण की ओर से उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 103 द्वारा।

आर० जी० नेहरुकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 18-2-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 18 फरवरी 1975

निर्देश सं आई०-1/876/जुलै०, 74—अतः मुझे आर० जी० नेहरुकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं०

सी०एस० नं० 615 कुलाबा डिब्बी बैकवे रेक्लेमेशन स्कीम है, जो प्लॉट नं० 104, ब्लाक नं० 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन दिनांक 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. कुमारी मैसर्स बन्नीपदार बिल्डर्स प्रा० लि०
(अन्तरक)
2. जय कफ परेड कोआपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)
3. कीराएदार ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गवापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 2000 वर्ग मीटर या आसपास है, महाराष्ट्र सरकार की बैकवे रेक्लेमेशन योजना के ब्लाक नं० 5 में जिसका प्लॉट नं० 104 (पहले प्लॉट नं० 157 के नाम से ज्ञात), रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में, जिसका कैडेट्रेल सर्वेक्षण नं० 615, कोलाबा डिब्बी, साथ में वहां पर निर्मित "पामस्प्रिंग" के नाम से बिल्डिंग और इमला जिसका म्युनिसिपल 'ए०' वार्ड नं० 225 (43) स्ट्रीट नं० 157, कैफे परेड है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से 220 फीट चौड़े मुख्य मार्ग द्वारा, पश्चिम की ओर से उस स्कीम के प्लॉट नं० 117 द्वारा, उत्तर की ओर से 20 फीट चौड़ी गली द्वारा और दक्षिण की ओर से उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 103 द्वारा।

आर० जी० नेहरुकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 18-2-75

मोहर :

अर्जन रेंज-1, बम्बई।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Sri Prippala Kanakaiah S/o Chandrayya, Kothapeta, Sykam Vari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) Shri Kopuri Sangadhararao, S/o Nageswararao, Kothapeta, Vijayawada-1.

(Transferee)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. J. No. (252)/KR/74-75/Acq. File No. 153.—
यतः मुझे, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
No. 9-65-43 Sykamvari St. है, जो , Vijayawada

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो said Act
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या said Act या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए

अनुसूची

Krishan District Vijayawada Sub-Registration Vijayawada
Munddipalit Vijayawada Town Kothapeta Sykam Vari Street,
Revenue Ward No. 10 New Ward No. 10 Block No. 4 NTS
216, Asstt. No. 5773, Door No. 9-65-43, 190 Sq. Yds. Site
with building.

K. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

अतः, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में,
में said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. J. Nos. I(88, 90 & 91)/Acq. File No. 152/74-75.—
यतः मुझे, Whereas, I K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
No. 27-19-6 & 27-19-14 Market area
है जो Viyag में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 31-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) said Act या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये
था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, धारा 269-घ of the said Act के अनुसरण
में, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri P. V. Rangarao, Land Lord, Panganamalavari
Street, Visakhapatnam.

(Transferor)
(अन्तरक)

(2) Shri Konathala Thata Apparao, Partner, Sri Satya-
narayana & Co., Anakapally.

(Transferee)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Municipality,
Visakhapatnam Town, Market ward, Block No. V—T.S. No.
137, Asst. No. 10/25, Door Nos. 27-19-6 & 27-19-14, Site with
building.

BOUNDARIES

East—Compound wall of Navarang Hall and part of the
building of this property.
South—Open site with trees etc.
West—Site.
North—Road site 30 ft.

K. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख : 18-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी, 1975

सं० ए०सी०क्यू० 23-1-421 (144)/1-1/74-75—
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, यह और जिसकी संपत्ति फायनल प्लॉट नं० 490, टी० पी० स्कीम नं० 3 है, तथा जो चंगीसपुर (मिठा कली), अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (1) श्री नौशीर सोहराब मेडोरा

(2) श्री फिरोज सोहराब मेडोरा

(3) श्री रशीद सोहराब मेडोरा

(4) श्री रूसी उर्फ रुस्तम सोहराब मेडोरा, अपने अपने मुस्तियार श्री रशीद सोहराब मेडोरा, द्वारा ।
"जेम्सी विल्ला", आश्रम रोड़, अहमदाबाद ।

2. नेप्चून टावर शापिंग सेन्टर अर्जन रेंज एशोशिएसन, कल्याण सोसायटी, एलिस ब्रिज अहमदाबाद ।—6

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "जेम्सीविल्ला" के नाम से ज्ञात है और जिसके ऊपर बंगला, आऊट हाउस, नराज, आदि बने हुए हैं, और जिसके साथ कुल भूमि 1 एकड़, 25 गुंठा, 14 आनी तथा 8 प्रत्यानी (अर्थात् 7974 वर्ग गज) है । और जिसका फायनल प्लॉट नं० 490, टी० पी० स्कीम नं० 3 है और जो चंगीसपुर (मिठाकली) अहमदाबाद में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : फायनल प्लॉट नं० 489

दक्षिण : फायनल प्लॉट नं० 491 तथा 492

(जे० कथूरिया)

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 20-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बाल गोविन्द दास और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री गणेश प्रसाद और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

संख्या 17-जी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० के०-31/52 है तथा जो गली गणेश चौरिया मुत्तासिक भौरोनाथ काल कूप दंड पड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सुकर बनाना; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता माकान जो कि 1406 वर्ग फिट में है यह मुहल्ला गली गणेश चौरिया मुत्तासिक भौरो नाथ काल कूप दंडापड़ी वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उक्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 13-2-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री उदय जीत प्रकाश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री विद्या प्रकाश

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 फरवरी 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, —

सं० 11-बी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या 17 है तथा जो गोखले मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1974

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक किता भवन जिसका नं० 17 तथा क्षेत्रफल 35000 वर्गफुट है, जोकि गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख: 18-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 151/J. No. I(87)/VSJ/74-75.—

—यतः, मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Muppidi Colony, Visakhapatnam है जो Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-7-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-घ of the said Act केअनुसरण में मैं, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. P. Bangaramma.

(Transferor)
(अन्तरक)

(2) Sri K. P. Kumar, S/o Late Sri K. V. Sastry,
Chartered Accountant, "Soudamani", Visakhapatnam-3.

(Transferee)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality Visakhapatnam Town—Opposite to St. Joseph's Nursing Home T.S. No. 138, Plot No. 5, Maharanipeta ward—site No. 5, Block No. 4 Door No. 14-38-2.

Boundries

North—Municipal Road.
East—Site No. 6.
West—Site No. 4.
South—Site No. 13 and 14.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 17-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती कमला देवी टन्डन व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री इन्द्रजीत सिंह व अन्य (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 6-आई/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो मुहल्ला खलीलगवी में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिये

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी मय मकान जो कि मुहल्ला-खलील गवी, जिला शाहजहांपुर में स्थित है।

विश्वम्भरनाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-लखनऊ

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 50-एस/अर्जन-—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एम. बी० 22 है तथा जो कीरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नैन सिंह (अन्तरक)

2. सत्य प्रकाश व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 16000 वर्गफुट है जो कि कस्बा-कीरतपुर जिला-बिजनीर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 43-एम०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-44/187 है तथा जो रामापुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधाकृष्ण टन्डन व अन्य (अन्तरक)

2. श्री मूल नारायण मलहोत्रा व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि रामापुर, वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-2-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री जोशित कुमार मुखर्जी व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री अब्दुल वहीद व अन्य (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी 1975

सं० 34-ए०/अर्जन/---अतः मुझे विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० डी-43/1 तथा डी-43/2 है तथा जो सदानन्द बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अग्योरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किन्हीं धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो किता मकान, जोकि सदानन्द बाजार में वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भरनाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 17-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1 श्रीमती रुक्मिणी वाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री सहरिक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 13-सी०/अर्जन—प्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो भोजविरि में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-7-1974 के
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरफो) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की
दामाल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1 अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

एक किता प्लेट जो कि 7.28 बिस्वा है और इसमें लोहे
का दरवाजा भी है यह भोजविरि जिला बाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक 13-2-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्रीमती रुक्मिणी बाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

2. श्री सईरिक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 13-सी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या है तथा जो भोजविर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट जो 11.72 बिस्वा है और जिसमें एक
पक्का कुआँ और एक टंकी है। यह मुहल्ला भोजविर वाराणसी
में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 13-सी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 5-2/215 है तथा जो भोजविर में स्थित है (और
इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
छपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मिणी बाई (अन्तरक)
2. श्री सार्दरिफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान नं० 5-2/215 है जो कि
विस्था परबना है और जिसका एक बड़ा भाग खाली
5.21 जमीन है जो कि मुहल्ला भोजीविर वाराणसी में
स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

मोहर ;

प्रस्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 32-बी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो बढ़ती बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नौगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चौ० चन्द्र प्रताप व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री वासदेव व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 16000 वर्गफुट है, जोकि बढ़ती बाजार जिला-बस्ती में स्थित है ।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

2. श्रीमती मलीना राय

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

सं० 44-एम०/अर्जन--अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-5/51 है तथा जो अवध गर्वी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ उप (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री बच्चन लाल

(अन्तरक)

12-26GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि मोहल्ला अवधगर्वी, वाराणासी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 13-2-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 24-पी०/अर्जन-अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है तथा जो खंजनपुखा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरदोई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1809 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मूलचन्द्र खत्री

(अन्तरक)

2. श्रीप्रेम नारायण त्रिवेदी व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल (105'x35') है, जो कि मोहल्ला, खंजनपुखा, जिला हरदोई में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 7-एन०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो केराकत में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय केराकत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- | | |
|---------------------------|------------|
| 1. श्री रामचन्द्र | (अन्तरक) |
| 2. श्री नन्हकू सेठ व अन्य | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल (10' × 26½') है जो कि कस्बा-केराकत, जिला-जौनपुर में स्थित है ।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 9-एल०/अर्जन/—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो देवीपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरस्वरूप (अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मन स्वरूप गर्ग व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, जो कि मुहल्ला देवीपुरा, जिला-बुलन्दशहर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 13-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी, 1975

सं० 25/पी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 311/28, 27/77 तथा 36/39 वर्गरह है तथा जो जि० जौनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राधेश्याम सिंह और अन्य (अन्तरक)

2. श्रीमती फूलरानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय कृषिक भूमि के जो 7 एकड़ 13 डि० है और यह जि० जौनपुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी,

दिनांक 13-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर :

अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जफर जहीर और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ब्रह्मदेव मिश्रा और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 15 फरवरी, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 33-बी०//अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 129/8 है तथा जो बालाकदर रोड़, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-7-1974

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तोक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि मासुमा अली मंजिल के नाम से
जानी जाती है और इसका नं० 129/8 है। यह बालाकदर रोड़
लखनऊ में स्थित है इसमें जमीन और नौकर के कमरे भी हैं।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
दिनांक 15/2/75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जनवरी, 1975

सं० 15-जी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 126 है तथा जो सिकली में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय तिलहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री गजराज सिंह व अन्य (अन्तरक)

2. श्री गुरुमीत सिंह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 25.35 एकड़ है जो कि ग्राम-सिकली-जिला-शाहजहांपुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
दिनांक 18-1-1975
अर्जन, रेंज लखनऊ
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी, 1975

सं० ग्रे० पी० 202/आई० ए० सी० ए० आर० 4/74-75—
 अतः मुझे ग० सो० राव आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
 जिसकी प्लॉट नं० 142/2/ए है, जो अम्बीवली में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित सबेक्षण
 नं० 142 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 तारीख 2-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
 से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
 रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
 के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
 से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
 या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
 आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
 निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जिम रसदिन प्रा० लि० 16, अल्टा माऊंट रोड, बम्बई-26
 (अन्तरक)

2. मेसर्स सुपर बिलडरस, 223, अरुण चैम्बरस, तारदेव,
 बम्बई-341 (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव अम्बीवली में रजिस्ट्रेशन
 उप-जिला और जिला बम्बई नगर और उपनगर में स्थित है माप
 में 4013 वर्गमीटर जिसका प्लॉट नं० 142/2/ए और सबेक्षण
 नं० 142 है।

ग० सी० राव,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-चार, बम्बई
 दिनांक 19-2-75
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी, 1975

1. जिम रुसविन प्रा लि०, 16 अलटामाऊंट रोड,
बम्बई-26।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सुपर बिलडरस, 223, अरुण चेम्बर्स तारदेव,
बम्बई-34।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

सं० ओ० पी०-201/आई० ए० सी० ओ० आर०-4/74-75—अतः मुझे ग० सो० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं० 142/2/बी० है, जो ग्राम्बीवली में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित सर्वेक्षण नं० 142 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2/7/1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
31-26 GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव ग्राम्बीवली में रजिस्ट्रेशन उप जिला और जिला बम्बई नगर और उपनगर में स्थित है जिसका सर्वेक्षण नं० 142 प्लॉट नं० 142/2/बी०, माप में 4353 वर्गमीटर है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
दिनांक 19-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज-4, बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ 156, सैक्टर, 9बी

चण्डीगढ़, दिनांक 25 फरवरी 1975

सं० सी०एच०डी०/143/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अस०सी०ओ०, 57-58-59 सैक्टर 17—सी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री रणजीत सिंह, पुत्र श्री गजन सिंह
(ii) श्रीमती पुष्पिन्दर कौर पत्नी रणजीत सिंह
(iii) श्री अविनाश सिंह } पुत्रान रणजीत सिंह,
(iv) श्री हरिद्वन्द सिंह }
निवासी मकान नं० 102, सैक्टर 9—बी,
चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. सर्वश्री
(i) ओम प्रकाश गुप्ता } पुत्रान स्वर्गीय श्री राम
(ii) शाम कुमार गुप्ता } जीवन दास
(iii) श्रीमती गीता देवी पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता
(iv) श्रीमती सरला देवी पत्नी शाम लाल के०
आफ दुकान नं० 32, सैक्टर 22—डी, चण्डीगढ़।
(v) प्रेम सागर अग्रवाल } पुत्रान श्री राम भज
(vi) ज्ञान प्रकाश अग्रवाल }
(vii) बाल कृष्ण अग्रवाल }

- (viii) उषा अग्रवाल पत्नी श्री प्रेम सागर
- (ix) सरोज कुमारी अग्रवाल, पत्नी ज्ञान प्रकाश अग्रवाल
- (x) दर्शनी देवी पत्नी बाल कृष्ण अग्रवाल के० आफ बूथ नं० 32, 22—डी, चण्डीगढ़।
- (xi) सोहन सिंह,
- (xii) मोहन सिंह पुत्रान श्री शेर बिहसह
- (xiii) गुरमेल सिंह पुत्र नरैब सिंह,
- (ix) मलकीयत सिंह पुत्र सोहन सिंह,
- (x) ज्ञान कौर पत्नी मोहन सिंह,
- (xi) बचन कौर पत्नी सोहन सिंह,
- (xii) सुखदेव सिंह पुत्र मोहन सिंह,
निवासी अस० सी०ओ० नं० 1001-1003,
सैक्टर 22—बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. 1. नैशनल टेलर्स प्रो० लाभ सिंह
2. न्यु कुलदीप टेलर्स
3. हरबन्स सिंह और सन्ज
4. वेदी साहू सैटर 5. संगम प्रिंट
6. मकसूद और हेम राज 7. माडरन टेलर्स
8. कश्मीर प्रोडक्ट्स
9. फूट हाउस प्रो० मनी प्रकाश
10. फैशन इम्पोरियम, प्रो० हरभजन सिंह
11. फैसी चप्पल हाउस प्रो० भगवान दास सेठी
12. अमरसन्ज टेलर्स प्रो० मगव राम
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री
(i) परमिन्द्र सिंह (vi) अजमेर कौर
(ii) उत्तम कौर (vii) जसमेर सिंह
(iii) हरभजन सिंह (viii) सरजीत कौर
(iv) जातिन्द्र कौर (ix) कुलदीप सिंह
(v) डा० कुलवन्त सिंह (x) गुरवचन कौर
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

सब मार्फत सं० परमिन्द्र सिंह, 1001-1003 सैक्टर 22—बी, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

ऐस० सी० ओ० 57, 58, 59, सैक्टर 17—सी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक : 25-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 14 फरवरी, 1975

सं० सी एच डी०/176/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं०, 6/ सैक्टर 9—बी आर० पी० 286, क्षेत्रफल 3415 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्रीमती राज रानी कपूर, विधवा पत्नी लेफ्टिनेन्ट कर्नल जे० सी० कपूर।

(2) श्री विजय कपूर पुत्र स्वर्गीय लेफ्टिनेन्ट कर्नल जे० सी० कपूर।

(3) श्रीमती रजनी राना पत्नी श्री नेतरा राना,

(4) अजय कपूर पुत्र स्वर्गीय लेफ्टिनेन्ट कर्नल जे० सी० कपूर खुद और बाकी सभी का मुख्तियार, निवासी जी-9 महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डाक्टर नागिन्द्र सिंह ढिलों पुत्र श्री केहर सिंह ढिलों, द्वारा श्री देविन्द्र सिंह ग्रेवाल, ग्रेवाल लोज, गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, सैक्टर 9—बी, आर० पी० नं० 286, क्षेत्रफल 3415 वर्ग गज, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 14-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी, 1975

सं० 2233/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जो हाई फारस्ट एस्टेट, प्रास्पेक्ट एस्टेट आदि में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० 1;
कोयम्बतूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ती एस्टेट्स और एजेन्सी कम्पनी लिमिटेड, कूनूर।
(अन्तरक)
2. ती नान सच टी एस्टेट्स लिमिटेड, कूनूर—1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ती हाई फारस्ट एस्टेट; प्रास्पेक्ट एस्टेट; स्टान्लि एस्टेट; पैकारा
फाल्स एस्टेट; घ्रीण्वे एस्टेट; आसिटन एस्टेट; रिबर साईट एस्टेट;
लिङ्गुत्सडल एस्टेट; बेल्लवू एस्टेट; सीफोर्त एस्टेट; येल्लमल्ले
एस्टेट; सम्बार एस्टेट; पान्तर एस्टेट; और लोयर एस्टेट में
6838.98 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
दिनांक 25-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, तारीख 25 फरवरी, 1975

निदेश सं० 1274/75-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी डोर सं० 4, मामिलामनि मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-17 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तियागराय नगर, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एम० सुब्बरावम्मा; श्री बी० सुब्बैया; श्री जी० रंगा राव और श्री बी० रंगैया; मद्रास । (अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० एस० एम० बलिकस बीबी, कूतानल्लूर तंजावर जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास तियागरायनगर, मुदलि स्ट्रीट, डोर सं० 4 में तीन आउटड और 1935 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ) जिसकी सर्वे सं० 114/8 ।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
तारीख 25-2-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, तारीख 28-2-1975

निर्देश सं० 2251/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 8/1363-1364 है तथा जो रामलिंग रामदास ले आउट कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-III, कोयम्बतूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आर० लक्ष्मणन, कोयम्बतूर (अन्तरक)

(2) श्री एन० मुतलधण्ण चेट्टियार, कोयम्बतूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, रामलिंग रामदास ले आउट में छ सेन्ट और 224-1/2 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ) जिसकी टी० एस० सं० 8/1363-1364।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 25-2-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरंडवणा, पूना-411004,

एरंडवणा, पूना-411004, तारीख 20-2-75

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-1 /जुल' 74/175/74-75

—यतः सु० ए० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्राप्त 17-ए, सबप्लॉट नं० 4, टी० पी० एम० -1 है तथा जो कर्वे रोड पूना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-के कार्यालय, हवेली-1, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनायक रामचन्द्र ठरे 45, शिवाजी हाउसिंग सोसायटी, पूना -16 (अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल शामदास नारंग बिल्डिंग नं० 47, प्लॉट नं० 100-बी, 1 सिन्धू बाग, टीलक रोड, घाटकोपर, बंबई-77 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फायनल प्लॉट नं० 17-ए, सब प्लॉट नं० 4, कर्वे रोड, पूना-4 क्षेत्रफल -7329 वर्ग फीट का 1/4 हिस्सा

(एच० एस० श्रीलख)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-2-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक: 22-2-1975

सं० आर० ए० सी० 110/74-75— यतः मुक्त के० एस०

बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-94 चिक्कड पल्ली है, जो हैदराबाद में में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह की अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती खम्बम्पाटी सुतबालक्ष्मी पत्नी के० वी० सुब्बाराव, चिक्कड पल्ली, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अली आसीवाल पुत्र अकबर अली आरसी-वाला, पिता और पालक श्री अकबर, अली श्री आरसी-वाला द्वारा 1-1-530 मुशीराबाद हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजला इमारत नं० 1-8-94, चिक्कडपल्ली, हैदराबाद
क्षेत्रफल 200 वर्गगज

पूरब-सड़क।

पश्चिम-पड़ोस के सम्पत्ति।

उत्तर :— सड़क।

दक्षिण-पड़ोस के सम्पत्ति।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 22-2-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज V, कलकत्ता 16

कलकत्ता, तारीख 20-2-1975

(1) श्री सन्तोष कुमार मित्र 34/1 एलगिन रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला चौरासिया 81/बि० श्यामा प्रसाद
मुखर्जी रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सी० 118/एकु० रे० 5/ 74-75/137-138—
अतः मुझे, एल० के० बालासुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है,) की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी संख्या 67 है तथा जो देश प्राण शासमल रोड
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम;
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए या,
छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—26GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कठ्ठा 15 छटाका 20 स्को: फुट जमीन जो पौर सं०
67, देश प्राण शासमल रोड, थाना, टालीगंज कलकत्ता पर अब
स्थित और जो रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स-सेस, कलकत्ता
द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1/4014/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालासुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 20-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एडरंवना कर्वे रोड पूना 411004

पूना तारीख 20-2-1975

निर्देश सं० सी० ए० /एस० / हवेली / II/जुलै/74/177/
74-75— यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
फाइनल प्लॉट 17ए - सब प्लॉट नं० 2 टी पी० एम० I
है तथा जो कर्वे रोड पूना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हवेली II (पूना) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-7-
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों
अर्थात् :—

- (1) श्री कृष्णानी रामचन्द्र कोष्टी 16 केनॉ रोड पूना-1
(अन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल शामदास नारंग बिल्डिंग क० 47 प्लॉट नं०
100 सिधु बाग तिलक रोड, घाटकोपर बंबई -77
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० 17 ए सब प्लॉट नं० -2 टी० पी० एम०
ग्राम कर्वे रोड एडरंवना पुना-4 क्षेत्रफल -7329 वर्ग फीट का
1/4 हिस्सा।

एच० एस० श्रीलख
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-2-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 60/61 एरडवणा, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1975

- (1) श्री विनामक रामचन्द्र ठेरे 45 शिवाजी हाउसिंग सोसा-
यटी, पूना-16. (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल शामदास नारंग बिल्डिंग नं० 47,
प्लॉट नं० 100-बी०, सिधू बाग, तिलक रोड,
घाटकोपर, बंबई-77। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल प्लॉट नं० 17 ए, सब प्लॉट नं० 3 टी० पी० एस०-I,
कर्वे रोड, पूना-4 क्षेत्रफल 7329 वर्ग फीट का 1/4 हिस्सा।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
रू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-2-1975

मोहर :

एच० एस० श्रीलक्ष्म
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 113/74-75—यतः मुझे के०
एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-913/914 है, जो करताबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेज के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० रंगया उर्फ ए० रंगारेड्डी न० 5-1-885-पुतली
बीली, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री पी० वी० सुब्बाराउ वकील कमम
(2) श्री बी रादो श्रीशना वलील खममम (3) श्री पी०
कृष्णामूर्ति वकील खममम (4) मालीसेटी वरदय्या
सुपुत्रा लक्ष्मयमा खममम में रहते हैं वेरेकटी सिविल
सपलेय हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

के० एस० बेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 111/74-75— यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 15-1-472, 631, 632 और 633 है, जो
फीलखाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, 10-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एस० ग्यानचन्द जैन अलियास रामलाल सुपुत्र स्व०
सूरजमल, 15-1-472, फीलखाना , हैदराबाद
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती उगमाबाई पत्नी जोधराज , 5-5-670/7
मालकुंटा , हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) किरायादार सुन्दरबाई पत्नी बन्सी लाल 15-1 -632
फीलखाना , हैदराबाद (वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 15-1-472 , 15-1-631 , 15-1-632, 15-1-633,
फीलखाना , हैदराबाद
पूरब—छोटा कच्छा रास्ता
पश्चिम—टार रोड़ा ।
दक्षिण—पैदल चलने का रास्ता ।
उत्तर—गन पेंट्या के मकान

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-2-75
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 112/74-75—यतः मुझे

के० एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-2-913 और 914 खैरलाबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-6-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. (1) श्री ए० रगय्या अलियास ए० रंगारेड्डी, पुत्र ए० चन्द्रय्या, 5-1-574 पुतली बाबली हैदराबाद (2) चन्द्र सेखर पुत्र एस० बाशय्या हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री के० बी० सुब्बाराव पुत्र वीरय्या, वकील, खमम् (2) श्री एस० राधाकृष्णा पुत्र नरसिम्हा वकील खमम् (3) श्री पेन्ड्याला कृष्णामूर्ति पुत्र शेषाद्री राव वकील खमम् (4) माली सेट्टी वरदय्या पुत्र लक्ष्मय्या, बेपारी वकील खमम् (अन्तरिती)

3. डायरेक्टर आफ सिविल सप्लायज, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“पावर मन्जिल” बुमंजिला इमारत नं० 6-2-913, 914 जिसका आधा भाग, खैरलाबाद, हैदराबाद खुली जमीन क्षेत्रफल 3222 वर्ग गज ।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/114/74-75—यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4-5-506 और 507 है, जो सुलतान बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एनडपसली नरस्या सुपुत्र गनगयया ।
- (2) श्रीमती ई० कौशिल्या बाई ।
- (3) श्री ई० अशोक सुपुत्र नरस्या
- (4) श्री ई० प्रदीप कुमार ।
- (5) श्री ई० वेंकटेश्वरलू ।
- (6) श्री ई० आनन्द सुपुत्र नरस्या ।

तमाम लोग एक घर में नं० 4-5-606 सुलतान बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री पारसी बुच्चा सुपुत्री सैमवया नं० 4-2-473 और 474, सुलतान बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० यतः, मुझे एच० एस० श्रीलक्ष्म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या फायनल प्लॉट नं० 17-ए०, सबप्लॉट नं० 5, टी० पी० एस०-1 है तथा जो कर्वे रोड़, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरणकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-2, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. विनायक रामचन्द्र हेरे 45 शिवाजी हाउसिंग सोसायटी, पूना-16।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल शामदास नारंग बिलिडम नं० 47, प्लॉट नं० 100-बी०, सिधू बाग तीलक रोड़, घाटकोपर, बंबई-77।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फायनल नं० 17-ए०, सबप्लॉट नं० 5, टी० पी० एस० नं० 1, कर्वे रोड़, पूना-4 क्षेत्रफल-766 वर्ग मीटर्स का 1/4 हिस्सा।

एच० एस० श्रीलक्ष्म

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1975

निर्देश सं० IX/3/61/74-75— यतः, मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 32 सी०, सोलैयप्पन स्ट्रीट, मद्रास-21 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—26GI/75

1. श्रीमती अनन्तलक्ष्मी और आर० एस० रामकिरणन,
32 सी०, सोलैयप्पन स्ट्रीट, मद्रास।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनुसामी चट्टी, 24, बसावीयन स्ट्रीट, मद्रास-21
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-21, सोलैयप्पन स्ट्रीट, डोर सं० 32 सी० में एक ग्रांण्ड और 100 सुकेयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (आर० एस० सं० 3721/1) ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 7-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं० IX/3/72/74-75 :—

यतः, मुझे के० बी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 318, तम्बु चट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है जो (श्रीर दससे उपाब्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० के० मुत्तु कुमार सामि और आदी ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० अब्दुल वाहीद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1, तम्बु चट्टी स्ट्रीट डोर सं० 318 में 2135, स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 14-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

मद्रास दिनांक 15 फरवरी 1975

निर्देश सं० XXI/15/8/74-75 यतः, मुझे के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० 186 और 187, चुन्नाम्बुक्कार स्ट्रीट, बेलूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, बेलूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 16) के 16 जुलाई 1974
के अधीन 16 जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वी० एस० षण्मुग मुदलियार और आदि, 187,
चुन्नाम्बुक्कार स्ट्रीट बेलूर।

(अन्तरक)

2. श्री पी० परमेश्वरी अम्माल 14, अर्मिलिगसमि
मडम स्ट्रीट, बेलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेलूर चुन्नाम्बुक्कार स्ट्रीट डोर सं० 186 और 187 में
4796 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 15-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एंडवरना रोड पुना 411004

पुना, तारीख 3-3-1975

निर्देश सं० सी० ए/ जुलै/74 सोलापुर 179-74-75 :
यतः मुझे, एच०एस०ओलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० सी० टी० एस० क्र० 8286/5 है तथा जो रेलवे लाईन्स सोलापुर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अब्दुल वारिस अब्दुल अजीज शेख रेलवे लाईन्स
सोलापुर (अन्तरक)

(2) श्री जैनीउद्यन कबीर मुल्ला दुगांव जिला सोलापुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० टी० एस० क्र० 8286/5 सोलापुर में फी होल्ड पुरानी बिल्डिंग दुकाने और मकान सहित रेलवे लाईन्स सोलापुर क्षेत्र 2787 वर्ग मीटर

एच० एस० ओलख,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 3-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई.

बम्बई तारीख 21 फरवरी 1975

निर्देश सं० प्रो० पी० 203/आई० ए० सी०/ए० आर० 4/74-75—
अतः मुझे श्री ग० सो० राव० आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 142/7/बी० सर्वे नं० 142 है, जो अम्बो-
वली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई.
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-7-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जिम रुसदिन प्रा० लि० 16 अलटा माऊट रोड,
बम्बई -26 (अन्तरक)

(2) मैसर्स एवर साईन बिलडर्स 223, अरुण चेम्बरस
तारदेव, बम्बई-34 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव अंबीवली पूर्वतः उपजिला
बान्द्रा में, साउथ सालसेट तालुका बम्बई उपनगर अभी रजिस्ट्रेशन
उपजिला, बम्बई नगर और उपनगर में स्थित है जिसका नं०
सी० टी० एस० बम्बई अधिकार के अभिलेख दि० 29 नवम्बर, 1969
में सर्वेक्षण और भू-अभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा किये गये
क्षेत्र मापने के अनुसार उसके नं० एम० आर० 2692 (2)
के अन्तर्गत लिखित है माप में 4306 वर्गगज यानि कि 3600
वर्गमीटर या आसपास जिसका प्लॉट नं० 142/7 बी सर्वे-
क्षण नं० 142 अम्बीवली है और जिसके ईमले इसके साथ संगलन
प्लान के अनुसार इस प्रकार धिरे हुए हैं अर्थात् पूर्व की ओर से
अंशतः प्लॉट नं० 147/7/बी, एस नं० 143 अम्बीवली द्वारा
अंशतः, 30 फीट चौड़े, निकास रास्ता द्वारा और अंशतः सब स्टे-
शन प्लॉट द्वारा, उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 142/7/ए, सर्वेक्षण
नं० 142 अम्बीवली द्वारा पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 142/8
बी, सर्वेक्षण नं० 142 अम्बीवली द्वारा और दक्षिण की ओर से
वरसोवा गांव की सीमा द्वारा।

(ग० सी० राव)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चार बम्बई।

तारीख 21-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-4

तारीख 21-2-1975

निर्देश सं० ग्रे० पी० 2041 आई० ए० सी०/आर० 4174-75

अतः मुझे, श्री ग० सो० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 143/7/बी सर्वेक्षण नं० 143 है, जो ग्राम्बीवली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जिमरुसदिन प्रा० लि० 16 अल्टा माऊन्ट रोड, बम्बई -26 (अन्तरक)

(2) मैसर्स एवर साईन बिल्डिंग्स, 223, अरुण चैम्बर्स तारदेव, बम्बई-34 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांधी ग्राम्बीवली पूर्वतः उपजिला बान्द्रा में साउथ सालसेट तालुका बम्बई उपनगर जिला, अभी रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई नगर और उपनगर में स्थित है जिसका नं० सी० पी० ए० नं० अधिकार के अभिलेख दिनांक 29 नवम्बर 1968 में सर्वेक्षण और भू अभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा किये गये क्षेत्र माप के अनुसार उसके नं० ए० आर० 2692 (2) के अंतर्गत लिखित है माप में 3533 वर्गगज यानि की 2954 वर्गमीटर या ग्रासपास जिसका प्लॉट नं० 143/7/ बी सर्वेक्षण नं० 143, , ग्राम्बीवली है और जिसके इमले इसके साथ संलग्न प्लान के अनुसार इस प्रकार घिरे हुए हैं अर्थात् पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 143/6/ बी, ए० नं० 143 ग्राम्बीवली द्वारा, उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 143/7/ ए, ए० नं० 143 ग्राम्बीवली द्वारा पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 142/7/ बी, ए० नं० 142 ग्राम्बीवली द्वारा और दक्षिण की ओर से 30" के निकास रास्ता द्वारा।

ग० सो० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 21-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) साराभाई केमिकल्स प्रा० लि० (अन्तरक)
(2) अल्कापुरी इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई

बम्बई तारीख 26-2-75

निर्देश सं० अं० ई० 5/120/5/74-75.—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईलामे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया

है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 104/ए/1 है), जो आनिक चेम्बर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 9317 वर्गगज या आसपास मिला हुई समतल जमीन माप में 4217 वर्गगज और पहाड़ी जमीन माप में 5100 वर्गगज और गांव अनिक, कुरला तालुका बम्बई, उपनगर जिला, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा बम्बई में स्थित है और जिसका सर्वेक्षण नं० 104/ए/1 अंश है और इस प्रकार घिरा हुआ है उत्तर की ओर से अहमदाबाद मैन्यु, एंड कैलिको प्रिंटिंग कं० लि० की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से जमीन की पट्टी द्वारा, पूर्व की ओर से सुहरीद जेजी ट्रेडिंग कं० प्रा० लि० के सर्वेक्षण नं० 104(अंश) की दूसरी जमीन द्वारा और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 107 (अंश) की जमीन और अहमदाबाद मैन्यु एंड कैलिको प्रिंटिंग कं० लि० की जायदाद के एक भाग और जिस जमीन का टुकड़ा इसके साथ संगलन प्लान में लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है।

(जे० एम० मेहरा)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 26-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5. बम्बई

बम्बई, तारीख 26-2-75

निर्देश सं० अं० ई० 5/6/121/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 7, 8, 9, 85 है, जो बारेला न. बदबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हेमराज लालजी मैशरी (अन्तरक)
- (2) श्री सदानंद मनजम्प सुरेनजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा साथ वहां पर बने निवासगृह वाटिका या निवास घर जो चेम्बूर में गांव वडावली और बोशला रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है। माप में 678.12 वर्ग गज समकक्ष 566.99 वर्गमीटर या आसपास जिसका प्लॉट नं० 26 अभी यूनियन पार्क के नाम से ज्ञात और जो निम्नलिखित नंबरों की जमीन का एक भाग है :

वादवली	सर्वेक्षण नं०	हिस्सा नं०
	7	3
	8	2
	9	ए
एन० ए०	9	ब
बोरला	85	शून्य

और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से यूनियन के प्लॉट नं० 27 और जमीन और बिल्डिंग सोसायटी लि०, हाउसिंग, स्कीम द्वारा, दक्षिण की ओर से यूनियन के प्लॉट नं० 25 और लैंड और बिल्डिंग हाउसिंग सोसायटी लि०, हाउसिंग स्कीम द्वारा, पूर्व की ओर जागृति स्टूडियो द्वारा और पश्चिम की ओर से यूनियन के रोड और लैंड और बिल्डिंग सोसायटी लि० हाउसिंग स्कीम द्वारा।

जे० एम मेहरा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5 बम्बई।

तारीख : 26-2-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) मिनहूर्ती डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

(2) निता शिबकुमार दालमिया (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, तारीख 28-2-75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के वे तमाम टुकड़े जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66
का एक भाग हैं, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में
स्थित में साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में
2162 वर्गफीट समकक्ष 200.86 वर्गमीटर या आस-
पास है और इसके साथ संगलन प्लान में काले और लाल रंग की
सीमा रेखा द्वारा घिरा दिखाया गया है, जमीन के वे टुकड़े पैतृक
रूप से प्राप्त हैं और जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई
नगर और बम्बई उपनगर में स्थित हैं और इस प्रकार घिरी हुआ
है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 21-
37 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से उत्तर इमला के एक भाग
जो माप में 2162 वर्गफीट है द्वारा, पश्चिम की ओर से अनिर्णित
जमीन की एक पट्टी जिसका प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की
जमीन का एक भाग बनाती है द्वारा और पूर्व की ओर से अनिर्णित
जमीन की एक पट्टी जो प्लॉट नं० 53, 54, 59, और 66 की जमीन
का एक भाग बनाती है, द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 28-2-75

मोहर :

निर्देश सं० अ० ई० 5/123/8/74-75—अतः, मुझे,
जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इस में इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाहुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई

तारीख 28-2-75

निर्देश सं० अ० ई० /5/126/11 /74-75—प्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, (1961) (1961 का 43) (जिसे इलामे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहुर न्हिलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 2-7-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|-------------------------------|------------|
| (1) मिअव्ही डिअलर्स प्रा० लि० | (अन्तरक) |
| (2) श्री प्रताप परामजी हरीअनी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाते है, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास बृहत्तर बम्बई में स्थित है साथ में उस निमित्त इमला का एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट है समकक्ष 100.084 वर्गमीटर या आसपास है और इसके साथ संलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन के टुकड़े पैतृक रूप से प्राप्त है और जगहे रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई उपनगर में स्थित हैं और इस प्रकार घिरा हुआ है । अर्थात् पूर्व की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गमीटर है । द्वारा पश्चिम की ओर से अनिमित्त जमीन की पट्टी जो इसके सबक संलग्न प्लान में ग्राउन रंग में दर्शाया गया है और प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, द्वारा, उत्तर की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट है, द्वारा

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई ।

तारीख 28-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(2) हिमासू वरजलाल पारेख

अन्तरिती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5 बम्बई.

तारीख 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० प्र० ई० 5/ 129/14/ 74-75— अतः मुझे
जे० एम० मेहरा सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी सं० नं० 92, प्लॉट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो
नाहूर व्हिसेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधिन तारीख 20-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मिनर्वा डिग्रल्स प्रा० लि० (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के बहु तमाम टुकड़े जो प्लॉट नं० 53, 54, 59, और 66
में स्थित हैं साथ में वहाँ पर निर्मित हमला का एक भाग जो माप
में 2105.8 वर्गफीट समकक्ष 195.65 वर्गमीटर या आसपास
है और इसके साथ सलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा
रेखा द्वारा घिरा दिखाया गया है। जमीन के ये टुकड़ पेतूक रूप से प्राप्त
हैं। और उसके रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और
बम्बई उपनगर में स्थित हैं और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात्
उत्तर की ओर से अर्निमित जमीन की एक पट्टी जिसका प्लॉट नं०
53, 54, 59 और 66 है द्वारा, दक्षिण की ओर से इसी प्रकार की
अर्निमित जमीन की एक पट्टी द्वारा पश्चिम की ओर से उक्त हमला
के एक भाग जो माप में 1052.8 वर्गफीट है द्वारा, पूर्व की ओर
से उत्तर हमले के एक भाग जो माप में 2105.8 वर्गफीट द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 28-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० आ० ई० /136/21/74-75—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 130/अंश, 4 अंश, 131/1 (अंश), 4 (अंश), 111 (अंश) है, जो नाहुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रेब फ० बेलेरियन गोडीनही । (अन्तरक)

(2) श्री राज सोनी लेख सोनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो नाहुर, मुलुण्ड (पश्चिम), कुर्ला तालुका, बम्बई उपनगर जिला, रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई उपनगर के स्थित है, माप में 224 वर्गगज या 137.3 वर्गमीटर है जिसका सिटी सर्वेक्षण नं० 550 (अंश) है और इस प्रकार घिरा हुआ है: उत्तर की ओर से अंशतः उपविभाजित प्लॉट नं० 8 और अंशतः उपविभाजित प्लॉट नं० 8 सी द्वारा, दक्षिण की ओर से 444 चौड़े विकास योजना रोड द्वारा, पश्चिम की ओर से उपप्लॉट नं० 8 ए द्वारा और पूर्व की ओर से उप प्लॉट नं० 8 डी द्वारा.

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक: 26-2-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 75

निर्देश सं० अ० ई० 5/140/25/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 5, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे अधिनियम इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 5 है, जो कांजूर व्हिलेज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन तारीख 24-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- | | |
|--|------------|
| (1) श्री रतनसी करसनदास | (अन्तरक) |
| (2) श्री सरदार प्रताप सिंह लक्ष्मीदास इस्टेट और
इण्डस्ट्रिज प्रा० लि० | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104- (नया) ग्रंथ जो गांव कांजूर, भाड़ूप अभी बृहत्तर बम्बई उप-नगर और अभी रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर में है और माप सं० 2608.72 वर्गमीटर या आसपास अर्थात् 3120 वर्गगज जो बम्बई म्युनिसिपल काफोरेशन द्वारा मंजूर प्राइवेट लेआउट स्कीम के प्लॉट नं० 5 है और पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 180 हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पश्चिम की ओर से 44 फीट चौड़ा निजी मार्ग और उसके बाद उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 11 और 12 द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 6 द्वारा और उत्तर की ओर से उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 4 द्वारा घिरा है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 26-2-75.

मोहर :

प्राकृष आर्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 169-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० आ० ई० 5/141/26/74-75—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 6 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार प्रतापसिंह लक्ष्मीदास इस्टेट और इंड-स्ट्रीज प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) की जमीन का भाग, गांव कांजूर, भाड़प (अभी बृहतर बम्बई) पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर और माप में 2586.5 वर्ग मीटर या आसपास जो बम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा मुजूर प्राइवेट लेआउट स्कीम के प्लॉट नं० 6 (छः) है और पूर्व में सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पश्चिम की ओर से 44 फीट चौड़े निजी मार्ग और उसके बाव उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 12 और 13 द्वारा और दक्षिण में उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 7 द्वारा और उत्तर में उक्त स्कीम प्लॉट नं० 5 द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 26-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई.

बम्बई, तारीख 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/144/34/74-75—अतः मुझे
जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 64, 63, 66, 72, 73 है, जो
नाहूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बान्द्रा, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन 25-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) अत्सीबाई उमेदमल और अन्य (अन्तरक)

(2) वेस्टर्न मेकानिकल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहूर, तालुका कुर्ला,
बम्बई उपनगर जिला, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है
जिसका अधिकारों के अभिलेख के अनुसार निम्न विवरण है

सर्वेक्षण नं०	क्षेत्र
64 अंश	
65 अंश	
66 अंश	
72 अंश	
73 अंश	3357.78
	वर्गमीटर
	4016 वर्गगज

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 26-2-75

सोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी, 1975

निर्देश सं० अ०ई० 5/139/24/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 4 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-74 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार प्रतापसिंह लक्ष्मीदाम इस्टेट और इंडस्ट्री प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) गांव कांजूर, भांडूप की जमीन का एक भाग है, अभी बृहत्तर बम्बई पहिले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर और माप में 2508.39 वर्ग-मीटर या ग्रासपास अर्थात् 3000 वर्गगज है जो बम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा मंजूर, प्राइवेट लेआउट स्कीम का प्लॉट नं० 4 है, और पूर्व में सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5 की जमीन द्वारा, पश्चिम में 44 फीट चौड़े प्राइवेट रोड और उसके बाद उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 10 और 11 द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त स्कीम द्वारा उत्तर की में उक्त स्कीम के प्लॉट नं० 3 द्वारा घिरा है।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख 26-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

Kinada, the 22nd February 1975

The President

1. State Bank of India Staff Co-operative Building.
Society Ltd. Vizianagaram.

(अन्तरक)

2. 1. Palakuti Suryanarayana,
2. P. Kalidas, Iron Merchant,
Kothaagraharam, Vizianagaram.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी०—यतः मुझे, K. Subbarao

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० New Survey Nos. 100(1) 99(8); 103(2); 100(3) है, जो Gajularega, Vizianagaram Taluk

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं said Act की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—26GI/75

अनुसूची

Vacant land situated in the village Gajularega, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District to the extent of A 5-03 cents out of Ac. 6-18 cents bearing New Survey Nos. 100(1) 99(8) 103(2) and 100(3).

K. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख 22-2-1975

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई दिनांक 26-2-75

निर्देश सं० अई०-5/138/23/74-75—अतः मुझे जे०
एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
5 बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु० से
अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 3 है, जो
कांजूर विलेज में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) रतनजी करसनदास अन्य (अन्तरक)
- (2) मैसर्स सरदार प्रतापसिंह लक्ष्मीदास इस्टेट और
इंडस्ट्रीज प्रा० लि० (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104
(नया) का ग्रंथ, गांव कांजूर, भांडूप, अभी बृहत्तर बम्बई पहिले
रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई नगर और अभी रजि-
स्ट्रेशन उपजिला और बम्बई उपनगर और माप में 2508 39
वर्गमीटर या आसपास (अर्थात् 3000 वर्गगज) जो बम्बई म्यु-
निसिपल कारपोरेशन द्वारा मंजूर, प्रायवेट लेआउट स्कीम का
प्लॉट नं० 3 है और पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा
नं० 2 (ग्रंथ) की जमीन और सर्वेक्षण नं० 180, हिस्सा नं० 5
(ग्रंथ) की जमीन द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त स्कीम के प्लॉट
नं० 2 और 44 फीट चौड़े निजी मार्ग और उसके बाद उक्त स्कीम
के प्लॉट नं० 10 द्वारा, दक्षिण की ओर से उक्त प्लॉट नं० 4 द्वारा
और उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 104 (नया) (ग्रंथ) की
जमीन के एक भाग द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा

(सक्षम प्राधिकार)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई

अबचः

तारीख 26-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269अ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० 5/137/22/74-75—यतः, मुझे, जे०
एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5
बम्बई आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे० नं० 92/2 प्लॉट नं० 53, 54, 59 और
66 है, जो नाहूर-मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 23-7-1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ को उपधारा (1)
क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिनह्ता डिग्रलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. हिमांशु वरजलाल पारेख (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथारिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59
और 66 की जमीन का एक भाग बनाता है गाव नाहूर, मुलुण्ड
के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित है जिसकी साथ में वहां पर निर्मित
इमला का भाग जो माप में 1052.9 वर्ग फीट समकक्ष 97.83
वर्गमीटर या आसपास है और सलग्न प्लान में काले और लाल
रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन का टुकड़ा
पैतृक रूप से प्राप्त है और जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला
बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार
घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर में अनिर्मित जमीन पट्टी
जो कि प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक
भाग बनती है द्वाग, दक्षिण की ओर से उसी प्रकार की अनिर्मित
जमीन पट्टी द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त इमला के एक भाग
जो माप में 2105.8 वर्ग फीट है द्वारा और पूर्व, की ओर से
उक्त इमला के भाग जो माप में 1020, 2166, 2166 और
2166 वर्ग फीट क्रमानुसार है, द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 28-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० 5/132/7/74-75—यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 बम्बई आदिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 अ, सर्वे नं० 130/3 (पार्ट), 4 (अंश), 131/1 (अंश), 4 (अंश), 5 (अंश), 111 (अंश) है, जो नाहूर-मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. रेव० फ० वेलेरिअन गोदीनहो (अन्तरक)

2. शर्मा कंस्ट्रक्शन कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अकृषि प्लॉट नं० 8 की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 3774 वर्गगज समकक्ष 3155 वर्ग मीटर या आसपास है जिसका उप विभाजित प्लॉट नं० 8 जो कि बम्बई महानगर पालिका द्वारा नं० सी० ई०/78/बी० एस० ई०/एल० ओ० टी० दिनांक 2-4-1970 के अन्तर्गत स्वीकृत है, गांव नाहूर मुलुण्ड (प०) कुरला तालुका, बम्बई उपनगर जिला टी०-वार्ड, रजिस्ट्रेशन उपजिला जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है और सर्वेक्षण नं० 130 हिस्सा नं० 3 (अंश), 4 (अंश) सर्वेक्षण नं० 131 हिस्सा नं० 1 (अंश) 4 (अंश) 5 (अंश) और सर्वेक्षण नं० 111 (अंश) और सिटी सर्वेक्षण नं० 550 (अंश) का एक भाग बनाता है और उक्त प्लॉट का घिराव इस प्रकार है : पूव की ओर से प्लॉट नं० 9 द्वारा, पश्चिम की ओर से अंशतः प्लॉट नं० 4 और अंशतः प्लॉट नं० 5 द्वारा, दक्षिण की ओर से 44 फीट चौड़े विकास योजना मार्ग द्वारा और उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 7 द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख 26-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1975

सं० अ० ई० 5/127/12/74-75—अय: मुझे,

जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59, 66 है, जो नाहूर
हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य आस्तिधो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मिनहर्षा डिलर्ज प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती कुनम प्रताप हरिअनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लॉट नं० 53, 54, 59
और 66 की जमीन का एक भाग बनाता है, गांव नाहूर,
मुलुण्ड के पास, बृहत्तर बम्बई में स्थित है, जिसके साथ में वहाँ पर
निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 1077 वर्गफीट समकक्ष
100.084 वर्गमीटर या आसपास है और इसके साथ संलग्न
प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया
है जिस जमीन के टुकड़े पैतृक रूप से प्राप्त है और जगहें रजिस्ट्रेशन
उप जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित
है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर में उक्त
इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट है द्वारा,
पश्चिम की ओर से अनिर्मित जमीन की पट्टी जो इस के साथ
संलग्न प्लान में आउन रंग से दर्शाया गया है और प्लॉट नं०
53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाता है,
द्वारा उत्तर की ओर से उक्त इमला के विभाग जो माप में
1077 वर्गफीट है द्वारा और दक्षिण की ओर से उक्त इमला
इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख 28-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/131/16/74-75—यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, बम्बई आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 डसिटी सर्वे नं० 550 (पार्ट) है, जो नाहूर-मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खे० फे० वेलेरिज अ जोडीनहो (अन्तरक)

2. श्री सुधीर केशवजी सोमय्या (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संयुक्त सर्वेक्षण के अकृषि प्लॉट नं० 8 की जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 3774 वर्गगज समकक्ष 3155 वर्ग-मीटर या आस पास जिसका महानगर पालिका द्वारा स्वीकृत सी० ई०/78/बी० एस० आई०/एल० ओ० टी० दिनांक 2-4-1970 के अन्तर्गत उप-विभाजित प्लॉट नं० 8, गांधी नाहूर मुलुण्ड (प) टी. वार्ड, रजिस्ट्रेशन, उप जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिला में स्थित है उक्त प्लॉट इस प्रकार घिरा हुआ है :—

पूर्व की ओर उसी नक्शे के प्लॉट नं० 9 ए, 9 बी, 9 सी

पश्चिम की ओर नक्शे के प्लॉट नं० 4, 5

दक्षिण की ओर 44-8" चौड़े डेवलपमेंट प्लॉट रोड और उसी नक्शे के प्लॉट नं० 3 और 7

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5, बम्बई

तारीख 26-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० पी० आर० 191/ए० सी० क्यू० 23-293/19-1/74-75—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वर्तमान सर्वे नं० 231 पैकी, 254 पैकी और नं० 256 पैकी है, तथा जो बारडोली, जिला सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-7-1974, 20-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री खुशाल भाई मोरारजी पटेल, इन्दु कुमार रामजी भाई पटेल स्वतः और हि० अ० कु०, दिलीप कुमार इन्दु कुमार पटेल स्वतः और हि० अ० कु०, बचुभाई उर्फ स्वराज्य कुमार खुशाल भाई पटेल स्वतः और हि० अ० कु०, शान्ताबेन बचुभाई उर्फ स्वराज्य कुमार, (अवयस्क) रेखाबेन बचुभाई, सुनिताबेन बचुभाई, जयकुमार बचुभाई (पालक) शान्ताबेन व नयनाबेन बचुभाई पटेल, कुसुमबेन इन्दु कुमार पटेल (अवयस्क) महेश कुमार इन्दु कुमार और राधिकाबेन इन्दु कुमार (पालक) कुसुमबेन ई०, शोभनाबेन इन्दु कुमार पटेल (अन्तरक)

2. रामबाग कोओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० बारडोली की ओर से—

प्रेसिडेंट—मणिभाई गलालभाई पटेल

सेक्रेटरी—मगनभाई नाथुभाई पटेल, बारडोली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामवाडी (आस्तान रेलवे क्रोस के नजदीक) बारडोली, जिला सूरत में स्थित खुली जमीन जिसका वर्तमान सं० नं० 231 पैकी, 254 पैकी और नं० 256 पैकी जिसका कुल माप 15972 वर्ग गज (132 गु०) है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2802 से 2806 जुलै 1974 और नं० 3558 से 3559 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बारडोली में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 4-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक, 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई०/119/4/74-75—अतः, मुझे, जे० एम० मेहरा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 7 (अंश) है, जो ट्रोम्बे रोड, बम्बई में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री शिवाभाई पेटाभाई पोकर (अन्तरक)
2. श्री ऋवेरचंद लिलाधर शहा (अन्तरिती)
3. मैसर्स पोकर ब्रदर्स ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 1321.04 वर्गमीटर समकक्ष 1580 वर्गगज, सर्वेक्षण नं० 83 हिस्सा नं० 7 अंश, जो गांव बोटला शीव टांबे रोड, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है : उत्तर की ओर से हिस्सा नं० 4 और "मोती बाग" बिल्डिंग द्वारा, दक्षिण की ओर से पोलिस्टील फेंब्रिकेशन के अधिकार में हिस्सा नं० 8 द्वारा पूर्व की ओर से मनवर हुसेन, भंगार (रद्दी) वाला के अधिकार में लीजकाट्स का जमीन द्वारा।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 26-2-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज 5, बम्बई 1

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई/5/124/9/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो नाहूर विल्हेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

18-26GI/75

- 1 मिनटर्हा डिग्रलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)
- 2 श्री शैलेश शिवकुमार डालमिया (अन्तरिती)
- 3 श्री शैलेश शिवकुमार डालमिया ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, इसके के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के वे तमाम टुकड़े जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 का एक भाग है, गांव नाहूर, मुलुण्ड के पास बृहत्तर बम्बई में स्थित है, साथ में वहां पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 2105.8 वर्गफीट समकक्ष 196.65 वर्ग मीटर या आसपास है और इसके साथ संलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ दिखाया गया है जमीन के वे टुकड़े पैतृक रूप में प्राप्त है। और बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है। अर्थात् उत्तर की ओर से अनिर्मित जमीन की एक पट्टी जो प्लॉट नं० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का एक भाग बनाती है, द्वारा दक्षिण की ओर से उसी प्रकार की अनिर्मित जमीन की पट्टी द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 2105.8 वर्गफीट है द्वारा, और पूर्व की ओर से उक्त इमला में 1052.8 वर्गमीटर है द्वारा।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 1 मार्च 1975

Ref. J. Nos. I(88, 90 & 91)/Acq. File No. 152/74-75.—

यतः मुझे, K. SUBBARAO

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

T. S. No. 983, Plot No. 45 Kirlampudi Town Planning Trust
Lay out, Waltair Ward

में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 31-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. Shri Ojili Narasareddy, Allur, Nellore Dt. (अन्तरक)
2. 1. Smt. Gita Krishna Mukari, W/o Sri S. M. Krishna
Kumar.

2. D. M. Deva Kumar Reddy,

3. M. Vinod Kumar Reddy, (अन्तरिती)

3. Shri M. R. Reddy, General Manager,
F. F. Railway, Gauhati-11, (Assam).

वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam Dist—Visakhapatnam Sub-Registrar—Kir-
lampudi Lay out—Town Planning Trust, Sanjivayyanagar,
T. S. No. 983—Plot No. 45—Waltair ward—Unfinished resi-
dential building with completed construction up to the ground
floor plinth level with a total plinth area of 2350 sq. ft.
(218-32 sq. mtrs.) including the basement portion of an area
of 870 Sq. ft. (80-83) sq. mtrs consisting of three main rooms
with 2 attached bath rooms and a kitchen and stores together
with a site of 1683 sq. yds. with elec. and water connections.

BOUNDRIES

East : Plot No. 44 House of Sri M. R. Reddy

South : Plot No. 30.

West : Plot Nos. 46A and 46B,

North : Municipal Road.

K. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख : 1-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद तारोख 5-3-74

निर्देश सं० आर० ए० सी० 120/74-75—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1-10-87 बाग है जो आशोक नगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 25-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० सोम सुन्दरराव पिता आर० सीम्या नं०
1-10-87 आशोक नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्तारानी पति नन्दन सिनग नं० 21-3-266
चारमहल हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त धरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति घर का बाग नं० 1-10-87 आशोक नगर,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-3-75
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II मद्रास ।

मद्रास, तारीख 3-3-75

निर्देश सं० 3164/74-75—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बहुधनातन टाकीस, अनैकारतचत्रम गांव, कोलरून म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीरकालि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जूलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० डी० सुब्बैया चेट्टियार, (अन्तरक)

2. श्री एन० यी० सुब्रमनियम पिलै । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोपालसमुत्तम, कोलरून, अनैकारतचत्रम गांव में आर० एस० सं० 70/1 में 42-8 सेन्ट का जमीन (सिनेमा थियेटर के साथ) ।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास ।

तारीख : 3-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास ।

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० 3169/74-75—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1468, 1469 वार्ड सं०
तीन मायूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मायूरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-1974
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रबीयुतिन । (अन्तरक)
2. श्री एस० गुरुनाथन चेडिटयार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मायूरम, वार्ड सं० 3, टी० एस० सं० 1468 और 1469
में 70 सेन्ट का भूमि (सिनेमा तियेडर के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास ।

तारीख : 3-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० 2247/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 529/3 ए है जो पेरुमुचै गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घोबिचेट्टिपालयम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) डाक्टर के० एस० शन्मुखम (अन्तरक)
- (2) श्री एस० के० शन्मुखम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुमुचै गांव में 7 एकड़ की भूमि जिसकी एस० एफ० सं० 529/3 ए।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 6-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) डाक्टर के० एस० शन्मुखम (अन्तरक)

(2) श्री एस० के० शन्मुखम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पेरुमुघै गांव में 6-20 एकर का भूमि जिसका एस० एफ०
सं० 529/3 ए० ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 6-3-75

मोहर :

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० 1360/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 75, है जो लाल मोहमद स्ट्रीट, चेपाक, मद्रास-5
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्ष्यमान
प्रतिफल से ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नारायण दास और
श्री नारायण दास

(अन्तरक)

(2) श्री ए० हाजा मोहैदीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिपलिकेन, लाल मोहमद स्ट्रीट डोर सं० 75 में
1919 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका नया
सर्वे सं० 2924/8 और 2924/19।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 6-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० 1421/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 41, है जो कामराज अवन्तु अडयार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यथा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

(1) श्रीमती हेमा सी० कुमार मद्रास-18 । (अन्तरक)

(2) डाक्टर के० कृष्णामूर्ती मद्रास-20 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, अडयार, कामराज अवन्तु डोर सं० 41 में 1 1/2 ग्राउन्ड का भूमि (मकान के साथ) ।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-3-1975

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
19-26GI-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/130/15/74-75—यतः मुझे, जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी पुराना सं० नं० 73, नया सं० नं० 210, हि० नं० 1 है, जो भांडुप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या - उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स स्टीलस् एंड मैटल्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. मैसर्स विशाल कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का वह तमाम टुकड़ा जो भांडुप, बृहत्तर बम्बई, पाट टाकड़ी बान्द्रा तालुका बान्द्रा, तालुका साउथ सालसेट, जिला बम्बई उपनगर, जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० 73 और नया सर्वेक्षण नं० 210, हिस्सा नं० 1 जो माप में 8314 वर्गगज समकक्ष 6950.61 वर्गमीटर है और इस प्रकार घिरा हुआ है— उत्तर ; सर्वेक्षण नं० 212 की जमीन, दक्षिण : नाला और सरकारी पश्चिम जमीन, पूर्व : कार-ट्रेक्ट और सर्वेक्षण नं० 211 की जमीन, पश्चिम : नाला और गोवन।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 3 मार्च, 1975

मोह्र :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० अई-1/880-10/जुलै/74—अतः मुझे, आर०

जी० नरुरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8, सी० एस० नं० 8/738 मलबार कंबाला हिल डिव्ही० है, जो भूलाभाई देसाई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवीरोजी जहांगीर धमडिया । (अन्तरक)

2. कैडबरी फ्राय (इंडिया) प्राइवेट लि० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेंशन और टैक्स टेन्योर (पट्टा) जमीन के वे तमाम टुकड़े जिसका प्लॉट नं० 8 गमाडिया इस्टेट माप में 2439.81 वर्गमीटर या आसपास समकक्ष 2918 वर्गगज या आसपास जो भूलाभाई देसाई रोड (पहले का बार्डन रोड) टापू और नगर बम्बई में और रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है जो कि एक बड़े जमीन के टुकड़े का भाग है लैंड रेवेन्यू के कलेक्टर द्वारा नए नं० 3158, 86, 247, 930, 2426, 1652, 1653, 2967, 1864, 2115, 2157 और 2273 (अंश), प्लॉट का नया सर्वेक्षण नं० 7076 (अंश) और सी० एस० नं० 738 (अंश) मलबार और कम्बाला हिल्स डिव्हीजन जिसपर साथ में वहां पर खड़ी इमारत तथा इमले जो जगहें म्युनिसिपल भावों एवं करों के असेसर और कलेक्टर म्युनिसिपल कारपोरेशन, बृहत्तर बम्बई द्वारा डी० बार्ड नं० 3538 (2) (5) स्ट्रीट नं० 2ए०, बी०, जी० देशमुख मार्ग (अंश) के अन्तर्गत निर्धारित है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त गमाडिया इस्टेट के प्लॉट नं० 9 जिसका कैडस्ट्रल सर्वेक्षण नं० 7/738, मलबार और कम्बाला हिल डिव्ही द्वारा, पूर्व की ओर से उक्त गमाडिया इस्टेट के एक अंश (भाग) बनाने वाले 40 फीट चौड़े मार्ग द्वारा, दक्षिण की ओर से उक्त गमाडिया इस्टेट के प्लॉट नं० 7 द्वारा और पश्चिम की ओर से भूलाभाई देसाई रोड द्वारा।

आर० जी० नरुरकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी, 1974

निदेश सं० ए० सी० 123/रे V/74-75/कलकत्ता—अतः

मुझे, एन० बालासुब्रमनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 2 आट तल्ला पर है तथा जो 110 डा० मेघनाथ साहासरनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सामित्री तेबी सन्ध्यालिया,
110, डा० मेघनाथ साहासरनी,
कलकत्ता (अन्तरक)
2. बादामी देवी सन्ध्यालिया, 8 बि०,
लिटल रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 2 आट तल्ला पर साथ नकर घर और गाड़ी का स्थान जो 110, डा० मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता पर अब स्थित 'साउदार्म कोर्ट' मकान का अन्तर्गत है और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 8000/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालासुब्रमनियम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, 54, रफी अहमद कदवाई
रोड़, कलकत्ता-16

तारीख : 27-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता-16

कलकत्ता-15, दिनांक 27 फरवरी, 1975

निर्देश सं० एसी 122/रे 5/74-75/कलकत्ता—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 1 दो तल्ल पर है तथा जो 110 डा० मेघनाथ साहासरनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सामिति देबि सत्यालिया

110, डा० मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्रीमती भिजय देबि बरमेचा ।

(अन्तरिती)

3. श्री अशोक बेद ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 1 दो तल्ल पर साथ नकर घर और गाड़ी का स्थान जो 110, डा० मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता पर अब स्थित 'साउदार्न कोर्ट' मकान का अन्तर्गत है और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 14337/1974 के अनुसार है।

एल के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, 54, रफी अहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 27-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवणा, कर्वे रोड,

पूना-411004।

पूना, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० /5/जुलै '74/सोलापुर/180/74-75

—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या गट क्र० 47 और 48 सं० क्र० 19-1, 19/2 ब है तथा जो करंबा जिला सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी प्राय की बाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किसन बाबुराव पाटिल
2. केदारजी किसन पाटिल
3. भगवान किसनराव पाटिल
4. तात्यासाहेब किसन पाटिल
5. श्रीमती कोडाबाई किसन पाटिल
6. श्रीमती प्रयागबाई भगवान पाटिल
7. श्री छगन केदारजी पाटिल
8. श्रीमती ओमा तात्यासाहेब पाटिल

सबका पता : करंबा, जिला सोलापुर।

(अन्तरक)

2. श्री इस्माईल हुसेनसाहेब निचलकर

353 बेगम पेठ, सोलापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल खेती की जमीन मौजे करंबे, जिला सोलापुर
गट क्र० सर्वे० क्र० क्षेत्र

47	19/1	5-31
48	19/2बी	5-37

एच० एस० श्रीलख

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 4-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

दुबली, दिनांक 28 फरवरी, 1975

निर्देश सं० 71/74-75/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी ए० आर० नं० 3251 और खाना नं० 129/2 है, जो सुभास चौक, हासन शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हासन में डाक्युमेंट नं० 3050 के अन्तर्गत 29-7-74 के दिन]

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) (i) श्री एच० आर० शंकरनारायण, सन् आफ स्वर्गीय एच० वी० रंगस्वामी, सुभासचौक, हासन ।
- (2) (ii) कुमार एच० एस० श्रीकान्त, अल्पवयी संरक्षणदार और पिता श्री एच० आर० शंकरनारायण, सुभास चौक, हासन ।

(अन्तरक)

2. श्री आर० अली, सन् आफ अब्दुल रझाक, होटेल मालिक, शरीफ कालोनी, होलेनरसीपुर रोड, हासन । (अन्तरिती)

3. श्री एम० व्यासराय बल्लाक, प्रोप्राइटर : कृष्ण भवन, सुभास चौक, हासनशहर ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है, और वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित रखे है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सैट, खुल्ला जागा, ग्रीट हास और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित दो मॉडलों का मकान जिसका ए० आर० नं० 3251 और खाता नं० 129/2 है और जो हासन शहर के, सुभास चौक में, मुनिसिपल रोड पर है और जिसकी सीमाएं :—

पूरब में : म्युनिसिपल ग्राफीस ;

पश्चिम में : एक बीवार, जो मुरुघन बुड वर्क्स नामक अन्तरक का एक वर्कशाप और श्री एम० व्यासराय बल्लाक को गोडौन के लिए किराये पर दिया हुआ एक घर के बीच में है और प्रभाकर सैकल मार्ट नामक एक दुकान का ग्रीड फ्लोर, जो श्रीमती लक्ष्मी देवम्मा के हिस्से में आयी है ।

दक्षिण में : सुभास चौक और

उत्तर में : कट्टिनकेरे बटाई ।

आर० पार्थसारथी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दुबली ।

तारीख : 28 फरवरी, 1975

मोहर :

प्रा.रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-5, बम्बई।

बम्बई दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० आर० 5/135/20/74-75—अतः मुझे
जे० एम० मेहरा, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23/9 है, जो मुलुण्ड (पश्चिम) में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 25-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी दक्षा बरमशी हिरजी और अन्य। (अन्तरक)
2. श्री माधवजी हिरजी और अन्य (अन्तरिती)

3. किराएदारों की सूची संलग्न

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती दमयन्ती धरवशी

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पैतृक-कालीन जमीन का वह तमाम टुकड़ा और जगहें साथ
में वहाँ पर निर्मित निवासवाटिका, मकान या निवासस्थान जो
रामरतन त्रिवेदी रोड, मुलुण्ड (प०) बम्बई, रजिस्ट्रेशन उपजिला
बान्द्रा, भी रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई
उपनगर में स्थित है माप में 1000 वर्गगज समकक्ष 673.2
वर्गमीटर या आसपास जिसका सी० टी० एस० नं० 1158 और
प्लॉट नं० 23ए० है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की
ओर से बैलजी जेठामाई तथा अन्य की जायदाद द्वारा पश्चिम की
ओर से कानजी जाधवजी सेनिटोरियम द्वारा, उत्तर की ओर से
प्रधान उपदा की जायदाद द्वारा और दक्षिण की ओर से रामरतन
त्रिवेदी रोड द्वारा।

जायदाद पर अधिकार रखने वाले व्यक्ति

1. बाबूलाल रायशी।
2. दामजी बेलजी।
3. के० सरसामा।
4. केशवजी राघवजी।
5. शान्तीलाल प्रेमजी।
6. मुलुण्ड केरल समाजम्।
7. गंगाबाई धरमसी।
8. कुलभूषण साबले।
9. जमनादास लालजी।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 5, बम्बई।

तारीख : 4-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 129/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-9-250 से 257 है, जो आविन्द रोड में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, (1957
27) का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट द्वारा
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में
सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—26 GI/75

(1) मैसर्स हिन्दुस्तान हावसिंग कम्पनी लिमिटेड
51, महात्मा गान्धी रोड,
बम्बई, जनरल पावर आफ आउटर-
नी एजेंट द्वारा श्री बिरदीचन्द
चौधरी हैदराबाद के निवासी (अन्तरक)

(2) मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स भागीदार
श्री बनारसीलाल गुप्ता द्वारा पुत्र
मुरारीलाल गुप्ता बक्शीर बाग,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 5-9-250 से 257, दुः मंजला ईमारत
क्षेत्रफल 2600 वर्ग गज, एविड रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज हैदराबाद ।

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 122/74-75;—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 पहला मंजला, चिरामली गल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स एंड रियल इस्टेट एजेंट्स, मार्फत तोताराम सागर-लाल एंड सन्स, एविड रोड, हैदराबाद । (अन्तरक)
2. डा० मिसेस ए० लक्ष्मी पत्नी डा० ए० सिवाजी राव, 1-10-123/1, अशोक नगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति:—प्लॉट नं० 1, पहला मंजला, नं० 5-8-512 से 517 ए०, चिरामली लेन, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज हैदराबाद ।

तारीख: 6-3-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 127/74-75—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जाम बाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मनोहरराव गंगा खडेकर
पुत्र नारायण राव गंगा खडेकर,
5-1-483 जामबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री हिन्द किशोर पुत्र बलराम सिंग
पर धूलपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 5-1-482 से 484, का भाग, जामबाग, हैदराबाद ।

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 121/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, पहला मंजला, है, जो चिरामली
लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. मैसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल
एस्टेट एजेंट्स, मार्फत श्री तोताराम
सागरलाल एंड सन्स एबिड रोड,
हैदराबाद । (अन्तरक)

2. डा० श्रीमती ए० लक्ष्मी

पत्नी डा० ए०

सिवाजी राव, 1-10-123/1,

अशोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 2 पहला मंजला, पूरी जमीन नं० 5-8-512
से 517-ए, क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज, चिरामली गल्ली, हैदराबाद

के० एस० वेकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 118/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14 बशीरबाग है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री टोकरशीलाल जी कापाडिया
कपामिली ट्रस्ट ट्रस्टी श्री टोकरशी
लाल जी कापाडिया द्वारा 6-3-660
मोमाजीगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती उशाबेन कछुभाई पटेल,
14-2-332/8 ग्यान बाग कालोनी,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14, बशीरबाग प्यालेस क्षेत्र में है बशीरबाग,
हैदराबाद क्षेत्र 816.57 वर्ग गज
पूरब : प्लॉट नं० 13 का पड़ोसन के मकान
पश्चिम : गल्ली
उत्तर : ईंट की दीवार और खुली जगह।
दक्षिण : प्लॉट नं० 15 के पड़ोस के मकान।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 128/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-663 तुरूप बाजार है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सुकर
बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उक्त (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मीर रहमत अली पुत्र नवाब मीर
नुसरत अली साब और अन्य व्यक्ति
कोमटीवाडी, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. डाक्टर जी० विठलराव, पुत्र वीरभा
तुरूप बाजार हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (196 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—4-1-663, तुरूप बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 117/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-5-201/1 रानी गंज है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री समुद्राला गणेश सुपुत्र एस० राजय्या
नं० 7957, रानीगंज, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती उशाकिरण डंडा पत्नी आर० सी०
आर० सी० डंडा 136/17, पेंडर
घास्ट रोड, सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 5-5-201/1 पूरी मकान, रानीगंज
सिकन्दराबाद जिसका चौहट्टी ।

पूर्व : इमारत नं० 7828

पश्चिम : नगरपालिका की खुली जमीन ।

उत्तर : खुली जमीन ।

दक्षिण : श्री० शंकरय्या और एस० गणेश के ग्राम दीवार

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 5-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 719-74—यतः मुझे रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 629 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो डेहरी बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री नरिन्दर सिंह पुत्र बूटा सिंह व
 - (2) श्रीमती जगदीश कौर पत्नी बूटा सिंह
- वासी डेहरी बाला।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र किशनसिंह
 - (2) श्री संतोख सिंह पुत्र जगजीत सिंह
 - (3) श्री गुरपाल सिंह पुत्र गुरचरण सिंह
- वासी भजीपिन्ड

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में दिया है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

गांव डेहरीबाला में 31 कनाल 1 सरला भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई, 1975 के बसी का नं० 629 में दर्ज है।

रविन्दर कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 126/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जामबाग है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

21—26GI/75

1. श्री श्याम सुन्दर राव और लक्ष्मण राव (अन्तरक)
गंगा खेड़कर और अन्य तीन व्यक्ति 1-8-519/11
चिकड़ पल्ली, हैदराबाद।

2. श्री बंशी प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र किशन (अन्तरिती)
प्रसाद श्रीवास्तव, लोवर घूलपेट,
हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—5-1-482 से 484, जामबाग, हैदराबाद।

एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 124/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-665 तुरूप बाजार है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मीर रहमान अली अन्य व्यक्ति,
22-2-133 कोमटी बाडी, हैदराबाद (अन्तरक)

2. डाक्टर जी० विठलराव
5-1-556, तुरूप बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—4-1-665, तुरूप बाजार, हैदराबाद

एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्रीमती सरला बाई जे० गावडे (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/134-19/74-75—अतः मुझे
जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 4, हिस्सा नं० 4 है, जो मोजे, मुलुण्ड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-7-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. रमणीय को० आपरेटिव हा० सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वे सभी 1/2 भाग अधिकार शीर्षक और रचि जो सर्वेक्षण नं०
4 हिस्सा नं० 4 जिसका अभी सर्वेक्षण नं० 725 की जमीन के
टुकड़े जो क्षेत्र कीबन 18752 वर्गगज अर्थात् 1565.77 वर्ग-
मीटर या आसपास है मोजे, मुलुण्ड रजिस्ट्रेशन उपजिला, बान्द्रा
जिला बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है:
अर्थात् उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा,
दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा 2 और अंशतः सर्वेक्षण
नं० 4 हिस्सा नं० 1 और अंशतः सर्वेक्षण नं० 4, हिस्सा नं० 5
द्वारा पूर्व की ओर से नूतन प्रभात कोआपरेटिव-हाउसिंग सोसायटी
लि० की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 4
हिस्सा नं० 3 द्वारा और इसके संलग्न प्लान में लाल रंग की सीमा
रेखा द्वारा दर्शाया गया है।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 4 मार्च 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/133/18/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा आयकर अधिनियम, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 4, हि० नं० 4 है, जो मौजे, मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दत्तात्रय गणेश गावड़े (अन्तरक)
2. रमणीय को० आप० हाऊ० सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी 1/2 भाग अधिकार शीर्षक और रुचि जो सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 4 की जमीन के टुकड़े जो क्षेत्र करीबन 1875½ वर्ग गज अर्थात् 1578.11 वर्ग मीटर या आसपास है मौजे, मुलुण्ड रजिस्ट्रेशन उप-जिला, बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घिरा हुआ है: अर्थात् उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा, दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा 2 और अंशतः सर्वेक्ष नं० 4 हिस्सा नं० 1 और अंशतः सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 5 द्वारा पूर्व की ओर से नूतन प्रशान्त कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 3 द्वारा और इसके संलग्न प्लान में लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख: 4 मार्च, 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 123/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 22-7-268/अ, दिवान देवड़ी है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लतीफ निसा बेगम पत्नी स्व० सय्यद हसन पाशा, 6-2-6, लकड़ीका पुल, हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री बहादुर मल पुत्र जदयालजी, 21-6-740, चेलपूरा, हैदराबाद।
(2) श्रीमती पुष्पाबाई पत्नी बाल-मुकुन्द 21-6-739, चेलपूरा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 22-7-268 ए का पूरा सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 1740 वर्गगज है जो दिवान देवड़ी, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 125/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-1-482 से 484 जामबाग है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 24-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मनराव गंगा खेडकर
पुत्र नारायणराव गंगा खेडकर,
तुरूप बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री कृपासिंग पुत्र बलराम सिंग अघर धूल
पेट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—5-1-482 से 484 का भाग जामबाग, हैदराबाद

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-3-75
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 5 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 119/74-75—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 1-10-87 (बाग) है, जो अशोकनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० सीमसुन्दरराव पिता आर०
सम्बय्या भ० 1-10-87 अशोकनगर, (अन्तरक)
हैदराबाद ।

2. मनद सिनरा पिता बाबु सीना नं०
जी० 21-3-266 पन्जीबुराक पोलीसघर
के सामने मूसाबीली, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति घरका बाग-उत्तर बाग नं० 1-10-87 आशोक
नगर, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 फरवरी 1975

निर्देश सं० X/3/4/74-75—यतः मुझ के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 1482/1, बोडी गांव है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री ए० एस० नटराजन
बोडी पी० ओ० (अन्तरक)

(2) श्री एस० के० एस० मोहम्मद सलालुद्दीन
और आदी कम्बम पी० ओ० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बोडी गांव में 11 एकर और 3 सेन्ट खेती का भूमि जिसका एस० सं० 1482/1

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 26-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 710-74—यतः मुझे राखिन्दर कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2865, जून, 1974 को लिखा है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—26GI/75

1. श्री सुरेन्द्र कुमार बेरी पुत्र धर्मपाल,
185-अजीतपुरा, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. शुक्ला रानी पत्नी राम पाल,
बी-2, चानन नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के जून, 1974 में दिया है ।

राखिन्दर कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० 711-74—यतः मुझे राविन्दर कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका रूप विलेख नं० 2414, जून, 1974 को लिखा है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गिरधारी लाल चोपड़ा, पुत्र श्री दूली राम
ई-के-90, शिवराज गढ़, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश कुमार पुत्र हरिचंद,
चरनजीतपुरा, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रीत सिंह नगर, जालन्धर में प्लॉट जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के जून, 1974 के वसीकानं० 2414 में दर्ज है ।

राविन्दर कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-11

एरणाकुलम दिनांक 3 मार्च 1975

निदेश सं० एल० सी० 29/74-75—यतः मुझे एम० एम०
 कुरूप, आयकर अधिनियम,
 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
 अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 1763/1 है तथा जो ज्यूस स्ट्रीट, एरणा-
 कुलम, में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
 अधीन 5-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
 के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
 लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
 कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
 उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था, या किया जाना चाहिए था
 छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हुमीद, श्री ए० के० मम्मू के पुत्र, अलुक्कापरंबिल,
 एरणाकुलम।
- (2) श्री मुहम्मद अलि, श्री ए० के० मम्मू के पुत्र,
 अलुक्कापरंबिल, एरणाकुलम।
- (3) श्री मोहम्मद उस्मान, श्री ए० के० मम्मू के पुत्र,
 अलुक्कापरंबिल, एरणाकुलम।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती टी० एम० कदीजा कुट्टी, श्री मुहम्मद के
 पुत्री, कोविलवट्टम एरणाकुलम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
 उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला के एरणाकुलम विस्लेख के ज्यूस
 स्ट्रीट में सर्वेक्षण सं० 1763/1 में मकान से युक्त 2 सेन्ट्स
 भूमि।

एम० एम० कुरूप,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 3-3-1975
 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती प्रतिभा लाहिड़ी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 1-3-1975

निदेश सं० ए० सि० 204/आर-IV/कल०/74-75-अतः मुझे
एस० भट्टाचार्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 716-बंगुर एमेन्यू है तथा जो कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एसिडोरेन्सेस, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 15 जुलाई, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें
भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
के लिए सुविधा

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,
की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थातः—

2. श्रीमती स्मृति कणा दे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अंशतः दो मंजिला, अंशतः तीन मंजिला मकान साथ
5 कट्टा 2 छटाक 37 स्वधीयर, फिट जमीन प्लॉट सं० 98, ब्लॉक
डि० बंगुर एमेन्यू, कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , कलकत्ता

तारीख: 1-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 18 मार्च 1975

सं०-205 आर-IV/कल/74-75/—अतः मुझे एस० भट्टाचार्या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26/4 राजा ब्रजेन्द्र स्ट्रीट है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोभा चन्द अगरवाल (अन्तरक)

2. (i) श्री सुशील कुमार बनिक (अन्तरिती)

(ii) नित्यानन्द बनिक

(iii) प्रेम चन्द्र बनिक

(iv) सुबोध चन्द्र बनिक

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंशत दो, तीन और चार मंजिला मकान, साथ 3 कट्टा 7 छटांक 28 स्क्वायर फिट जमीन 26/4 राजा ब्रजेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता कारपोरेशन में।

एस० भट्टाचार्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -IV कलकत्ता

दिनांक 26 फरवरी, 1975

निर्देश सं० ए० सी०-203/आर०-IV/कल०/74-75—यतः

मुझे एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 80, जमुनालाल बजाजस्ट्री है, तथा जो कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एन्त्योरेंस
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31 जुलाई, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृथमान प्रतिफल का
बन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं आयकर उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्व रंजन वैशाका ।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद युसुफ मोल्ला,
मोम्मात जन्नत बेगम,
मुख्तार आहमद, मोल्ला,
इफतेयार मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पुराना किरायादार मकान साथ 2 कट्ठा 33 स्कोयार फिट,
जमीन जोकि 80 जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, के अंग हैं ।

एस० भट्टाचार्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 26-2-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० XII / 18/4/74-75—यतः मुझे, के० बी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 178, मनि नगर, फोरन स्ट्रीट, पालमकोट्टा, रोड,
टूटुकुरिन है, जो में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय टूटुकुरिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० ए० के० पी० संकरलिंग नाडार,
टी० ए० के० पी० रामसामि, नाडार,
टी० ए० के० पी० कृष्णसामि नाडार, और
टी० ए० के० पी० मुरुगेसा नाडार, विरुदुनगर ।
(अन्तरक)

2. श्री ए० एस० गुरुसामि नाडार,
52, नार्थ काट्टन रोड, टूटुकुरिन,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

टूटुकुरिन, पालमकोट्टा रोड, फोरन स्ट्रीट डोर सं० 178
में एक एकड़ का भूमि और 1673 स्क्वयर फीट का मकान ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 17-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० 712-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2367 जुलाई, 74 को लिखा है तथा सरहाल काजिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

1. कुमारी हरबंस कौर पुत्री दलीप सिंह
बासी सरहाल काजीआं,

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस सिंह पुत्र दलीप सिंह
बासी सरहाल काजीआं ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका पूर्ण रूप, रजिस्ट्रीकर्ता नवां शहर के जुलाई, 1974 के बसीका नं० 2367 में दिया है।

रविन्दर कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 713-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 843,
जुलाई, 1974 को लिखा है तथा गट्टीपीर बक्स में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—26GI/75

1. श्री हरीसिंह पुत्र सुन्दर सिंह
बासी गट्टी पीर बक्स,

(अन्तरक)

2. श्री शंगारा सिंह बगैरा, पुत्र बन्ता सिंह
बासी गट्टी पीर बक्स

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर दिया है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

गांव गट्टीपीर बक्स में 33 कनाल 14 मरल्ले भूमि जिसका
पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोट के बासी का नं० 843, महीना
जुलाई, 1974 में दर्ज है, ।

रविन्दर कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 714-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2013, जुलाई, 1974 को लिखा है, तथा बच्छोबाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशोरी लाल पुत्र मुख राज अग्रवाल,
बासी फिल्लौर।

(अन्तरक)

2. गुरदेव सिंह पुत्र ऊधम सिंह,
बासी तेहन्ता।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव बच्छोबाल में 59 कनाल 18 मरले भूमि, जिसका पूर्ण रूप, रजिस्ट्रीकर्ता फिल्लौर के जुलाई 1974 के बसीका नं० 2013 में दिया है।

रविन्दर कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 715-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4831, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बखतावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह
वासी बडाला माधोबाला।

(अन्तरक)

2. (i) नरेन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह वासी सिधवां।

(ii) अबतार सिंह पुत्र करनेल सिंह वासी बाथ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बस्ती शेख में 70 कनाल भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर के वसीकानं० 4831, जुलाई, 1974 में दिया है।

रविन्दर कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 716-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4831 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरी सिंह पुत्र सुन्दर सिंह
वासी गट्टीपीर बक्स ।
(अन्तरक)
2. प्यारा सिंह वगैरा
पुत्र बन्ता सिंह, वासी गट्टीपीर बक्स ।
(अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 में दिया है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गट्टीपीर बक्स में 25 कनाल 5 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोट के वसीका नं० 846 में दिया है ।

रविन्दर कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 17 मार्च 1975

2. (क) सुहेन्दर सिंह पुत्र किशन सिंह
 - (ख) सतपाल सिंह पुत्र जगजीत सिंह
 - (ग) गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरचरन सिंह
- वासी सजी पिंड ।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनाल 17 मरले, भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के वसीका नं० 627 में दिया है ।

रविन्दर कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

1. नरेन्दर सिंह पुत्र बूटा सिंह

वासी डेहरी वाला ;।

(अन्तरक)

निर्देश सं० 717-74—यतः मुझे, रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 627 जुलाई, 74 को लिखा है तथा डेहरी वाला में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 718-74—यतः मुझे रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 628, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा डेहरीवाला में स्थित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मुखविन्द्र सिंह पुत्र बटा सिंह
वासी डेहरीवाला, ।

(अन्तरक)

2. (i) सत पाल सिंह पुत्र जगजीत सिंह
(ii) मुहेन्दर सिंह, गुरप्रीत सिंह, पुत्र गुरचरन सिंह
वासी झजी पिंड ।
(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

गांव डेहरीवाला में 42 कनाल 17 मरसे भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई, 1974 के वसीका नं० 628 में दिया है।

रविन्दर कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 17-3-75
मोहर:

**सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान
विज्ञापित**

**श्रेणी 3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा
अक्तूबर, 1975**

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1975

सं० 13/2/75-प्रबन्ध—भारत के राजपत्र दिनांक 19 अप्रैल, 1975 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 3, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 3, तथा भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप-संवर्ग के श्रेणी 3 में अस्थाई रिक्तियों में भर्ती के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा दिनांक 22 अक्तूबर, 1975 को प्रारम्भ होने वाली बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

परीक्षा के केन्द्रों तथा प्रारम्भ होने की तारीख में संस्थान के विवेकाधिकार से तब्दीली की जा सकती है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत किए गए उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न सेवाओं में जिन रिक्तियों में भर्ती की जानी है, उनकी लगभग संख्या नीचे दी गई है :—

- (1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, श्रेणी 3—*
- (2) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा, श्रेणी 3—*
- (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों का उप-संवर्ग, श्रेणी 3—*

*नोट :—बाद में निश्चित की जाएगी

(ख) अनुसूचित जातियां और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार खाली स्थान आरक्षित किए जाएंगे।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 2 जून, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रु० के मूल्य के पोस्टल आर्डर जो रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों और "केवल प्राप्त कर्ता लेखा" शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेजकर भी 2 जून, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदनपत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम श्रेणी-3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा अक्तूबर, 1975 स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपना नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। एक रुपए का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त तीन पंक्तियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-

पत्र के अधीन (Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिए जाएंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से भेजना चाहता हो, तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपए की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपए के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करैसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक रुपए अथवा दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

विदेशों में रह रहे आवेदकों को आवेदन-पत्र की कीमत के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए या यथास्थित, भारत के उच्चायुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि को यह कह कर उन के कार्यालय में 1.00 रुपए या 2 रुपए के बराबर की राशि जमा करवा देनी चाहिए, कि यह राशि लेखा शीर्ष "065-अन्य प्रशासनिक सेवाएं, सी—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान-अन्य प्राप्ति—आवेदन पत्रों की विक्री" के खाते में डाल दें (जो महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय), उस कार्यालय से टी० आर०-5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त करें और वह रसीद संस्थान को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ तीन पंक्तियां भी भेजनी चाहिए जिनमें साफ और बड़े अक्षरों में उम्मीदवार का नाम व पता लिखा हो।

नोट-1 :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें श्रेणी-3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अक्तूबर, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही अपने आवेदन प्रस्तुत करने चाहिए। श्रेणी-3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अक्तूबर, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर दिए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोट-2 :—आवेदन पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 2 जून, 1975 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विदेशों में रहने वाले अथवा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह अथवा लक्षद्वीप के व्यक्तियों के लिए आवेदन पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 16 जून, 1975 तक भी स्वीकार कर ली जाएंगी।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, स्कंध-6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पास 2 जून, 1975, को या उसके पूर्व अनुबन्ध में दी गई अनुदेशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों अथवा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में 2 जून, 1975 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 16 जून, 1975 तक भी ले लिए जाएंगे।

नोट-1 :—आवेदन प्रपत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवारी की अपनी ही होगी।

नोट-2 :—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के काउंटर पर दें, उन्हें उस लिपिक से जो उनसे आवेदन पत्र लें, पावती पत्र प्राप्त कर लेना चाहिए।

5. (i) **निर्धारित शुल्क :** परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन-पत्र के साथ संस्थान को निम्नलिखित फीस अवश्य देनी होगी :—
8.00 रुपए (2.00 रुपए अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)
- (ii) पैरा 5(i) में बताए गए शुल्क का भुगतान **रेखित भारतीय पोस्टल आर्डरों** द्वारा होना चाहिए, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरे जाने चाहिए :—

केवल प्राप्तकर्ता लेखा	भारतीय पोस्टल आर्डर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली को रामकृष्ण- पुरम (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर दिया जाए।
------------------------	---

संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

- (iii) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है और उसने 1 जून 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है तथा वह 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात्, भारत में आया है और वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है, तो वह अपने विवेक से, उसे निर्धारित शुल्क की छूट दे सकता है।

(IV) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली को देय किये बिना भोजना सुरक्षित नहीं है आवेदन पत्र के कालम 10 के सामने पोस्टल आर्डर के पूरे ब्यौरे भर देने चाहिये।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे तुरन्त अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) 1 जून 1963 को या उसके पश्चात् तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इस के पश्चात् भारत में आये हैं और शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 5 (iii) के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से सम्बद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

यदि किसी उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र देर में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जा सकता है अथवा परीक्षा स्थगित हो जाती है तो उसके द्वारा दिया गया पूरा शुल्क वापिस कर दिया जाएगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए।

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (iii) रोल नं० या जन्म-तिथि (यदि रोल नं० सूचित न किया गया हो)
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा साफ अक्षरों में)
- (v) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता।

इन विवरणों से रहित पत्रों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार "श्रेणी-3 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अक्टूबर, 1975" अवश्य लिख दें।

मदन लाल,
निदेशक (परीक्षा)

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. सूचना के पैरा 3 के अनुसार, इस परीक्षा से सम्बद्ध सूचना, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को सूचना के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। प्रशिक्षण संस्थान अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में अथवा किसी अन्य मिशन में किसी भी स्थान पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहते हैं और नियमों के परिशिष्ट के पैरा 1 के अनुसार आशुलिपि की परीक्षा बिन्ही में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, जहां ऐसी परीक्षाएं लेने के लिए आवश्यक प्रबन्ध हों, आना पड़ सकता है।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और अपने नाम तथा पते की 6 पचियों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा विभाग) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खंड 1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ताकि वह सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यदि संस्थान चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह सूचना के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में या लक्षद्वीप में, जैसी भी स्थिति हो, रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदनपत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को भेज देंगे। यदि कोई उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सचिवालय-प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।

(ii) (क) अपनी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि ;

(ख) दिनांक 1-1-1975 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों की अवधि के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट-आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो समान प्रतियां।

(iv) “उम्मीदवारों को अनुदेश” के पैरा 6 के अनुसार यदि लागू होता हो तो, फीस माफी और/अथवा आयु छूट के दावे के पक्ष में प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि।

ऊपर की सब (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर :—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर “केवल प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएं :—“सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो”।

किसी अन्य डाकघर पर वेय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे या ऐसे पोस्टल आर्डर जिनकी चालू रहने की अवधि समाप्त हो चुकी हो, स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में

रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 8.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 2.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्चा-युक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वह इस राशि को लेखा शीर्ष “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी०—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान—अन्य प्राप्ति—परीक्षा शुल्क” (महा-लेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समा-योजनीय) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहां उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग द्वारा उसकी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की स्थिति में पति का नाम) राष्ट्रियता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, ईसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1975 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वर्तमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हुआ हो।

नोट :—आवश्यक प्रतीत होने पर प्रशिक्षण संस्थान सेवा पंजिका अथवा अन्य लिखित प्रमाण मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियां—उम्मीदवार को अपने हाल ही के फोटो की पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) की दो समान प्रतियां आवेदन-पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों। फोटो की प्रतियां संस्थान द्वारा वापिस नहीं भेजी जाएंगी।

(iv) शुल्क माफी और/अथवा कम से कम निर्धारित सेवा का अनुमान लगाने, और/अथवा आयु छूट के दावे के पक्ष में वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि आवेदन-पत्र के साथ

ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ उपर के पैरा 4(i), 4(ii) तथा 4(iii) में उल्लिखित कोई कागजात आदि न लगे होंगे और उन्हें न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन पत्र के साथ न भेजे गए हों, पर उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संस्थान के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है। प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपियां संस्थान द्वारा वापस नहीं की जाएंगी।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई विसंगति हो तो उस विसंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश भूतपूर्व (पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 5 (ii) अथवा 5 (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी प्रमाणिक प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है:-

- (1) दण्डकारण्य प्रायोजना के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;
- (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मजिस्ट्रेट;
- (3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
- (4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर,
- (5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त/कल-कत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत शुल्क माफी का इच्छुक है तो उसे एक मूल प्रमाणपत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यह कहा गया हो कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा

नियमों के पैरा 5 (iv) या 5 (v) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह श्रीलंका में भारतीय हाई कमिशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् उसने भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

- (iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत फीस-माफी और/अथवा नियमों के पैरा 5 (viii) या 5 (ix) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिचय प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और उसने 1 जून 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता उसके जिला मैजिस्ट्रेट प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी या सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

- (v) संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन तथा दीव का उम्मीदवार जो नियम 5 (vi) के अधीन आयु सीमा में छूट का दावा करे वह निम्न अधिकारियों में से किसी एक से मूल प्रमाणपत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि अपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे।

- (1) सिविल प्रशासन के निदेशक
- (2) कौनसिलहोस के प्रशासक
- (3) मामलातदार

- (v) कीनिया, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानियां (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 5 (vii) के अधीन आयु में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उप-युक्त देशों से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(vi) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 5 (x) या 5 (xi) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशक पुनर्वास, प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त कर दिया गया हो।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री यूनिट रैंक नं० विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में* सैनिक सेवा करते हुए फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त किया गया।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
दिनांक

*जो लागू न हो उसे काट दें।

(vii) नियम 5 (xii) अथवा 5 (xiii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करें कि वह 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणाम-स्वरूप विमुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—के रैंक नं०—श्री—सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप विमुक्त हुए।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
तारीख

7. ऊपर के पैरा 6 में मांगे गए प्रमाण-पत्रों की प्रतियां निम्न-लिखित अधिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी चाहिए। वे अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और अपनी सील/रबर की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें।

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी
- (ख) संसद या राज्य विधान मंडल या दिल्ली महानगर परिषद् के सदस्य
- (ग) सबडिवीजनल मजिस्ट्रेट/अफसर

(घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार

(च) उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/कालेज-संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक

(छ) खंड विकास अधिकारी

(ज) नगर निगम के सदस्य

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से ही प्राप्त कर्ता परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं बन जाता।

9. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र डाक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती पत्र न मिले तो उसे तत्काल प्रशिक्षण संस्थान से संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार की परीक्षा आरंभ होने की तारीख अर्थात् 22 अक्टूबर, 1975 से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से संपर्क करना चाहिए। इस उपबंध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित रह जाएगा।

11. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

12. पत्रों में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आवेदन-पत्र में दिए गए पते पर भेजे हुए पत्रादि आवश्यकता पड़ने पर उसके बदले हुए पते पर मिल जायें। पते में कोई तब्दीली होने पर उसकी जानकारी सूचना के पैरा 7 में दिए गए विवरणों तथा मोटे अक्षरों में अपने रोल नम्बर/नाम तथा नये पते की 6 पंक्तियों के साथ प्रशिक्षण संस्थान को यथाशीघ्र भेजनी चाहिए। यद्यपि प्रशिक्षण संस्थान इन परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा यत्न करता है तो भी वह इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय
प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अप्रैल 1975

सं० एफ० 14/1/74—ई० I (बी०)—भारत के राजपत्र, खंड III, भाग I दिनांक 6 जुलाई, 1974 में प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 14/1/74—ई० I (बी०) दिनांक 6 जुलाई, 1974 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं।

(i) नोटिस का पैरा I निम्नलिखित रूप से पढ़ा जाए:—

भारत के राजपत्र दिनांक 19 अप्रैल, 1975 में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा यथा संशोधित भारत के राजपत्र, दिनांक 6 जुलाई, 1974 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली में 9 सितम्बर 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा प्रारंभ होने की उपर्युक्त तिथि में परिवर्तित कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिये उपाबंध II का पैरा 9)।

(ii) नोटिस का पैरा 2 निम्नलिखित रूप से पढ़ा जाए:—

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चयन किये जाने वाले

अ्यक्तियों की अनुमानित संख्या 7 है। (इसमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)

उपर्युक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

(iii) नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित '2 सितम्बर, 1974' के स्थान पर '2 जून, 1975' पढ़ा जाए।

(iv) नोटिस के उपाबंध II के पैरा 3 में नीचे दी गई टिप्पणी की पन्द्रहवीं पंक्ति में उल्लिखित 'मई, 1975' के स्थान पर 'फरवरी 1976' पढ़ा जाए।

एम० एस० थानवी
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700016, the 24th February 1975

No. 10/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the date as shown against each:—

Name & Designation & Date

1. Shri N. G. Ganguly, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) —31st Oct., 1974 (AN).
2. Shri S. L. Silas, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Storeholder) —31st Dec., 1974 (AN).
3. Shri S. K. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) 31st Dec., 1974 (AN).

M. P. R. PILLAI

Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th March 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/341/56-Admn (G)/1889.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramaniam, Controller (Class-I) in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in that office for a further period from 1-1-1975 to 31-1-1975 and from 2-2-1975 to 28-2-1975.

B. D. KUMAR

Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 5th March 1975

No. 6/878/69-Admn (G)/1762.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri L. Rajagopal, Section Head in the Office of the Joint Chief Con-

troller of Imports & Exports, Madras as Controller of Imports and Exports Class-II (Non-CSS) in that office in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th February, 1975, until further orders.

2. Shri L. Rajagopal will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35 880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

MADRAS-I.

Madras, the 3rd March 1975

ORDER

Sub.:—Cancellation of Customs and Exchange Control Copies of Licence No. P/S/1784538 dated 20-7-74, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 dated 20-7-74 & Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20-7-74 issued for Rs. 1,21,500/- Rs. 2,43,000/- & Rs. 1,21,500/- respectively.

No. P.9/260/A.M.74/SSI.2.—M/s. Geo Industries & Insecticides (India) Private Ltd., No. 82/3-A, Sathangadu, Madras-19 were issued import licences No. P/S/1784538/R/ML/52/M/37-38, dated 20-7-74 for Rs. 1,21,500/-, No. P/S/1784537/C/XX/53/M/37-38 dated 20-7-74 for Rs. 2,43,000/- and No. P/S/1784539/T/OR/52/M/37-38, dt. 20-7-73 for Rs. 1,21,500/- for April/March 1974 Period for import of Sevin, Heptachlor, Chlordane, Cyclohexane and Todiom. The firm have applied for issue of Duplicate Copies of both Customs and Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1784538, dated 20-7-74, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537, dated 20-7-74 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20-7-74 on the ground, that the respective original licences have been lost/misplaced without having been registered with any customs authorities and utilised at all. In support of their contention they have filed affidavits separately.

I am satisfied that the Customs & Exchange Control copy of the original licence No. P/S/1784538, dated 20-7-74, Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784537, dated 20-7-74 and Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784539, dated 20-7-74 have been lost/misplaced and duplicate copies of the same may be issued to the firm.

The Original Customs and Exchange Control Copies of the Licence No. P/S/1784538, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539, dated 20-7-74 are hereby cancelled.

(Issued from File No. P.9/260/A.M.74/SSI.2).

M. F. R. BIJLI,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

Office of the Textile Commissioner

Bombay-20, the 1st March 1975

No. EST-12(630).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th December, 1974 and until further orders, Shri B. P. Anjanappa as Senior Lecturer in Textile Designs in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

The 6th March 1975

No. EST-I-2(590).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th November 1974, and until further orders, Shri T. J. Rafai, Expert Designer in the Weavers' Service Centre, Vijayawada, as Assistant Director Grade I (Designs) in the same Centre.

MANI NARAYANSWAMI,

Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

No. A-1/1(1020).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following persons as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st February, 1975 and until further orders:—

- (i) Shri V. K. Sankaralingam, Superintendent in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras as Asstt. Dir. (Gr. II) in the same office at Madras.
- (ii) Shri S. K. Banerjee, Junior Progress in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay as Asstt. Director (Gr II) in the same office at Bombay.
- (iii) Shri P. K. Patankar, Junior Progress Officer in the office of the DS&D, Bombay as Asstt. Director (Gr. II) in the same office at Bombay.

2. The appointments of S/Shri V. K. Sankaralingam, S. K. Banerjee and P. K. Patankar as Asstt. Director (Gr. II) are purely temporary and subject to the result of Civil Writ

Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 1st March 1975

No. A-1/1(1003).—The President is pleased to appoint the undermentioned candidates nominated on the results of the Engineering Services Examination, 1973 on probation in Grade III of the Indian Supply Service (Class I) with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and until further orders:—

1. Shri Madan Mohan Ahuja.

2. Shri Anil Kumar Jain.

The above candidates have assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the forenoon of 1st March, 1975.

The 4th March 1975

No. A-1/1(1000).—On his selection through the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. C. C. Unni, officiating as Deputy Director (Litigation) on ad-hoc basis in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director (Litigation) on regular temporary basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th November, 1974 and until further orders.

2. Shri Unni will be on probation for two years from 6-11-1974 to 5-11-1976.

K. L. KOHLI, Dy. Dir. (Admn.)

New Delhi-1, the 24th February 1975

No. A-1/1(1017).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Sujana Singh, permanent Stores Officer (Civilian) of Directorate General of Armed Forces Medical Services (Ministry of Defence) on deputation to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 10th February, 1975 and until further orders.

The 7th March 1975

No. A-17011/86/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. C. Nigam, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same Circle w.e.f. the forenoon of the 3-2-75, until further orders.

K. L. KOHLI, Dy. Dir. (Admn.)
for Director General.

FORM ITNS—

(2) M/s. H. K. Screw Factory, Putlighar, Amritsar & Shri Joginder Singh s/o Bawa Singh, Gali No. 4 Amar kot, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Amritsar, the 28th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/AP-1612/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Kot Khalsa Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand s/o Thakar Dass 139 Defence Colony, Amritsar.

(Transferor)

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1433 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 28-2-1975.
Seal ;

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1613/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Kot Khalsa Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gian Chand s/o Shri Thakar Dass, 139 Defence Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Ravi Finance Chit Fund & Co. Nawan Katra, Dal Mandi, Amritsar. M/s. Parvesh Steel Industries, Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1432 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1614/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh Pehlwan s/o Shri Harnam Singh & Smt. Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh Dharamvir Singh s/o Chanda Singh r/o Varna Teh. Tarn Taran District Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Santosh Khosla w/o Shri Ram Lubhaya Khosla, Income-tax Practitioner, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1378 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM NO. ITNS—

(2) Shri Kamal Kishore s/o Shri Durga Dass, Katia Dulo, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1615/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at R. B. Parkash Chand Road, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) M/s. Sajdeh and Co., 13 Cantt., Amritsar through
Smt. Nargis Sajdeh.
(Transferor)

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1472 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

THE SCHEDULE

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1616/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sajdeh & Co. 13 Cantt., Amritsar through Smt. Nargis Sajdeh.

(Transferor)

- (2) Shri Dev Raj s/o Durga Dass, Katra Dulo, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1629 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1617/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B XIII-185-1 situated at Hide Market Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahant Bachan Dass, Chela Mahant Basant Dass r/o Chitta Akhara, Br. Mai Sewan, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh s/o Makhan Singh Gali Shan Wali, Mohan Singh Gate, Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1509 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Atlas Engg. Industries, G.T. Road, Batala through Shri Janki Nath Kawatra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/BTL/AP-1618/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at G.T. Road Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Sunder Singh S/o Shri Khushal Singh
r/o Baoli Inderjit, Batala.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2667 of July, 1974 of the Registering Authority, Batala.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mangat Ram s/o Desh Raj, Karam Chand s/o Gyan Chand c/o M/s. Karam Chand Ashok Kumar, G.T. Road, Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/BTL/AP-1619/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at G.T. Road Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Batala in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pran Nath s/o Roshan Lal caste Brahman r/o Kapoori Gate Batala.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2878 of July, 1974 of the Registering Authority, Batala.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1620/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Cooper Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Amritsar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sangeeta Mehra w/o Radha Raman Mehra Gopal Mension near Metro Cinema, Dhobi Talao, Bombay through Shri Ram Lubhaya s/o Shri Jagan Nath Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme (P.) Ltd., Gaggar Mal Road, Amritsar (through Shri Manohar Lal).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
and tenants occupying the property.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1626 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1621/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Cooper Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Amar Nath r/o Mewa Mandi, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme (P.) Ltd., Gagar Mal Road, Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown Nos. 150-151, 152/13-2 at Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1270 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Sohan Singh and Harinder Singh s/o Sohan Singh r/o 15 Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1622/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land situated at Outside Hall Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Brij Mohan Sehgal s/o Ram Ditta Mal, Smt. Nirmal Sehgal w/o Surinder Mohan Smt. Kanchan Kapoor, Renu and Sushma Ds/o Shri Surinder Mohan through Shri Brij Mohan Sehgal r/o Guru Ka Mahal, Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above and other persons who are occupying the property.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1286 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1623/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Outside Hall Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties. has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—26 GI/75

(1) Shri Brij Mohan Sehgal s/o Ram Ditta Mal, Smt. Nirmal Sehgal w/o Surinder Mohan Smt. Kanchan Kapoor, Renu and Sushma Ds/o Shri Surinder Mohan through Shri Brij Mohan Sehgal r/o Guru Ka Mahal, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Teja Singh & Kuldeep Singh s/o Sohan Singh r/o 15 Pawan Nagar, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and other persons occupying the property.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1287 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1624/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July on 1974 for an apparent con- sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Gurbax Singh s/o Ajit Singh r/o V. Birk Teh. Phillaur.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here- in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 822 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Guibax Singh s/o Ajit Singh r/o V. Birk Teh. Phillaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1625/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 848 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1626/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara.
(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wati w/o Banke Behari s/o Bhagat Ram r/o Phagwara.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 996 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1627/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh s/o Maia Singh, President, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Radha Raman s/o Banke Hehari s/o Bhagat Ram Jalant r/o Phagwara. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 997 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Kuldip Singh s/o Harbhajan Singh r/o Moohi Teh. Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ASR/Phg/AP-1628/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/5th share of House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 852 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

(1) Smt. Kartar Kaur w/o Kishan Singh s/o Jiwa Singh of Railway Road, Phagwara.

(Transferor)

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Paramjit Singh s/o Harbhajan Singh r/o Maull
Teh. Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1629/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishan Singh s/o Jiwan Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in House No. B-XL/36 on Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 856 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Santokh Singh s/o Harbhajan Singh r/o v. Mauli Teh. Phagawara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 28th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Ref. No. ASR/Phg/AP-1630/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in July, on 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/5th share in House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 855 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Darshan Singh s/o Nagina Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

Date : 28-2-1975.

Seal :

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

FORM ITNS

(2) Shri Jaspal Singh s/o Harbhajan Singh r/o Village
Maui Teh. Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1631/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Kishan Singh s/o Jiwa Singh GA of Jagjit Singh alias Rajinder Singh s/o Darshan Singh r/o Phagwara.

(Transferor)

THE SCHEDULE

1/5th share of House No. B-XL/36 of Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 854 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Gokal Singh r/o Mauli,
near Octroi Post, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1632/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. B-XL/36, situated at Railway Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Phagwara in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishan Singh s/o Jiwa Singh GA of Smt. Tarsem Kaur w/o Darshan Singh r/o Railway Road, Phagwara.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of House No. B-XL/36 Railway Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 853 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Hans Raj, Shish Pal s/o Shri Rulia Ram r/o Khan Khanna Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1633/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Phagwara West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurmail Singh s/o Mehanga Singh Chak Bilga.
(Transferor)

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 810 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1634/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at G. T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ramgaria Educational Counsel Phagwara through Shri Mela Singh President.
(Transferor)
- (2) Major Sohan Singh s/o Shri Mehar Singh r/o Birk near Phagwara Teh. Phillaur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 821 of July, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP/1635/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and situated at Vill. Tung Pai, Tehsil Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Dalip Singh s/o Banta Singh, Sangra Singh, Piara Singh s/o Dalip Singh Vil. Tung Pai, Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1391 of July, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

(1) Shri Narain Singh s/o Lal Singh, Tung, Teh., Patti.
(Transferor)

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/PATTI/AP-1636/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Tung Wala, Teh. Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narain Singh s/o Lal Singh R/O Tung, Teh. Patti Amritsar.
(Transferor)

- (2) Shri Jarnail Singh, Karnail Singh Ajit Singh Joginder Singh alias Lal Singh, Balbir Singh Palwinder Singh SS/o Lachhman Singh S/o Tc Singh R/o V. Tungbala Teh. Amritsar.
(Transfere

- (3) As at Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires last
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1392 July, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vasdev Anand, Shri Goverdhan Dass & Raman Kumar SS/o Shri Des Raj, 63, Daya Nand, Nagar, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1637/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Race Course Road, Amritsar

is more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Authority, Amritsar in July, on 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent in such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surjeet Kaur wd/o Sh. Ujjagar Singh, S/wind Road, Amritsar.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. Asr/Phg/AP-1638/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot & Building situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurmeh Singh S/O Mehnga Singh R/O Chak Bilga.
(Transferor)

- (2) Shri Tara Chand S/O Ralia Ram Tej Pal, Ash Kumar, Raj Kumar SS/O Bhagat Ram R/O K Khanan Teh. Nawanshar.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 850 of July 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner)
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Sh. Buti Ram S/o Ram Dass and Sansari Lal S/O Buti Ram Bazar Tahli Sahib, Amritsar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No Asr/AP-1639/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at in Gali Acharaya, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jugal Kishore S/O Kahan Chand I/S Kucha Darwaja Sonal Amritsar.

(Transferor)

28—26GI/75

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Gali Acharya as mentioned in the Registered Deed No. 1530 of July, 1974 of the Registering Authority Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax)
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1640/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Cooper Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Raj Kumar Beri S/O Mahesh Dass, Katra Bhai Sant Singh Gali Gosaian, Amritsar,
(Transferor)

- (2) Shri Kallash Nath Amar Nath Parvesh Chander SS/O Balmukand New Misri Bazar, Amritsar,
(Transferee)

- (3) M/s. Beri & Co. Gurdas Ram Shop keeper, M/s. Pappu Wool, M/s. Gem, Workshop, Cooper Road, Amritsar.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1536 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975,
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1642/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Cooper Road, Amritsar

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Satosh Mehra W/O Sudershan Mehra, Katra Charat Singh, Gali Zargran, Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Kailash Nath, Amar Nath Parvesh Chander, SS/OB Balmukand, New Mishri Br. Amritsar.
(Transferee)

(3) M/s. Beri & Co., Gurdas Ram Shop keeper, M/s. Pappu Wool, M/s. Gem, Workshop, Cooper Road, Amritsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1568 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Pakhar Singh S/O Labh Singh Village Atholi
Teh. Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. Asr/Phg/AP-1643/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 1K 17M, situated at Phagwara Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July, 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Singh S/O Partap Singh Village Kot Rani Teh. Phagwara Distt. Kapurthala.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land in Phagwara Garbi as mentioned in the Registered Deed No. 944 of July, 1974 of the Registering Authority Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 55, DLF Industrial Estate No. 1, Mathura Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (i) M/s Imperial Technical Works, 6/3, Rohtak Road (Punjabi Bagh), Delhi.
- (ii) Shri S. S. Berry, partners of M/s Imperial Technical Works, 6/3 Rohtak Road, (Punjabi Bagh), Delhi.

(iii) Shri A. S. Berry, partners of M/s. Imperial Technical Works, 6/3, Rohtak Road, (Punjabi Bagh), Delhi.
(Transferor)

(2) (i) Shri S. K. Jain,
(ii) Smt. Kamla Jain,
(iii) Smt. Pushpa Jain.
B-4/166, Safderjung Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55, D.L.F. Industrial Estate No. 1, Mathura Road, Faridabad. (measuring 3382.5 sq. yds.).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 843 of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Chandigarh.

Date : 7-3-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) The Principal Officer, Hein Lehmann (India) Ltd.,
16-Hare Street, Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/3/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property consisting of Industrial Plot No. 10 along with wire fencing, tubewell, water pump, bricks and other temporary structures situated in Sector 6, situated at Faridabad District Gurgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer, Supertone Electricals Private Ltd., B-6, Asaf Ali Road, New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of Industrial Plot No. 10 along with Wire Fencing, Tubewell, water pump, bricks and other temporary structures situated in Sector 6, Faridabad District Gurgaon.

North : Plot No. 11, Orient General Industries.

South : Plot No. 9-A, Jyoti Enterprises.

East : Plot No. 16 and 17.

West Main Delhi Mathura Road.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 940 of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 14-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (2) Sarvshri
 (i) V. K. Kapoor,
 (ii) Ranvir Kapoor,
 (iii) R. K. Kapoor,
 (iv) Arun Kapoor, (Minor) through Shri S. P. Kapoor, father-natural Guardian, Resident of 10-D, Dev Nagar, Delhi-5,
 (Transferee)
 * (3) M/s Sikand Plastics Private Ltd. 58, Friend Colony, East, New Delhi.
 (Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 14th March 1975

Ref. No. BGR/(DLI)/5/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property consisting of Plot No. 17, Sector 4 alongwith building constructed thereupon situated at Faridabad, Industrial-cum-Housing Estate, Faridabad District, Gurgaon. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Bhagwanti Bhutani,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of Plot No. 17, Sector 4, alongwith building constructed thereon situated at Faridabad Industrial-cum-Housing Estate, Faridabad District Gurgaon.
 (Property as mentioned in the Registered Deed No. 907 of July, 1974 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH.
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant
 Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Chandigarh.

Date : 14-3-1975,

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref. No. SRS/23/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop No. 127 situated at Nai Mandi, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chiman Lal S/o Shri Nathu Ram S/o Shri Guran Ditta,
- (ii) Smt. Shanti Devi Wd/o Late Shri Neki Ram mother and natural guardian of Shri Puran Chand minor son of Shri Neki Ram s/o Shri Nathu Ram resident of village Rania Tehsil Sirsa, (Transferor)
- (2) (i) Shri Satnam Ram,
(ii) Shri Jaimal Ram,
Sons of Chaudhry Natha Singh s/o Shri Milawa Ram resident of Sirsa District Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop No. 127 situated in Nai Mandi, Sirsa District Hissar.
North : Road
East :—Shop No. 128 of Shri Mukand Lal.
West : Shop No. 126 (Branch of State Bank of India, Sirsa).
South :—Mandi Chowk.
Frontage is on the South towards Mandi.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Chandigarh.

Date : 4-2-1975,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 4th February 1975

Ref No. SRS/24/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop No. 127 situated at Nai Mandi, Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Nand Lal, s/o Shri Nathu Ram S/o Shri Guran Ditta.

- (ii) Shri Babu Ram, s/o Shri Neki Ram, s/o Shri Nathu Ram, village Rania, Tehsil Sirsa, District Hissar.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Hari Chand,
 - (ii) Shri Gopi Chand,
- Sons of Chaudhry Natha Singh s/o Shri Milawa Ram, resident of Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop No. 127 situated in Nai Mandi, Sirsa, District Hissar.

East :—Shop No. 128 of Shri Mukand Lal.

West : Shop No. 126, (Branch of State Bank of India, Sirsa).

North : Road.

South :—Mandi Chowk.

Frontage is on the South towards Mandi.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 4-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1975

Ref. No. LDH/C/347/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, measuring 775 sq. yds. situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Devinder Singh Garcha, s/o Shri Samsher Singh, Resident of Dhandari Khurd, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sarbmeet Singh, s/o Brig. Swaran Singh, Resident of Hoshiarpur, c/o Shri Joginder Singh, Retired P.P. Rattan Building, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, measuring 775 sq. yds, situated in Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana,

Khasra No. 73/7/2, Khewat No. 1426, Khatauni No. 1527, Jamabandi 1970-71.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3482 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 1-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/337/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Mohan Singh,
(ii) Shri Surjit Singh,
(iii) Shri Harminder Singh
sons of Shri Darbara Singh, Residents of Dharam-pura, Ludhiana,

(Transferor)

- (2) Sarvshri
(i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100
(ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
(iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Lal, 10/100
(iv) Smt. Sudesh Kumari, w/o Om Parkash, 1/8.
(v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8.
(vi) Mulakh Raj, s/o Chaman Lal, 25/100.
c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana, Khasra No. 943, Khata No. 39/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3250 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/338/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sarvshri
 - (i) Pritam Singh,
 - (ii) Harbans Singh,
 sons of Shri Gurbachan Singh,
Residents of Dharampura, Ludhiana,

(Transferor)

- (2) Sarvshri
 - (i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100

- (ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
- (iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Mal, 10/100
- (iv) Smt. Sudesh Kumari, w/o Om Parkash, 1/8
- (v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8
- (vi) Mulakh Raj, s/o Chaman Lal, 25/100. c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana. Khasra No. 943, Khata No. 93/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3251 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
x CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/339/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sarvshri
(i) Surjit Singh, s/o Bhajan Singh,
(ii) Hakim Singh, s/o Sher Singh, Residents of Dharampura, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sarvshri
(i) Chaman Lal, s/o Dhani Ram, 25/100
(ii) Shakti Kumar, s/o Ram Parkash, 15/100
(iii) Smt. Savitri Devi, d/o Jiwan Mal, 10/100
(iv) Smt. Sudesh Kumari, w/o Om Prakash, 1/8
(v) Bihari Lal, s/o Pokhar Dass, 1/8
(vi) Mulakh Raj, s/o Chaman Lal, 25/100
c/o Gosain Property Dealers, Chowk Samrala Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 biswa 19 biswansi, situated at Taraf Saidan, at about two furlongs from the Chowk Samrala Road, between the slaughter house and Samrala Road, Tehsil Ludhiana. Khasra No. 943, Khata No. 39/53, Khasra No. 947, Khata No. 617/829 with Jamabandi 1967-68.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3252 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harkishan Singh, s/o Shri Harbans Singh,
Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dhir & Co; 55-Bhādaur House, Ludhiana.
Through Shri Ram Chand Dhir.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/477/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 4 kanals, situated at Village Bhora, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated at Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana at a distance of about 2½ miles from the Ludhiana City on the right hand side of G. T. Road leading to Jullundur.

Kila No. 14,

Khata No. 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 and 28.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3470 of July, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. LDH/C/350/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 4 kanal 1 Marla, situated at Village Bhora, Teh. & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property in the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harkishan Singh, s/o Shri Harbans Singh, Resident of Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana,
(Transferor)
- (2) M/s Dhir & Co; 55-Bhadaur House, Ludhiana. Through Shri Ram Chand Dhir.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 1 marla situated at Village Bhora, Tehsil and District Ludhiana at a distance of about 2½ miles from the Ludhiana City on the right hand side of G.T. Road leading to Jullundur.

Kila No. 14,

Khata No. 17/2, 22/1, 23/2, 24/1 and 28.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3538 of July, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th January 1975

Ref. No. KNL/61/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 549 measuring 1450 sq. yds. (or 26040 sq. ft.) situated at Model Town Karnal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Sardar Singh s/o S. Karam Singh,
(ii) Shri Gurjeet Singh s/o Sardar Singh, 41, Randhir Lane, Karnal.
(Transferor)

- (2) (i) Shri Paramjeet Singh s/o Sh. Gurdit Singh,
(ii) Smt. Harbans Kaur w/o Paramjeet Singh,
(iii) Smt. Pritam Kaur wd/o S. Gurdit Singh,
(iv) Shri Prithipal Singh s/o S. Gurdit Singh, R/o 162, Prem Nagar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 549 at Model Town, Karnal.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 27-1-1975,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manjit Singh, s/o Shri Harnam Dass, 1231,
Gali No. 5. Rajinder Nagar, Ludhiana,
(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh, s/o Shri Dilbara Singh, Kothi
No. B-XX-1280, Ferozepur Road, Ludhiana,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. LDH/C/373/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th portion of Kothi No. B-XX-1280, Ferozepur Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30-26GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th portion of Kothi No. B-XX-1280, Ferozepur Road, Ludhiana, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 4095 of July, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-1-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. CHD/166/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 665, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely:—

- (1) Shri Om Parkash Gupta, H. No. 1685-86, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Jagdish Kaur, w/o Shri Bakshish Singh, c/o SCO No. 8-9, Sector 17-B, Chandigarh.

(Transferee)

- *(3) Shri Kailash Chander, Sole Proprietor, M/s Northern India Chemical Industries, Industrial Area, Chandigarh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of Industrial incomplete building No. 665, Industrial Area, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 492 of August, 1974 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh.

Date: 31-1-1975.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Jagdish Kaur, d/o Shri Bakhshish Singh, c/o
SCO No. 8-9, Sector 17-B, Chandigarh.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

* (3) Shri Kailash Chander, Sole Proprietor, M/s
Northern India Chemical Industries, Industrial
Area, Chandigarh.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 31st January 1975

Ref. No. CHD/167/74-75—Whereas, I G. P. Singh,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-
tion Range, Chandigarh,
being the competent authority
under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 665, Industrial Area, situated at Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Chandigarh in August, 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

THE SCHEDULE

1/2 share in Industrial Incomplete building No. 665,
Industrial Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 493
of August, 1974 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

(1) Shri Sham Kumar Gupta, 1685-86, Sector 22-B,
Chandigarh.
(Transferor)

Date : 31-3-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th January 1975

Ref. No. CHD/237/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 244 Sector 19-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Murari Lal,
(ii) Shri Ram Kumar Bansal,
Sons of Shri Charnji Lal,
Show Room No. 24, Sector 7-C, Chandigarh.
(Transferor)

- (2) Shrimati Koshalya Devi W/o Shri Sita Ram, S.C.O. 34, Sector 18-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 244 Sector 19,A, Chandigarh. Area 618.75 sq. yds.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 28-1-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Hassanand S/o Shri Vidhomal Muslim Mochi Mohalla, Ajmer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR.

Jaipur, the 7th February 1975

Ref. No. A-4/74(14)209/4.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here in after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. VII/142 situated at Ajmer, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 19-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (i) Lachmi Bai w/o Shri Ram Chand (iii) Shri Ram Chand S/o Shri Harpal Das Muslim Mochi, Mohalla, Ajmer, 1. M/s. Thakurmal Natharmal 2. M/s. Dayaldas Natharmal, 3. M/s. Parmanand Krishnanchand, 4. M/s. Bhagavmal Moolchand, 5. M/s. Dhananmal Kiyaldas, House No. AMC VII/142 Mochi Mohalla, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of House No. AMC VII/142 situated in Muslim Mochi Mohalla Known as Sant Nam Dev Mohalla, Ajmer.

V. P. Mittal
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 7-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajeshri Oil Mills, Out-side Majeswadi Gate, Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ganesh Oil Mills, Out-side Majewadi Gate, Junagadh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 7th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-251(137)/11-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 142, 143, & 144, Ward-No. I situated at Out-side Majewadi Gate, Junagadh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 8-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of an open plot of land admeasuring 2682.02 sq. yds. with oil mill having office rooms, Godown, store-rooms, etc. and bearing Plot No. 142, 143 & 144 and situated at Ward-I, Oil Mill Area (Industrial area), out-side Majewadi Gate, Junagadh.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 7-2-1975.
Seal:

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1975

Ref. No. 10—D/Acq—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/39 situated at Hathi Gali, Bibi Haliga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Somam Rai and Others.

(Transferor)

(2) Shri Dasrath Seth and Others.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 1021 sft. which is situated at Hathi Gali, Bibi Hatia in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 30-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 31st January 1975

Ref. No. 26—K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74/4 situated at Vijai Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 19-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Deen Dayal.

(Transferor)

(2) Shri Keshar Singh and Others.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 3741 sft. which is situated at Vijai Nagar in Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 31-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Natvarlal Vanmalidas Thakkar,
Opp. Punit Ashram, Maninagar,
Ahmedabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shardaben Natvarlal Thakkar,
Opp. Punit Ashram, Maninagar,
Ahmedabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-262(136)/-1/74-75.—Whereas, I J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Sub-Plot No. 1-5, F.P. No. 102, situated at Maninagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A three-storeyed building standing on land admeasuring 317 sq. yds. bearing Sub-plot No. 1-5, Final Plot No. 102 and situated opposite Punit Ashram, Maninagar Town Planning Scheme, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sub-Plot No. 4.
West : Property of Shri Chimanlal Mangaldas.
North : 30 ft. wide Road.
South : Sub-Plot No. 6.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

- (4) Dr. Prakash Deshpande, H. No. 3-6145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1975

Ref. No. RAC. No. 107/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-145/4/A situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on 15-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hussaini Begum, R/o 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri G. Mahipal Reddy, H.No. 3-6-573, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Double storied building No. 3-6-145/4/A, Himayatnagar, Hyderabad.

Area : 114 sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 12-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Bhagwandas Gajjanmal Vaiani
Gopipura, Kaji Medan, Kanku Mansion, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1975

Ref. No. PR. 183/Acq. 23-343/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 348—Muni. Ward No. 13 Plot No. 26 situated at Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Surat on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Harakchand Maganlal Shah,
Galemandi Gol-sheri, Surat,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 348 Paiki Municipal Ward No. 13 (R. Sur. No. 30-2 Paiki) Plot No. 26 (T.P.S. No. 5—F.P. No. 576) admeasuring 938 sq. yds, situated at Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 2540 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 4-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 5th February 1975

Ref. No. PR. 184/Acq. 23-268/7-4/74-75.—Whereas I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. Sur. No. 619-1, 620 C.S. No. 4-5 Tika No. 21 Paiki Mun. H. No. 389F Ward-9, Plot No. 19 situated at Poorna Society, Station Road, Navsari, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Navsari on 15-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harivadanbhai Manilal Thakor,
Jemini Flats, Duffnala, Shahibaug, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) (1) S/Sri Rambhai Nathubhai Patel,

(2) Dahyabhai Nathubhai Patel, through V. K. Rambhai N. Patel,
19, Poorna Society, Station Road, Navsari,
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing R. Sur. No. 619-1, 620, C.S. No. 4-5 Tika No. 21 Paiki Mun. H. No. 389F in Mun. Ward No. 5 Plot No. 19, situated at Poorna Society, Station Road, Navsari admeasuring 5250 sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 835 of July 1974 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 5-2-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vallabhbhai Chhaganlal Patel,
Mohiderpura, Limbu Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009- (2) S/Shri (1) Abbashussein Mohmadbhai Bhorania
(2) Gulamhussein Mohmadbhai Bhorania
(3) Abdulrahim Mohmadbhai Bhorania
(4) Peermohmed Mohmadbhai Bhorania
(5) Abdulkadar Mohmadbhai Bhorania
(6) Ismailbhai Mohmadbhai Bhorania
Salabatpura, Momnawad, Surat.

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 7th February 1975

Ref. No. PR. 185/Acq. 23-261/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2396-Mun. Ward No. 4 situated at Momnawad, Salabatpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on 26-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Nondh No. 2396 in Municipal Ward No. 4 admeasuring 198 sq. yds. situated at Momnawad, Salabatpura, Surat as mentioned in the registered deed No. 2888 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 7-2-1975
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1975

Ref. No. PR. 186/Acq. 23-265/19-7/74-75.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 228 Paiki Randar, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereby), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Skyline Lands Corporation through Partner, Shri Thakorbbhai Jerambhai Mistry Surat.
(Transferor)

- (2) Shilpi Co-operative Housing Society Ltd.,
Rander—Surat—through
President : Ravjibhai Ranchhodbhai Chavda
Secretary : Haribhai Shamjibhai Parmar—Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing survey No. 228 Paiki admeasuring 8792 sq yds. situated at Rander, Tal Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 2587 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1975

Ref. No. PR. 187/Acq. 23-278/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 304/1 and 305/1 Paiki Muni No. 623A situated at Manck Lal Road, Navsari, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawani on 16-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Hindustan Bobbin & Spools Mfg. Co. Baroda through partner—Bhanubhai Chhotabhai Patel, and also as power of attorney to Lalchandra Mangabhai Patel
Bhupendra Maganbhai Patel
Shambhubhai Chhotabhai Patel Hirubhai P. Patel
Rameshbhai Chhotabhai Patel
Kantibhai C. Patel

Chitranganj Ambalal Patel
Mahendrabhai C. Patel
Natubhai Parsottamdas Patel
Chimanbhai Parsottamdas Patel
Harshadbhai Parsottamdas Patel

(Transferor)

- (2) (1) Navroji Sorabji Tamboli
(2) Smt. Naju Navroji Tamboli
(3) Tehmurusp Sorabji Tamboli
(4) Smt. Perin Tehmurusp Tamboli.

(Transferee)

- (3) Principal Officer,
Ahmedabad Advance Mills Co. Ltd., Navsari.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Sur. No. 304 Hissa-1 Paiki and Sur. No. 305 Hissa-1 Paiki Mun. No. 623/A total area admeasuring 19224 sq. ft. (i.e. 1785-97 37 sq. ms.) with all fittings, fixtures & trees etc.) situated Mancklal Road, Navsari Dist. Bulsar, as mentioned in the registered deed No. 840 of July 1974 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 10th February 1975
Seal :

FORM ITNS—

- (2) (1) Rameshchandra Ambalal Modi
 (2) Ishwarlal Thakardas Kapandia
 Jayantilal Thakordas
 (4) Chandrakant Jagmohandas Chhatiwala—Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th February 1975

Ref. No. PR. 188/Acq. 23-259/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2939—A-1-A-2-A situated at Mahatma Wadi, near Shiddi Sheri, Salabatpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 9-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dhansukhlal Farasram Khatri,
 Salabatpura sidhi Sheri, Surat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building bearing Nondh No. 2939-A-1-A-2-A admeasuring 185 sq yds. situated at the corner of Shiddi Street, Mahatma Wadi, Salabatpura, Surat, as mentioned in the registered deed No. 2609 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax Acquisition Range-II,
 Ahmedabad.

Date : 11-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th February 1975

Ref. No. PR. 189/Acq. 23-344/19-7/74-75.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 3161-1-A-T.P.S. No. 4 Plot No. 203 Mun. Ward No. 15 situated at Varachha Road, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Raipur at Surat on 29-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Gamanlal Vijubhai Saraiya,
Bhavaniwad, Surat.

(Transferor)

- (2) Smt. Meenaxiben Jayantilal Gandhi,
Navapura, Ghanchi Sheri, Surat
Vadilal B. Shah—Khand-bazar, Navagam, Surat.

(Transferee)

(4) Confirming parties—

- (1) Narendrabhai Dahyabhai Patel
- (2) Jagdishchandra Mansukhlal Chokshi
- (3) Babubhai Mulchanddas Modi,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing old Sur. No. 361-1-A in Muni. Ward No. 15 T.P.S. No. 4 Plot No. 203 admeasuring 847 sq. yds. situated at (Katargam) Varachha Road, Surat as mentioned in the registered deed No. 2824 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 11-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1975

Ref. No. Ac-116/R-V/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-126, 127 and 128 situated at Banaras Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kumar Engineering Works (P) Ltd.
P-52, Banaras Road, Lilloah, Howrah.
(Transferor)

(2) Shrimati Mohini Debi,
P-6, Dalimtolla Lane, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring more or less one bigha ten cottahs and five sq. ft. of land at P-126, 127 and 128, Banaras Road, Belgachia, Howrah which was registered in Registrar of Assurance, Calcutta under Deed No. 4250 of 1974.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V,
54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mary Mathene Palamatom, Chevayur, Calicut-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Society of the Presentation Sisters, Chevaqur, Calicut (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. LC 25/74-75.—Whereas, I, T. B. SWAMINATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 48/7, 48/8, 48/1D and 48/10 situated at Nellikode Amsom in Kozhikode Taluk in Calicut District

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chevayur on 11-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 acres 8 cents of land with Building in Sy. Nos. 48/7, 48/1D, 48/8 and 48/10 in Nellikode Amsom in Kozhikode Taluk in Calicut District.

T. B. SWAMINATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 4-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vinodrai Dhirajlal,
Administrator of
M/s. Jeyco Textile Dying and Printing Works,
Jethpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-267(133)/11-2/74-75.—Whereas, I,
J. KATHURIA

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeds Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 36, Plot Nos. 5, 6 and 7 situated at Junagadh
Veraval Road, Near Nur Building, Keshod District; Juna-
gadh (and more fully described in the Schedule annexed here-
to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Keshod on 15-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Vakil Jayanand Vakhatchand Doshi.
- (2) Vakil Shashikant Mohanlal Chhaya, Mangrol.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5733 sq. Gaj bearing
Survey No. 36, Plot No. 5, 6 and 7 situated at Junagadh-
Veraval Road, Near Nur building Keshod, District : Junagadh
and bounded as under :—

East : Government land.
West : Plot No. 8.
North : 15 ft. wide Road,
South : Space of Nur Manjil.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 4-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-432(141)/1-1/74-75.—Whereas, I,
J. KATHURIA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 100, T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

For and on behalf of Vijay Corporation—Partners—

- A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power of Attorney Holder of
 - (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,
 - (3) Manubhai Jindas Mehta,
 - (4) Prabodhchandra Nathalal,
 - (5) Padmaben Ratilal,
 - (6) Kalawati Bhogilal Mehta,
 - (7) Asutosh Vimalshanker Shastri,
 - (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,
 - (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
 - (10) Babubhai Bhogilal,
 - (11) Dilipkumar Chandulal Patel
 - (12) Padma Kundanlal Shah,
- Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmedabad.

- B. (1) Ashokkumar Shantilal for self and as a power of Attorney Holder of—
 - (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,
 - (3) Manubhai Jindas Mehta,
 - (4) Prabodhchandra Nathalal,
 - (5) Kalawati Bhogilal,
 - (6) Asutosh Vimalshanker Shastri,
 - (7) Janakumar Ghelabhai Shah,
 - (8) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
 - (9) Babubhai Bhogilal,
 - (10) Dilipkumar Chandulal Patel,
 - (11) Padma Kundanlal Shah,
- Giandcep Society, Dhumketu Marg, Paldi
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Lilaben Vishnuprasad Patel,
 - (2) Smt. Kokilaben Mahendrakumar,
- 596, Moto-vas, Nava-Wadej, Ahmedabad-13.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on the front side on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100, T.P. Scheme No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur, (Navrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 15-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-433(142)/1-1/74-75.—Whereas, I.
J. KATHURIA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 100 T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

For and on behalf of Vijay Corporation—Partners—

- A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power of Attorney Holder of
- (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta.
- (3) Manubhai Jindas Mehta,
- (4) Prabodhchandra Nathalal.

- (5) Padmaben Ratilal,
- (6) Kalawati Bhogilal Mehta.
- (7) Asutosh Vimalshanker Shastri,
- (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,
- (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
- (10) Babubhai Bhogilal,
- (11) Dilipkumar Chandulal Patel,
- (12) Padma Kundanlal Shah,

Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmedabad.

B. (1) Ashokkumar Shantilal for self and as a power of Attorney Holder of—

- (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,
- (2) Manubhai Jindas Mehta,
- (4) Prabodhchandra Nathalal,
- (5) Kalawati Bhogilal,
- (6) Asutosh Vimalshanker Shastri.
- (7) Janakkumar Ghelabhai Shah,
- (8) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
- (9) Babubhai Bhogilal,
- (10) Dilipkumar Chandulal Patel,
- (11) Padma Kundanlal Shah,
- Giandeep Society, Dhumketu Marg, Paldi
- Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Natwarlal Patel,
596, Moto-vas, Nava-Wadej, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; /

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 57 on the back-side on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100, T.P. Scheme No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur, (Navrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 15-2-1975

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1975

Ref. No. Acq. 23-L-434(143)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 100, T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- For and on behalf of Vijay Corporation—Partners—
- A. (1) Laxmilal Nathalal Somani, for self and as a Power of Attorney Holder of
 - (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta.
 - (3) Manubhai Jindas Mehta.
 - (4) Prabodhchandra Nathalal,
 - (5) Padmaben Ratilal,
 - (6) Kalawati Bhogilal Mehta.
 - (7) Asutosh Vimalshanker Shastri,
 - (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,

- (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
 - (10) Babubhai Bhogilal,
 - (11) Dilipkumar Chandulal Patel,
 - (12) Padma Kundanlal Shah,
- Chhotalal Chawal, Out-side Delhi Darwaja, Ahmedabad.
- B. (1) Ashokkumar Shantilal for self and as a power of Attorney Holder of—
 - (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,
 - (2) Manubhai Jindas Mehta,
 - (4) Prabodhchandra Nathalal,
 - (5) Kalawati Bhogilal,
 - (6) Asutosh Vimalshanker Shastri,
 - (7) Janakkumar Ghelabhai Shah,
 - (8) Sudhirkumar Shantilal Mehta,
 - (9) Babubhai Bhogilal,
 - (10) Dilipkumar Chandulal Patel,
 - (11) Padma Kundanlal Shah,
- Giandeep Society, Dhumketu Marg, Paldi
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Maniben Chhaganlal Patel,
Wife of Ambalal Gordhandas,
Nava-Wadej, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100 T.P.S. No. 3 and situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad and fully described in the sale-deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Ahmedabad.

Date : 15-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V
 AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
 BOMBAY-20

Bombay-20, the 20th February 1975

Ref. No. AR. V/117/2/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Avtar Kishan Gurudas Ramgupta,

(Transferor)

- (2) Harishchandra Diwanchand Agarwal.

(Transferee)

- (3) (1) K. G. Ramgupta.
 (2) H. D. Agarwal.
 (3) S. D. Agarwal.
 (4) V. D. Agarwal.
 [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq. yds. equivalent to approximately 785.0979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. III Chembur together with the building constructed thereon and situate at the 4th Road, Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the East by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

J. M. MEHRA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax, Acquisition Range-V,
 Bombay.

Date : 20-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pravinkumar Gurudas Ramgupta.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Shri Vipanchander Diwanchand Agarwal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) (1) Kewal Krishan Gurudas Ramgupta.
(2) H. D. Agarwal.
(3) S. D. Agarwal.
(4) V. D. Agarwal.
[Person in occupation of the property].OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Bombay-20, the 20th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. AR. V/116/1/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred as 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq yds. equivalent to approximately 785.9979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. III Chembur together with the building constructed thereon and situate at the 4th Road, Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the East by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 20-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
 AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
 BOMBAY-20

Bombay, the 20th February 1975

Ref. No. AR. V/118/3/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, at Bombay on 2-7-1974 being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 164 of S.S. No. III situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Baldev Kishan Gurudas Ramgupta, (Transferor)
- (2) Shri Satispal Diwanchand Agarwal. (Transferee)
- (3) (1) K. G. Ramgupta,
 (2) H. D. Agarwal,
 (3) S. D. Agarwal,
 (4) V. D. Agarwal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 939 sq. yds. equivalent to approximately 785.0979 sq. metres or thereabouts bearing plot No. 164 of Suburban Scheme No. III Chembur together with the building constructed thereon and situate at the 4th Road, Chembur in Greater Bombay and bearing Municipal No. M Ward No. 732 in the former Registration Sub-District of Bandra, former District of Bombay Suburban and now in the Registration District of Bombay and bounded as follows i.e. on or towards the East by Plot No. 207 of the said Scheme on or towards the West by the said 4th Road, on or towards the South by the Plot No. 163 of the said Scheme and on or towards the North by Plot No. 165 of the Scheme.

J. M. MEHRA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax, Acquisition Range-V,
 Bombay.

Date : 20-2-1975

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 18th February 1975

Ref. No. ARI/876-6/Jul/74.—Whereas, I, R.G. Nerurkar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 615 of Colaba Division situated at Plot No. 104 in Block No. V of Backbay Reclamation Scheme

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 26-7-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I,

hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vazifdar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jai Cuffe Parade Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

(3) Tenants. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Government Leasehold land or ground admeasuring 2000 sq. metres or thereabouts bearing Plot No. 104 (formerly known as Plot No. 157) in Block No. V of Back Bay Reclamation Scheme of the Government of Maharashtra, in the registration District and Sub-District of Bombay, bearing Cadastral Survey of 615 of Colaba Division, together with the building and structures known as 'PALM SPRINGS' standing thereon and bearing Municipal 'A' Ward No. 225(43) Street No. 157 Cuffe Parade and bounded as follows : i.e. to say : On or towards the EAST by 220 feet wide main road, On or towards the WEST by Plot No. 117 of the said Scheme, On or towards the NORTH by a 20 feet wide lane and On or towards the SOUTH by plot No. 103 of the said Scheme.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of
Income-tax, Acquisition
Range-I, Bombay.

Date : 18-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Jai Cuffe Parade Co-Operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

(3) Tenants. [Person in occupation of the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-20, the 18th February 1975

Ref. No. ARI/576-6/Jul/74.—Whereas, I, R. G. Nerurkar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 615 of Colaba Division situated at Plot No. 104 in Block No. V of Backbay Reclamation Scheme (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 26-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece or parcel of Government Leasehold land or ground admeasuring 2000 sq. metres or thereabouts bearing Plot No. 104 (formerly known as Plot No. 157) in Block No. V of Back Bay Reclamation Scheme of the Government of Maharashtra, in the registration District and Sub-District of Bombay, bearing Cadastral Survey of 615 of Colaba Division, together with the building and structures known as 'PALM SPRINGS' standing thereon and bearing Municipal 'A' Ward No. 225(43) Street No. 157 Cuffe Parade and bounded as follows : i.e. to say : On or towards the EAST by 220 feet wide main road. On or towards the WEST by Plot No. 117 of the Said Scheme. On or towards the NORTH by a 20 feet wide lane and On or towards the SOUTH by plot No. 103 of the said Scheme.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vazifdar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 18-2-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Kopuri Gangadhararao S/o. Nageswararao,
Kothapeta, Vijayawada-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 153 J. No. J(252)/KR/74-75.—
Whereas, I, K. SUBBARAO,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 9-65-43 situated at Sykamvari Street Vijayawada,
(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer
at Vijayawada on 31-7-74,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and /
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Puppala Kanakalah, S/o. Chandrayya
Kothapeta, Sykamvari Street, Vijayawada.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayawada Sub-Registration—Vijayawada
Municipality—Vijayawada Town—Kothapeta Sykamvari Street
Revenue Ward No. 10—New Ward No. 10—Block No. 4—
NTS 216—Asst. No. 5773—Door No. 9-65-43—190 sq.
yards—Site with building.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 18-2-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th February 1975

Ref. No. J. Nos. 1(88, 90 & 91) Acq. File No. 152/74-75.
—Whereas, I, K. SUBBARAO,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 27-19-6 & 17-19-14, situated at Bowdava Road, Market
area, Vizag,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Visakhapatnam on 31-7-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

(1) Shri P. V. Rangarao, Land Lord,
Panganamalavari Street,
Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri Konathala Thata Apparao,
Partner Sri Satyanarayana & Co.,
Anakapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Municipality, Visa-
khapatnam Town, Market ward Block No. V, T.S. No. 137,
Asst. No. 10/25, Door Nos. 27-19-6 and 27-19-4, Site with
building.

Boundaries

East : Compound wall of Navarang Hall and part of the
building of this property.
South : Open site with trees etc.
West : Site.
North : Road site 30 ft.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 18-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 20th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-421(144)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, F.P. No. 490 of T.P.S. No. 3, situated at Changispur (Mithakhali), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 25-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

- (1) 1. Shri Naushir Sohrab Medora,
- 2. Shri Feroz Sohrab Medora,
- 3. Shri Rasid Sohrab Medora,
- 4. Shri Rusi alias Rustom Sohrab Medora, through Power of Attorney Holder, Shri Rasid Sohrab Medora, Jemsy Villa, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferors)

- (2) Neptune Tower Shopping Centre Owners' Association, Kalyan Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as "Jemsy Villa", consisting of a bungalow out-houses, garage, etc., standing on land measuring 1 Acre, 25 Gunthas, 14 Aani, and 8 Pratiyani i.e. 7974 sq. yards, bearing Final Plot No. 490, of T.P.S. No. 3, and situated at Changispur (Mithakhali), Ahmedabad and bounded as under :—

East : Road.

West : Road.

North : Final Plot No. 489.

South : Final Plot Nos. 491 & 492.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 20-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 17-6/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-31/52 situated at Gali Ganesh Chanwariya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 23-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bal Gōvind Dass & others. (Transferor).
- (2) Shri Ganesh Prasad & others. (Transferee).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 1406 sft. which is situated at Moh.: Gali Ganesh Chanwariya Mutasil Bhairon Nath Kalkoop Dandpari in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1975

(Seal) :

FORM ITNS—

(2) Shri Vidya Prakash. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANG, ELUCKNOW

Lucknow, the 18th February 1975

Ref. No. 11-V/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17 situated at Gokhale Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 27-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Udayjeet Prakash. (Transferor).

34—26 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building bearing No. 17 and measuring 35,000 sq. ft. which is situated at Gokhale Marg in Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-2-1975

(Seal) :

FORM ITNS ———

(1) Shrimati P. Bangaramma. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sri K. P. Kumar S/o Late Sri K. V. Sastry,
Chartered Accountant, Soudamani,
Visakhapatnam-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 17th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 151 J. No. (87)VSP/74-75.—
Whereas, I K. Subbarao
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 14-38-2 situated at Muppidi Colony Visakhapatnam
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
as per deed registered

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in
the office of the Registering Officer at
Visakhapatnam on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Sub-Registrar—Visakhapat-
nam Municipality Visakhapatnam Town—Opposite to
St. Joseph's Nursing Home—T.S. No. 138—Plot No.
5—Maharanipeta ward—Site No. 5—Block No. 4—
Door No. 14-38-2.

BOUNDRIES

North : Municipal Road
East : Site No. 6
West : Site No. 4,
South : Site Nos. 13 and 14.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 17-2-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla Devi Tandon & others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Indrajeet Singh & others. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 6-1/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. ——— situated at Mohalla Khalil Gali Bodinayakkampatti village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahjahanpur on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with land which is situated at Mohalla—Khalil Gali in Distt. Shahjahanpur.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1975
(Seal) :

FORM ITNS—

(1) Shri Nain Singh. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Prakash & others. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 50-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-B-22 situated at Kiratpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najibabad on 3-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 16,000 sft. which is situated at, Kiratpur in Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1975

(Seal) :

FORM ITNS—

(i) Shri Radha Krishan Tandon & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mool Narain Malhotra & others. (Transferee).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 43-M/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. O-44/187 situated at Ramapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house which is situated at Ramapura in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1975

(Seal) :

FORM ITNS—

(2) Shri Abdul Waheed & others. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1975

Ref. No. 34-A/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-43/1 & D-43/2 situated at Sadanand Bazar Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Assurances, Calcutta on 27-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joshit Kumar Mukherjee & others. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two houses which are situated at Bazar Sadanand in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Cyriac. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 13C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Bhojibir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Varanasi on 19-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 7-28 with iron gate situated at Bhojibir, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range(Lucknow.

Date : 13-2-1975

(Seal) :

(1) Smt. Rukmani Bai. (Transferor),

FORM ITNS—

(2) Shri Cyriac. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 13-C/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. — situated at Bhojbir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Varanasi on 19-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmani Bai. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 11-72 Biswas with a well & Reservoir situated at Bhojibir Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1975

(Seal) ;

FORM ITNS—

(2) Shri Cyriac, (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 13-C/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-2/215 situated at Mohalla Bhojibir Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A three storeyed house No. S-2/215 constructed over Land measuring 5-21 Biswas having big open Land situated at Bhojibir Varanasi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow,

(1) Smt. Rukmani Bai, (Transferor),
35—26GI/75

Date : 13-2-75

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Basudeo and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 32-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Barhni Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naugarh on 6-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ch. Chandra Pratap & others.

(Transferor)

Date : 13-2-1975.

Seal :

THE SCHEDULE

One house measuring 16,000 sq. ft. which is situated at Barhni Bazar in Distt. Basti,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 44-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-5/51 situated at Avadh Garh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bachchan Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Malina Rai.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house which is situated at Avadh Garh in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 13-2-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mool Chandra Khatri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Narain Trivedi and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 24-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Khanjanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hardoi on 22-7-1974, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

One house measuring (105'×35') which is situated at Mohalla Khanjanpur in Hardoi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ram Chandra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanhku Seth & others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 13th February 1975

Ref No. 7-N/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kerakat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kerakat on 26-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Building measuring (10'×26½') which is situated at Kerakat in Distt. Jainpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 13-2-1975.

Seal :

FORM IINS—

(2) Laxman Swaroop Garg & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Ref. No. 9-L/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Devipura ((and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balandshahr on 29-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 200 sqr. yds. which is situated at Mohalla Devipura, in Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

(1) Shri Har Swaroop.

(Transferor)

Date : 13-2-1975.

Seal : '

FORM TINS—

(1) Shri Radhey Shyam Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Phool Raji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 25-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter refer-
red to as the 'Said Act', have reason
to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
311/28, 27/77, 36/39 etc. situated at Distt. Jaunpur,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering officer at
Kerakat on 6-7-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

A house along with agricultural land measuring 7.13 Acres
situated at Jaunpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 13-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jafar Jabir & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brahmddeo Misra & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 15th February 1975

Ref. No. 33-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 129/8, situated at Wala Qadar Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Masooma Ali Manzil No. 129/8 situated at Wala Qadar Road, Lucknow with Land & servants' Quarters.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 15-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gajraj Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurmeet Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 18th January 1975

Ref. No. 15-G/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 126, situated at Sikali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tilhar on 2-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 25.35 Acres which is situated at Village Sikali in Distt. Shahjahanpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-1-1975.

Seal :

Form ITNS

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd.
16/A Altamount Road,
Bombay-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAWAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

(2) M/s. Super Builders,
223, Arun Chambers, Tardeo,
Bombay-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 19th February 1975

Ref No. AP.202/IAC.AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 142/2/A.S. No. 142, situated at Ambivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that parcel of land situate and lying in the village Ambivli in the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban admeasuring 4013 Sq. metres bearing Plot No. 132/2/A and Survey No. 142.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 19-2-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd.
16/A Altamount Road,
Bombay-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAWAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

(2) M/s. Super Builders,
223, Arun Chambers, Tardeo,
Bombay-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Bombay, the 19th February 1975

Ref. No. AP.201/IAC.AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 142/2/B.S. No. 142, situated at Ambivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

All that pieces or parcel of land situate inlyng in Ambivli in the Registration sub-District and District Bombay City and Suburban bearing S. No. 142/2/B admeasuring 4353 Square Metres.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 19-2-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B
Chandigarh, the 25th February 1975

Ref. No. CHD/143/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. 57 58 59 Sector 17-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ranjit Singh S/o Shri Gajan Singh
(2) Mrs. Pushpinder Kaur W/o Shri Ranjit Singh
(3) Shri Avinash Singh
(4) Shri Harinder Singh Sons of Shri Ranjit Singh Residents of House No. 102, Sector 9-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Om Parkash Gupta
(2) Shri Sham Kumar Gupta Sons of Late Shri Ramjiwan Dass
(3) Smt. Gita Devi W/o Shri Om Parkash Gupta
(4) Smt. Sarla Devi W/o Sham Kumar C/o Shop No. 32, Sector 22-D, Chandigarh
(5) Shri Prem Sagar Aggarwal
(6) Gian Parkash Aggarwal
(7) Bal Krishan Aggarwal Sons of Shri Ram Bhaj
(8) Usha Aggarwal W/o Shri Prem Sagar
(9) Saroj Kumari Aggarwal W/o Gian Parkash Aggarwal

- (10) Darshani Devi W/o Bal Krishan Aggarwal C/o Booth No. 32, 22-D, CHI
- (11) Shri Sohan Singh S/o Shri Sher Singh
- (12) Mohan Singh S/o Shri Sher Singh
- (13) Gurmail Singh S/o Narain Singh
- (14) Malkiat Singh S/o Sohan Singh
- (15) Gian Kaur W/o Mohan Singh
- (16) Bachan Kaur W/o Sohan Singh
- (17) Sukhdev Singh S/o Mohan Singh Residents of SCO No. 1001-1003, Sector 22-B, Chandigarh.
(Transferee)

- * (3) (1) National Tailors Prop. Shri Labh Singh
(2) New Kuldip Tailors
(3) Harbans Singh and Sons
(4) Bedi Saree Centre
(5) Sangam Print
(6) Maksood and Hem Raj
(7) Modern Tailors
(8) Kashmir Products
(9) Fruit House Prop Mani Parkash
(10) Fashion Emporium Prop Harbhajan Singh
(11) Fancy Chappal House Prop Bhagwan Dass Sethi and
(12) Amarsons Tailors Prop Mangat Ram.
[Person in occupation of the property].

- * (4) (1) Parminder Singh
(2) Uttam Kaur
(3) Harbhajan Singh
(4) Jatinder Kaur
(5) Dr. Kulwant Singh
(6) Ajmer Kaur
(7) Jashmer Singh
(8) Sarjit Kaur
(9) Kuldip Singh
(10) Gurbachan Kaur
A 11 through S. Parminder Singh, 1001-1003, Sector 22B-Chandigarh

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 57 58 59 Sector 17-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 25-2-1975

Seal :

*Strike of where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 14th February 1975

Ref. No. CHD/176/74-75.—Whereas, I. G. P. SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and, bearing Plot No. 6, Sector 9-B, R.P. 286, measuring 3415 sq. yds. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Mrs. Rajni Kapur Wd/o Lt. Col. J. C. Kapur

(2) Shri Vijay Kapur S/o Late Lt. Col. J. C. Kapur

(3) Mrs. Rajani Rana Wo/ Shri Netra Rana

(4) Shri Ajai Kapur S/o Late Lt. Col. J. C. Kapur for himself and attorney of all, R/o G-9, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Dr. Naginder Singh Dhillon S/o Shri Kehar Singh Dhillon, through Shri Devinder Singh Grewal, Grewal Lodge, Gil Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Sector 9-B, R.P. No. 286 measuring 1415 sq. yds.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 14-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Estates & Agency Co. Ltd.,
Ritz Buildings, Coonoor-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Non-such Tea Estates Ltd.,
Ritz Buildings, Coonoor-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. 2233/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at High Forest Estate, Prospect Estate, etc. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at J.S.R.O. I, Coimbatore on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

6838.98 acres of forest and plantation including staff quarters and workers quarters in The High Forest Estate, Prospect Estate, Stanley Estate, Pykara Falls Estate, Greenway Estate, Ossington Estate, Riverside Estate, Liddellsdale Estate, Bellevue Estate, Seaforth Estate, Yellamallay Estate, Sambar Estate, Panther Estate and Lower Estate. (Document No. 2529)

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-2-75

Seal :

FORM ITNS—

(2) (1) Smt. P. S. M. Balkees Beevi,
W/o Shri T. M. Abdul Hassan,
No. 37, Nooriya St., Koothanallur Tanjore Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. F. 1274/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having in fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Masilamani Mudali St. T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras on July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. M. Subbaravamma
(2) Shri B. Subbiah
(3) Shri G. Ranga Rao and
(4) Shri B. Rangaiah
No. 193, N.S.C. Bose Road, Madras-1.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) situated at Door No. 4, Masilamani Mudali Street, T. Nagar Madras (Survey No. 114/8—3 Grounds & 1935 Sft.)

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 25-2-1975
Seal :

FORM ITNS-----

(2) Shri N. Muthalagappa Chettiar,
No. 321, Oppanakara Street, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 25th February 1975

Ref. No. 2251/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 8/1363-1364 situated at Ramalingam Ramadas Lay out, Near Mettupalayam Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.O. III, Coimbatore on July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Lakshmanan, ,
S/o Shri Rengasami
No. 73 Tatabad 11th St, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 cents and 224½ Sft. (with building) and bearing T.S. No. 8/1363—1364 situated at ... Ramalingam Ramadas Lay out near Mettupalayam Road, Coimbatore.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 25-2-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Vinayak Ramchandra Dhere, 45, Shivaji Housing Society, Poona-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100-B, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA : 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I July'74/175/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. P. No. 17-A, Sub Plot No. 4, T.P.S. No. 1, situated at Karve Road, Poona-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the registering officer at Haveli-I, Poona on 12-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

37—26 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 17-A, Sub Plot No. 4, T.P.S. No. 1, Karve Road, Poona-4.

Area : 1/4th of 7329 Sq. ft.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Poona

Date : 20-2-1975.

Seal :

FORM INTS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd February 1975

Ref. No. RAC No. 110/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-94 situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kambhampati Subba Lakshmmi, W/o Sri K. V. Subbrao, residing at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohammed Ali Arsiwala S/o Akbar Ali Arsiwala, represented by his father and guardian Sri Akbar Ali Arsiwala, R/o 1-1-530 Golconda Cross Roads, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Double storied building bearing Municipal No. 1-8-94 situated at Chikkadpally, Hyderabad, measuring 200 Sq. Yards.

East—Road.

West—Neighbours property.

North—Road.

South—Neighbours property.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 22-2-1975,

Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Kamala Chawrasia, 81-B, Shyama
Prosad Mukherjee Road, Calcutta,
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-III, CALCUTTA.**

Calcutta, the 20th February 1975

Ref. No. Acq. 118/R-V/74-75/Cal/137-138.--
Whereas, I L. K. Balasubramanian

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67, situated at Deshpriya Shasmal Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Calcutta on 6-7-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said act to the follow-
persons, namely :—

(1) Shri Santosh Kumar Mitra, 34/1, Elgin Road,
Calcutta.

(Transferor)

. Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 4 cottahs
15 chittacks 20 sq. ft. more or less at premises No. 67,
Deshpriya Shasmal Road, P.S. Tollygunge, Calcutta as
per deed No. 1-4014 of 1974 registered before the
Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 20-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishnaji Ramchandra Kosti, 16, Can-naught Road, Poona-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA : 411004.(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No.
47, Plot No. 100, Sindhu Baug, Tilak Road,
Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-II/July '74/177/74-75.—
Whereas, I H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 2, T.P.S.I., situated at
Karve Road, Poona-4
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Haveli-II, Poona on 8-7-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said Instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Freehold F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 2, T.P.S.I.,
Karve Road, Erandawana, Poona-4.
Area : 1/4th of 7329 Sq. ft.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-60/61,
Erandawana Karve Road, Poona-411004.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 20-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinayak Ramchandra Dhere, 45, Shivaji Housing Society, Poona-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100-B, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA : 411004.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I/July '74/174/74-75.—
Whereas, I H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 3, T.P.S.I. situated at
Karve Road, Poona-4
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the registering officer at
Haveli-I, Poona on 12-7-74
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid, exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen percent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, or the said
act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 17-A, Sub Plot No. 3, T.P.S.I. Karve Road,
Poona-4.

Area : 1/4th of 7329 sq. ft.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-2-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 113/74-75.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 6-2-913, 914 situated at Khairtabad

Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled an-
nexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on 18-7-1974,for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said in-
strument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—(1) Shri Sri A. Rangalah, alias, A. Rangareddy,
House No. 5-1-885, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. V. Subbarao, Advocate, Khammam.
2. Sri B. Radhakrishna Advocate, Khammam.
3. Sri Pendyala Krishnamurthy, S/o Sheshadri
Rao, Advocate, Khammam. 4. Maliseti Vardalah,
S/o Laxmiah, Business, at Khammam.

(3) Director of Civil Supply, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 1/2 portion of the property of "YAWAR
MANZIL" building M. No. 6-2-913, and 6-2-914, at
Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri S. Gyan Chand Jain, (Alias) Ramlal, S/o Late Surajmal, residing at H. No. 15-1-472, Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ugma Bai, W/o Jodh Raj, H. No. 5-5-670/7 at Malakunta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) Tenent. Surender Bai, W/o Bhansilal, R/o 15-1-632 Feelkhana, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 24th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 111/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-472, 631, 632 & 633 situated at Feelkhana, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 10-7-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property: House No. 15-1-472, 15-1-631, 15-1-632, 15-1-633, at Feelkhana, Hyderabad.

East—Small Kutchah Road,
West—Tar Top Road,
South—Foot path and Road,
North—Nome Pentaiah's house.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 112/74-75.—Whereas, J. K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 6-2-913, 914 situated at Khairatabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri A. Rangaiah, alias A. Rangareddy, S/o A. Chandraiah, H. No. 5-1-874, Puti Boowli, Hyderabad. 2. Sri Chandasekhar S/o S. Bashiah, R/o Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri K. V. Subbarao, S/o Veeraiah, Advocate Khammam. 2. S. Radhakrishna S/o Narsimhaiah, Advocate, Khammam. 3. Sri Pendyala Krishna Murthy, S/o Sheshari Rao, Advocate. 4. Malishetti Vardaiah, S/o Laxmiah, Business, Khammam.

(Transferee)

- (3) The Director of Civil Supplies, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property : 1/2 half portion of the property open land Area : 3222 Sq.Yd. with double storied building "YAWAR MANZIL" No. 6-2-913 and 6-2-914, at Khairatabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 24-2-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) SriParsi Butchiah, S/o Sambiah, (Late) H. No. 4-2-473 and 474, at Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th February 1975

Ref. No. RAC. No. 114/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-5-506 & 507 situated at Sultanbazar, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 5-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. Endapally Narsiah, S/o late Gangiah, 2. E. Kousalya Bai, 3. E. Ashok S/o Narsiah, 4. E. Pradeep Kumar, 5. E. Venkateshwarlu, 6. E. Anand S/o Narsiah, All are residing at one place H. No. 4-5-506 Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 4-5-506 and 4-5-507 at Sultan Bazar, Opp : Badi Chowdi, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mohanlal Shamdas Narang, Building No. 47, Plot No. 100B Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA : 411004.

Poona-411004, the 20th February 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I/July '74/176/74-75.—
Whereas, I, H. S. Aulakh
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the said Act) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. F. P. No 17A, Sub Plot No. 5, T.P.S. No. 1, situat-
ed at Karve Road, Poona-4

(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Haveli-I, Poona on 12-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

- (1) Shri Vinayak Ramchandra Dhare, 45, Shivali
Housing Society, Poona-16.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 17-A, Sub Plot No. 5, T.P.S. No. 1,
Karve Road, Poona-4.
Area : 1/4th of 766.89 Sq. Mtrs.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 20-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ananthalakshmi Ammal & Shri R. S. Ramakrishnan, 32C, Solayappan St., Madras-21.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Y. Munuswamy Chetty, No. 24, Basavlian Street,
Madras-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 7th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. IX/3/61/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan,
being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 32C situated Solayappan Street, Tondiarpet, Madras-21
(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at ISR. II, Madras on July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
Act in respect of
any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) of the said Act or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said act to the
the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1 ground & 100 sq. ft.) and building at No. 32C,
Solayappan Street, Tondiarpet, Madras-21 (R.S. No. 3721/1).

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 7-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri M. Abdul Wahid and Smt. Tajul Huda Begum,
Nidur, Tanjavur Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th February 1975

Ref. No. F. IX/3/72/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318 situated at Thambu Chetty St., Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. K. Muthukumaraswamy & others, 78, 1st Cross Street, V. C. Colony, Ayanavaram, Madras-23.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (2135 sq. ft.) and building at No. 318, Thambu Chetty Street, Madras-1.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 14-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. P. Parameswari Ammal, W/o Shri N. Pichandi Mudaliar, 14, Amirthalingaswami Madam St., Vellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. XXI/15/8/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 186 & 187 situated Chunnambukara Street, Vellore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore on July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. V. S. Shanmugha Mudaliar, S. Jayachandran & S. Manivunnan, No. 187, Chunnambukara St., Vellore.

(Transferor)

Date : 15-2-75

Seal :

THE SCHEDULE

Land (4,796 sq. ft.) and building at Nos. 186 & 187, Chunnambukara Street, Vellore.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Varis Abdul Ajij Shikh, Railway Lines, Sholapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jainuddin Kabir Mulla of Degaon, Distt. Sholapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA : 411004.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Poona, the 3rd March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.A. 5/July 74/Sholapur/179/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 8286/5, Railway Lines, Sholapur situated at Sholapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 4-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 8286/5, at Sholapur.

Free-hold Old building comprising shops and residential houses at Railway Lines, Sholapur.

Area : 278.7 Sq. Mtrs.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Evershine Builders, 223 Arun Chambers,
Taradeo, Bombay-24.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 21st February 1975

Ref. No. AP. 203/IAC. AR-IV/74-75.—Whereas I, G. S. Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 142/7/B. S. No. 142 situated at Ambivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 2-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd. 16/A Altamount Road,
Cumballa Hill, Bombay-26.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land OR ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-District of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District Now in the Registration Sub-District and District Bombay City Suburban bearing No. C.T.S. number stated in the record of Rights dated 28th November 1969 according to the survey and area measurements made by the District Inspector of Land Records, Bombay, under his No. M.R. 2692(II) to admeasure 4306 square yards, i.e. 3600 square metres or thereabouts bearing Plot No. 142/7/B of Survey No. 142 of Ambivli and which premises are according to the plan attached hereto bounded as follows, that is to say, on or towards the East partly by Plot No. 143/7/B of Survey No. 143 of Ambivli, partly by end of 30' access road and partly by Sub-Station Plot, on or towards the North by Plot No. 142/7/A of Survey No. 142 of Ambivli, on or towards the West by Plot No. 142/8/B of Survey No. 142 of Ambivli and or towards the South by the Village Boundary of Versova.

G. S. RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 21-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd., 16 Altamount Road,
Cumballa Hill, Bombay-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Evershine Builders, 223 Arun Chambers,
Tardeo, Bombay-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-IV,

Bombay-20, the 21st February 1975

Ref. No. AP. 204/IAC. AR. IV/74-75.—Whereas, I G. S. Rai (hereinafter referred to as the 'said Act'), being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 143/7/B.S. No. 143 situated at Ambivli

(and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974

Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land OR ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-District of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District Now in the Registration Sub-District District Bombay City Suburban bearing No. C.T.S. number stated in the record of Rights dated 28th November 1969 according to the survey and area measurements made by the District Inspector of Land Records, Bombay, under his No. M.R. 2692(II) to admeasure 3533 square yards, i.e. 2954 square metres or thereabouts bearing Plot No. 143/7/B of Survey No. 143 of Ambivli and which premises are according to the plan attached hereto bounded as follows, that is to say, on or towards the East by Plot No. 143/6/B of Survey No. 143 of Ambivli, on or towards the North by Plot No. 143/7/A of Survey No. 143 of Ambivli, on or towards the West by plot No. 142/7/B of Survey No. 142 of Ambivli and on or towards the South by the 30' across Road.

G. S. RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 21-2-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sarabhai Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alkapuri Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/120/5/74-75.—Whereas, I J. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 104/A/1 situated at Anik Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—26GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land admeasuring 9317 sq. yds. or thereabout consisting of flat land admeasuring 4217 sq. yds. and Hilly land admeasuring 5100 sq. yds. and situate in the Village of Anik in the Taluka Kurla of the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandia in Greater Bombay and bearing Survey No. 104/A/1 Part and bounded the follows : on or towards the North by the property of the Ahmedabad Mfg. & Calico Prtg. Co. Ltd., On or towards the South by the strip of land on or towards the East by other land bearing Survey No. 104 (part) of Suhrid Geigy Trading P. Ltd. and on or towards the West by land bearing Survey No. 107 (part) and being part of the property of the Ahmedabad Mfg. & Calico Prtg. Co. Ltd. and which piece of land is shown on the plan hereto annexed and bearing thereon shown by boundary lines coloured red.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hemraj Lalji Meisheri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadanand Manjappa Soorenji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/121/6/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 S. No. 7, 8, 9 & 85 situated at Borla & Vadvali

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the measure tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Chembur in the Villages of Vandavil and Beola in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 678.12 sq. yds. equivalent to 566.99 sq. metres or thereabouts being Plot No. 26 nos known as Union Park and being part of land bearing the following numbers.

Vadvali	Survey No.	Hissa No.
"	7	3
"	8	2
"	9	4
" NA	9	6
Borala	85	6

and bounded as follows that is to say, on or towards the North by Plot No. 27 of the Union and Land and Building Society Ltd., Housing Scheme, on or towards the South by Plot No. 25 of Union and Land and Building Housing Society Ltd. Housing Scheme; on or towards the East by Jagriti Studio and on or towards the East by Road of Union and Land and Building Society Ltd. Housing Scheme.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975.

Seal:

FORM ITNS

(2) Nita Shivkumar Dalmia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR. V/123/8/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2162 sq. ft. equivalent to 200.86 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Suburban and bounded as follows :—that is to say ON or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 2137.00 sq. ft. ON or towards the SOUTH also by a portion of the said structure admeasuring 2162 square feet, ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59, and 66 and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Pratap Pragji Harlani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR. V/126/11/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1077 sq. ft. equivalent to 100.084 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay city and Bombay Suburban and bounded as follows :—that is to say ON or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land shown in brown colour on the plan hereto annexed forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66, ON or towards the NORTH also by a portion of the said structure admeasuring 1081 sq. ft. and ON or towards the SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 1077 sq. ft.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Himansu Vrajlal Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th February 1975

Ref. No. AR.V./129/14/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. Plots No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105 sq. ft. equivalent to 195.65 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan annexed hereto, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Suburban and bounded as follows :—that is to say ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land forming of the land bearing plot Nos. 53, 54, 59 and 66 On or towards the South by also by a similar strip of unbuilt land and ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.8 sq. ft. On or towards the EAST By a portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. feet.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Rajsoni S/o Lekhsani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/136/21/74-75,—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 130/3 (Pt.), 4 (Pt.) 131/1 (Pt.), 4 (Pt.), 5 (Pt.), 111 (Pt.) situated at Nahur, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 23-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT PLACE or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur, Mulund (West) in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration sub-District of Bombay and Bombay Suburban admeasuring 224 sq. yds. or 137.3 sq. metres bearing City Survey No. 550 (Part) and bounded as follows :—On the North partly by sub-divided Plot No. 8-B and partly by the sub-divided Plot No. 8-C on the South by 444 wide Development plan Road, on the West by Sub-Plot No. 8-A and on the East by Sub-plot No. 8-D.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Rev. fr. Velerian Godinho.

(Transferor)

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/140/25/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 5 situated at Kanjur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ratansi Karsondas & Others.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Industries P. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (New) of Village Kanjur Bhandup now in greater Bombay formerly in the Registration sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and admeasuring 2608.72 sq. metres or thereabouts i.e. 3120 sq. yds. being plot No. 5 of the private Layout Scheme Sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing survey No. 180 Hissa No. 5 on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plot Nos. 11 and 12 of the said scheme on the South by plot No. 6 of the said Scheme and on the North by Plot No. 4 of the said Scheme.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/141/26/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 6 situated at Kanjur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

ALL THAT piece or parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (New) of Village of Kanjur, Bhandup (Now in greater Bombay) formerly in the Registration Sub—District Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub—District of District Bombay City and Bombay Suburban and admeasuring 2586.5 sq. metres of thereabouts being Plot No. 6(six) of the private Layout Scheme sanction by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing Survey No. 180, Hissa No. 5, on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plot Nos. 12 and 13 of the said Scheme and on the South by plot No. 7 of the said Scheme and on the North by Plot No. 5 of the said scheme.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Ratansi Karsandas & Ors.

(Transferor)

Date : 26-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Western Mechanical Industries P. Ltd.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/141/34/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 64, 63, 66, 72 & 73 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra, Bombay on 25-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

ALL THOSE piece or parcels of lands situate lying and being at Mouje Nahur, Taluka Kurla, Bombay Suburban District, in the Registration Sub-District of Bandra, bearing the following description as per Record of Rights :—

Survey No.	Area.
64 Part	
63 Part	
66 Part	
72 Part	
73 Part	3357.78 sq. metres—4016 sq. yds.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ansibai Umedmal & Ors,

(Transferor)

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(2) M/s Sardar Prauapsingh Laxmidas Estate & Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/139/24/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 4 situated at Kanjur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ratnasi Karsandas & Ors.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104 (new) of Village Kanjur Bhandup now in Greater Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and Admeasuring 2508.39 sq. metres of thereabouts i.e. 3000 sq.yds. being plot No. 4 of the Private Layout scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing survey No. 180, Hissa No. 5 on the West by 44 feet wide private road and thereafter by plots No. 10 and 11 of the said Scheme on the South by Plot No. 5 of the said scheme and on the North by Plot No. 3 of the said scheme.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975
Seal :

FORM ITNS

- (2) 1. Palakuri Suryanarayana,
2. P. Kalidas, Iron Merchant,
Kothagraharam, Vizianagaram,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. J.No.(83.VSP)/74-75—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. New Survey Nos. 100(1), 99(8) 103(2) 100(3) situated at Gajularega Vizianagaram 1q.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the at Vizianagaram on 25-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The President,
State Bank of India Staff Co-Operative Building Society Ltd., Vizianagaram.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land situated in the village Gajularega, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District to the extent of 5-03 cents out of Ac. 6-18 cents bearing New Survey Nos. 100(1) 99(8) 103(2) and 100(3).

K. SUBBARAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 22-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)-OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/138/23/74-75—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 104 (New), Plot No. 3 situated at Kanjur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 24-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Ratansi Karsandas & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate & Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of vacant land being part of the Survey No. 104(New) of village Kanjur, Bhandup now in Greater Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and admeasuring 2508.39 sq.metres or thereabouts (i.e. 3000 sq.yds.) being plot No. 3 of the Private Layout Scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and bounded on the East by land bearing Survey No. 180, Hissa No. 2 (part) and land bearing Survey No. 180, Hissa No. 5 (part). On the West by Plot No. 2 of the said Scheme and 44 feet wide private road and thereafter by plot No. 10 of the said Scheme, on the South by plot No. 4 of the said Scheme, and on the North by portion of land bearing Survey No. 104(New) (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Himanshu Vrajlal Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66, situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1052.9 sq. feet equivalent to 97.83 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red-coloured boundary lines on the Plan hereto annexed which place or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say, ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plot Nos. 53, 54, 59 and 66 and ON or towards the SOUTH by also by a similar strip of unbuilt land, and ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. feet and ON or towards the EAST by portion of the said structure admeasuring 1020, 2166, 2166 and 2166 sq. ft. respectively.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Ref. No. AR. V/137/22/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.No.92/2 Plot Nos. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

Date : 28-2-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/132/7/74-75—Whereas, I. J. M. Mehra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8-A S. No. 130/3 (part, 4(part) 131/1 (part), 4(pt.) 111 (pt.) situated at Nuhur, Mulund and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 23-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Rev. Fr. Velerian Godinho.

(Transferor)

(2) Sharma Construction Co.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of non-agricultural Plot No. 8 ad-measuring about 3774 sq. yds. equivalent to 3155 sq. metres or thereabouts and bearing Sub-divided Plot No. 8 as sanctioned under No. CE/78/BSI/LO-T of 2-4-1970 by the Bombay Municipal Corporation situate lying and being at Nahur Mulund (W) in Kurla Taluka of Bombay Suburban District T-Ward in the Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and forming part of land bearing Survey No. 130 Hissa No. 3 (Part), 4 (part) Survey No. 131 Hissa No. 1 (part) 4 (part) 5 (part) and Survey No. 111 (part) and bearing City Survey No. 550 (part) and surrounding of the said plot are as under : On or towards the East by Plot No. 9, on or towards the West partly by Plot No. 4 and partly by plot No. 5 On or towards the South by 44 feet wide Development Plan Road and on or towards the North by Plot No. 7.

J. N. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Minerva Dealers P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kusum Pratap Hariani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/127/12/74-75—Whereas, I. J. M. Mehra, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. Plot Nos. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59, and 66, situate, lying and being at Village Nahur near Mulund in Greater Bombay, together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 1077 sq. ft. equivalent to 100.084 sq. metres or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed, which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows :— that is to say, On or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. On or towards the WEST by a strip of unbuilt land shown in brown colour on the plan hereto annexed forming part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66, On or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 1077 sq. ft., and On or towards the SOUTH by a portion of the structure admeasuring 1081 sq. ft.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-2-1975
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR. V/131/16/74-75.—Whereas, J. J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8-D, City Survey No. 550 (Pt.) situated at Nahur-Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 23-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rev. fr. Veletian Godinho.
(Transferor)
- (2) Shri Sudhir Keshavji Somaiya,
Chief Promoter,
The Mulund Hare-Krishna Co-op. Hsg. Society.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of non-agricultural plot No. 8 subjects to join survey admeasuring about 3774, sq. yds. equivalent to 3155 sq. metres or there abouts bearing subdivided Plot No. 8 as sanction under CE/78/BSI/LO-T of 2-4-1970 by the Bombay Municipal Corporation situated and lying at Nahur Mulund (W) T-Ward in the Registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District the surroundings of the plot are as under :—

To the East—Plot No. 9-A, 9-B, 9-C of the same layout.
To the West—Plot No. 5 of the same layout.

To the South—44'-8" wide Development Plan Road and to the Plot No. 3 and 7 of the same layout.

J. J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay

Date : 26-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1975

Ref. No. PR.191/Acq.23-293/19.1/7475.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. present Survey No. 231, Paiki No. 254 Paiki and No. 256 Paiki situated at Bardoli, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—26GI/75

- (1) Khushalbhai Morarji Patel, Indukumar Ramjibhai Patel.
Dilipkumar Indukumar Patel—self & HUF.
Bachubhai alias Swarajyakumar Khushalbhai Patel—self & HUF.
Shantaben Bachubhai alias Swarajyakumar.
Minors—Rekhaben Bachubhai, Sunitaben Bachubhai, Jaykumar Bachubhai by natural guardian Shantaben B.
Nayanaben Bachubhai Patel.
Kusumben Indukumar Patel.
Minors—Maheshkumar Indukumar and Radhikaben Indukumar—by natural Guardian Kusumben T.
Shobhamaben Indukumar Patel.

(Transferors)

- (2) Rambaug Co-operative Housing Society Ltd.
Bardoli—through President—Manibhai Galalbhai Patel.
Secretary—Maganbhai Nathubhai Patel—Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing present Survey No. 231 paiki, No. 254 paiki and No. 256 paiki admeasuring (a total area of) 15972 sq. yards (132 Cuntas) situated at Ramwadi, near Astan Railway Crossing, Bardoli, Dist. Surat, as mentioned in the registered deeds No. 2802 to 2806 of July 1974 and 3558 to 3559 of September 1974 of the Registering Officer, Bardoli.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date . 4th March 1975.
Seal :

FORM ITNS—

(3) M/s. Bokar Bros.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th February 1975

Ref. No. AR.V/119/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 83, H. No. 7(pt) situated at Trombay Road, Borla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 6-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shivabhai Pethabhai Pekar.

(Transferor)

(2) Shri Zaverchand Liladhar Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land admeasuring 1321-04 sq. mtrs. equivalent to 1580 sq. yds. of the Survey No. 83, Hissa No. 7 part, situate at Village Borla, Sion Trombay Road, in Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and bounded as follows :—

On or towards the North Hissa No. 4 and Building namely Moti Baug, On or towards the South by Sion-Trombay Road, On or towards the West by Hissa No. 8 in the possessions of Polysteel Fabricators. On or towards the West by Leaset's land in the possession of a scrap Daler namely Mannanwar Hussein.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay

Date : 26-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh Shivkumar Dalmia.

(Transferee)

(3) Shri Shailesh Shivkumar Dalmia.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned.—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.V/124/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra,
the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-
sition Range-V, Bombay,
being the competent authority under
section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 53, 54, 59 and 66 situated at Nahur Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering officer at
Bombay on 2-7-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to tax under the said act in respect
of any income arising from the transfer; and(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the
plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying
and being at Village Nahur, near Mulund, in Greater Bombay
together with a portion of the structure erected thereon
admeasuring 2105.8 sq. feet equivalent to 195.65 sq. metres
or thereabouts and shown bounded by black and red coloured
boundary lines on the plan hereto annexed which piece or
parcel of land, hereditaments and premises is situate within
the Registration Sub-District and District of Bombay City
and Bombay Suburban and bounded as follows : that is to say
ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt and form-
ing part of the land bearing plots Nos. 53, 54, 59 and 66
ON or towards the NORTH by a strip of unbuilt land form-
built land, ON or towards the WEST by a portion of the
said structure admeasuring 2105.8 square feet, ON or towards
the EAST by a portion of the said structure admeasuring
1052.9 sq. ft.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 28-2 -1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(3) Shri M. R. Reddy, General Manager, F. F. Railway,
Gauhati-11 (Assam).

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 1st March 1975

Ref. No. Acq. File No. 161/74-75 J. No. VSP.86/74-75.—
Whereas, I, K. SUBBARAO,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
T.S. No. 983, Plot No. 45, Kirlampudi Town Planning Trust
lay out Waltair ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on
31-7-74,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such,
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the transferor(s) and the trans-
feree(s) has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Ojili Narasa Reddy, Allur, Nellore District.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Gita Krishna Mukari, W/o Sri S. M. Krishna
Kumar. 2. D. M. Deva Kumar Reddy. 3. Sri M.
Vinod Kumar Reddy.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam Dist.—Visakhapatnam Sub-Registrar—Kir-
lampudi lay out Town Planning Trust, Sanjivayyanagar, T. S.
No. 983—Plot No. 45—Waltair ward—Unfinished residential
building with completed construction upto the ground floor
plinth level with a total plinth area of 2350 Sq. ft. (218 sq.
mts.) including the basement portion of an area of 871 Sq.
ft. (80—83 Sq. mts.) consisting of three main rooms with 2
attached bath rooms and a kitchen and stores together with
a site of 1683 Sq. Yds. with electricity and water connec-
tions.

BOUNDARIES

East : Plot No. 44 House of Sri M. R. Reddy
South : Plot No. 30
West : Plot Nos. 46A and 46B
North : Municipal Road.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 1-3-75.

Seal :

FORM ITNS----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC No.120/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-87, Portion situated at Ashoknagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga in Hyderabad on 25-7-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri R. Somasundar Rao, S/o R. Somiah, R/o H. No. 1-10-87, at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Shantarani, W/o Nandansingh, 21-3-266, Char-mahal, Hyderabad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of the building No. 1-10-87 at Ashoknagar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri N. E. Subramaniam Pillai, S/o. Shri N. Chin-nupillai, Kuthakakara, Annakaranchatram Post, Coleroon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 3164/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____ situated at Vaduganathan Talkies, Anaikaranchatram Post, Coleroon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirkali (Doc. No. 1934/74) on July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri V. D. Subbiah Chettiar, S/o Shri Vaduganathan Chettiar, Valayapatti P.O., Pudukottai Dist.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot (with cinema theatre) measuring 42.8 cents and bearing R. S. No. 70/1 situated at Anaikaranchatram village, Coleroon.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri S. Gurunathan Chettiar, S/o Shri Sankaralingam Chettiar, Pasupathy Street, Mayuram.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th March 1975

Ref. No. 3169/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 1468, 1469 situated at III Ward Mayuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. No. 101/74) on 24-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 'fair' market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rabiyyuthsen, S/o Shri Kader Sahib, Alangudi, Chidambaram Taluk,
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 70 cents (with cinema theatre) and bearing T. S. No. 1468 and 1469 in III Ward, Mayuram.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 4-3-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrās-6, the 6th March 1975

Ref. No. 2247/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF 529/3A situated at Perumughai village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettiapalayam, on 8-7-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. K. S. Shanmugam, No. 27/10 Cowley Brown Road, Coimbatore
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Shanmugam, S/o Shri N. Kuppusami Grounder, Perumughai Pudur, Perumughai village, Gobi Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

7 acres of land bearing S.F. No. 529/3A situated in Perumughai village, Gobi Taluk.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-3-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Shri S. K. Shanmugam, S/o Shri N. Kuppusami Gounder, Perumughai Pudur, Perumughai village, Gobi Taluk,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th March 1975

Ref. No. 2247/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No SF No. 529/3A, situated at Perumughai village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam on 8-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. K. S. Shanmugam, No. 27/10 Cowley Brown Road, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.20 acres of land bearing S.F. No. 529/dA situated in Perumughai village, Gobi Taluk.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-3-1975,
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 1360/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75, situated at Lal Mohammed Street, Chepauk, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on 26-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Naraindas & 2. Shri Naraindas,
75, Lal Mohamed St., Chepauk, Madras-5.
(Transferor)
- (2) Shri A. Haja Mohideen 198, Kamalia Street, Ay-
yampet, Tanjore District.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 1919 Sft. and bearing S. Nos. 2924/8 and 2924/19 situated at No. 75, Lal Mohamed Street, Triplicane, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 1421/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41, situated at Kamaraj Avenue, Adayar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saidapet, Madras on 11-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hema C. Kumar by her agent Shri L. L. Narayanan, No. 4, George Avenue, K. R. Iyengar Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Dr. K. Krishnamurthy, No. 41, Kamaraj Avenue, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.5 grounds (with building) situated at Door No. 41, Kamaraj Avenue, Adyar, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-3-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 3rd March 1975

Ref. No. AR.V/130/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old S. No. 73, New S. No. 210 H. No. 1 situated at Bhandup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Steels & Metals Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Vishal Construction Co. (P) Ltd.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land situated at Bhandup in Greater Bombay, Pot Takdi Bandra, Taluka Bandra, Taluka South Salsette, Dist. Bombay Suburban, bearing Old Survey No. 73 and New Survey No. being 210, Hissa No. 1 containing by admeasurement 8314 sq. yds. equal to 6950 61 sq. metres and which is bounded as follows : NORTH : The Land of Survey No. 212, SOUTH : Nala and Govt. West Lands, EAST : Car-Tract and lands Survey No. 211, WEST : Nala and Govan.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 3-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Cadbury-Fry (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR-I/880-10/Jul. 74.—Whereas, I. R. G. NERURKAR, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 8, C.S. No. 8/738 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 23-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nowroji Jehangir Gamadia.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of Pension and Tax Tenure being Plot No. 8 of Gamadia Estate containing by admeasurement 2439.81 sq. metres or thereabouts equivalent of 2918 sq. yards or thereabouts and situate at Bhulabhai Desai Road (formerly Warden Road) in the City and Island of Bombay and Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban being a portion of a larger piece of land which is registered by the Collector of Land Revenue under New Nos. 3158, 86, 247, 930, 2426, 1652, 1653, 2967, 1864, 2115, 2157 and 2273 (part) Laugh-ton's New Survey No. 7096 (part) and C.S. No. 738 (part) Malabar & Cumballa Hills Division and bearing Cadastral Survey No. 8/738 of Malabar and Cumballa Hills Division together with the buildings erections and structures standing thereon which said premises are assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates & Taxes, the Municipal Corporation of Greater Bombay, under 'D' Ward No. 3538 (2)(5) Street No. 2A, 2B, G. Deshmukh Marg (part) and are bounded as follows : that is to say on or towards the NORTH by Plot No. 9 of the said Gamadia Estate bearing Cadastral Survey No. 7/738 of Malabar and Cumballa Hills Division on or towards the EAST by a Road 40 feet in width forming part of the said Gamadia Estate on or towards the SOUTH by Plot No. 7 of the said Gamadia Estate and on towards the WEST by Bhulabhai Desai Road.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 4th March, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Badami Devi Sonthalia, 4B, Little Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-123/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8 on 8th floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia, 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 8th floor together with one servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court' situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. I-4000 of 1974 registering by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date: 27-2-1975.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shrimati Vijoy Devi Bermecha, P-459/2, C.I.T. Scheme-47, Calcutta-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Ashok Baid.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1975

Ref. No. Ac-122/R-V/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1 on 2nd floor situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Savitri Devi Sonthalia, 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 2nd floor together with one servant's quarter and a car parking space in the building known as 'Southern Court' situated at 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta as per deed No. I-4337 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date : 27-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) (1) Shri Ismail Hussainsaheb Nichalkar, 353,
Begaum Peth, Sholapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 4th March 1975

Ref. No. C.A. 5/July 74/Sholapur/180/74-75.—Whereas, I H. S. AULAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 47 & 48, S. No. 19/1, 19/2-B, situated at Karamba, Sholapur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 22-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Kisan Baburao Patil
- (2) Shri Kedarji Kisan Patil
- (3) Shri Bhagwan Kisanrao Patil
- (4) Shri Tatyasaheb Kisan Patil
- (5) Smt. Kondabai Kisan Patil
- (6) Smt. Prayagbai Bhagwan Patil
- (7) Shri Chabhan Kedarji Patil
- (8) Smt. Shobha Tatyasaheb Patil—all at Karamba Village, Dist. Sholapur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Agricultural land at Mouje Karamba, Dist. Sholapur.

Gat No.	Survey No.	Area
		H.R.
47	19/1	5—31
48	19/2-B	2—37

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date : 4-3-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 28th February 1975.

Notice No. 71/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A. R. No. 3251 and Khata No. 129/2 situated at Subhas Chowk, Hassan Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan under document No. 3050 on 29-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri H. R. Shankaranarayan, S/o Late H. V. Rangaswamy, Subhas Chowk, Hassan.
and
(2) Kumar H. S. Shrikant, M/G Father Shri H. R. Shankaranarayan, Subhas Chowk, Hassan.
(Transferor)
- (2) R. ALL, S/o. ABDUL RAZAK,
Hotel Keeper, Shariff Colony,
Holenarasipur Road, Hassan.
(Transferee)
- (3) Shri M. Vyasaraaya Ballal,
Proprietor : Krishna Bhavan, Subhas Chowk, Hassan Town.
[Person(s) in occupation of the property and person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied Building including site, open space, out-House and other Appurtenances in A. R. No. 3251 and Khata No. 129/2, situate on Municipal Road, Subhas Chowk, Hassan Town and Bounded :

On the East : By Municipal Office;

On the West: By a wall Built between Shri Murughan Wood works, a workshop belonging to the Transferor and a House let out to Shri M. Vyasaraaya Ballal for Godown, and the Ground Floor of the shop namely "Prabhakar cycle Mart", fallen to the name of Smt. Laxmi Devamma.

On the South : By Subhas Chowk and

On the North : By Kattinkere Walai.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Dharwar,

Date : 28-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V.
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR. V/135/20/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 23/A situated at Mulund (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daksha Dharamsey Hirji & Ors.
(Transferor)
- (2) Shri Madhavji Hirji & Ors.
(Transferee)

- (3) (1) Babulal Rayshi
(2) Damji Velji
(3) K. Sarasama
(4) Keshavji Raghavji
(5) Shantilal Premji
(6) Mulund Kerala Samajam
(7) Gangabai Dharamsy
(8) Kulbhushan Sable
(9) Jamnadas Lalji
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises with the messuages, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Ramratan Trivedi Road, Mulund (W), Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, Now in the Registration Sub-District and Dist. of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1000 sq. yds. equivalent to 673.2 sq. metres, or thereabouts bearing C.T.S. No. 1158 and plot No. 23A and bounded as follows: that is to say, On or towards the East by the property belonging to Velji Jethabhai and others, On or towards the West by Kanji Jhadhavji Sanatorium, On or towards the North by the property belonging to Pradhan Udeda and On or South by the Ramratan Trivedi Road.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V.
Bombay.

Date : 4-3-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Hindustan Builders Represented by its partners one Sri Bansarsilal Gupta, S/o Sri Murarilal Gupta, R/o Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref No. RAC No. 129/74-75 —Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-250 to 257 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 30-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-9-250 to 257, with double storied-building open space measuring about 2600 sq. yds. at Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Hindustan Housing Company Ltd. at 51 Mahatma Gandhi Road, Bombay. General Power of Attorney Agent, Sri Birdhichand Choadhary resident at Hyderabad.

(Transferor)

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date . 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Dr. Mrs. A. Laxmi, W/o Dr. A. Shivaji Rao,
H. No. 1-10-123/1, Ashok Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 122/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 First Floor, situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad on 15-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Associated Builders, and Real Estate Agents,
C/o M/s. Totaram Sagarlal & Sons,
Abids, Road, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 1 first floor, Municipal No. 5-8-512 to
517-A Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Hind Kishore S/o Balaram Singh, R/o Uppar Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No, RAC. No. 127/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. No. 5-1-482 to 484 Portion situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : A portion of house No. 5-1-482 to 483 and 484 at Jambagh, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Manhor Rao Gangakhedkar, S/o Narayanrao Ghankakhedkar, R/o H. No. 5-1-483, at Jambagh-Hyderabad.

(Transferor)

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS. — — —

(2) Dr. Mrs. A. Laxmi, W/o Dr. A. Shivaji Rao,
H. No. 1-10-123/1, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 121/74-75.—Whereas, I K. S. VEN-
KATARAMAN,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingPlot No. 2 situated at First Floor, Chirag Ali Lane, Hyderabad
(and more fully describedin the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the registering officer at Hyderabad on 15-7-1974for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and the consideration for such transfer as
agreed to between the Partieshas not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) M/s. Associated Builders, and Real Estate Agents,
C/o M/s. Totaram Sagarlal & Sons,
Abids, Road, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Premises No. 2 first floor all the piece of land or ground situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad bearing Municipal No. 5-8-512 to 517-A formed out of 3000 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Ushaben Kannubhai Patel, 14-2-332/8
Gyanbagh Colony, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 118/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 14 situated at Basheerbagh Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 30-7-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Tokarshi Lalji Kapadia Family Trust, per
Trustee Sri Tikatshi Lalji Kapadia,
H. No. 6-3-660, Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 14, situated at Basheerbagh Palace
area, Basheerbagh, Hyderabad. Area : 816.57 sq. yds.

East : Neighbours house in Plot No. 13.

West Lane,

North : Brick wall and open space.

South : Neighbours house No. Plot No. 15.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Dr. G. Vithal Rao, S/o Veeranna, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 128/74-75. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-663, situated at Troop Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Mir Rahmath Ali, S/o Nawab Mir Uusrath Ali Shabeb and others, at Komatiwadi, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Municipal No. 4-1-663, at Troop Bazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Usha Kiran Dhanda W/o Sri R. C. Dhanda
H. No. 136/17, Prenderghast, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 117/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-5-201/1 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Secunderabad on 10-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Samudrala Ganesh S/o Sri S. Rajiah,
R/o House No. 7957, Rani Gunj, Secunderabad,
(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All the house property No. 5-5-201/1 Ranigunj, Secunderabad and bounded by :

East : By Building No. 7828

West : Open Municipal land

North : Open land

South : Common wall between B. Shankariah and S. Ganesh.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-3-1975
Seal :

FORM ITNS—

- (2) Sri Bansipershad Srivastava, S/o Kishanpershad Srivastava, at Lower Dhooplet, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 126/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 5-1-482 to 484 situated at Portion Jambagh, Hyderabad and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Shamsunder Rao,
(2) Sri Laksmanrao Gangakhedkar & 3 others,
H. No. 1-8-519/11, at Chikadpally, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of the House No. 5-1-482 to 484 at Jambagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-3-1975

Seal :

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th February 1975

Ref. No. ASR/AP-1611/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property (having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Kot Khalsa Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at Amritsar in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Gian Chand s/o Thakar Dass, 139 Defence Colony, Amritsar.
(Transferor)

- (2) M/s. Ravi Finance Chit Fund & Co., Nawan Katra, Dal Mandi, Amritsar. M/s. Parvesh Steel Industries, Putlighar, Amritsar, M/s. Screw Factory, Putlighar, Amritsar & Shri Joginder Singh s/o Bawa Singh Gali No. 4 Amar Kot, Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deeds Nos. 1432 & 1433 of July, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Dr. G. Vithal Rao, H. No. 5-1-556, at Troop Bazar
Hyderabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 124/74-75.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-665 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Mir Rahmat Ali, and others,
22-2-133 at Komti Wadi, Hyderabad.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Municipal No. 4-1-665, at Troop Bazar,
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR. V/134/19/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 4, Hissa No. 4 situated at Mouje, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-7-1974 at Bombay on 26-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Saralabai J. Gawode,

(Transferor)

(2) Ramaniya Co-op. Housing Society Ltd,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT 1/2 share right, title and interest in the piece and parcel of land bearing Survey No. 4, Hissa No. 4 now bearing City Survey No. 725 of an area of about 1875 1/2 sq. yds. i.e. 1565.77 sq. metres or thereabouts situate lying and being Mouje Mulund in Registration Sub-District District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows :—

that is to say On or towards the North by Survey No. 4, Hissa No. 5. On or towards the South partly by Survey No. 4, Hissa No. 2 and partly by survey No. 4 Hissa No. 1 and partly Survey No. 4, Hissa No. 5, On or towards the East by the property of Rutan Prashant Co-operative Housing Society Limited and On or towards the West by the Survey No. 4, Hissa No. 3 and shown on the Plan hereto annexed and shown surrounded by red coloured boundary line.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 4-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dattatraya Ganesh Gawade,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramniya Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th March 1975

Ref. No. AR.V/(133/18)/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4, H. No. 4 situated at Morije, Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT 1/2 share right title and interest in piece and parcel of land bearing Survey No. 4, Hissa No. 4, of an area of about 1875 1/2 sq. yds. i.e. 1578.11 sq. metres or thereabouts lying and being at Mouje, Mulund in Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban and bounded as follows :—that is to say On or towards the North by Survey No. 4, Hissa No. 5, On or towards the South by Survey No. 4, Hissa No. 2, and partly by Survey No. 4 Hissa No. 1 and partly Survey No. 4, Hissa No. 5, On or towards the East of the property of Nutan Brasant Co-operative Housing Society Ltd. and On or towards the West by Survey No. 4, Hissa No. 3, and shown on the plan hereto annexed and shown surrounded by Red coloured boundary line.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V,
Bombay

Date : 4-3-1975.
Seal : '

FORM ITNS—

(2) 1. Sri Bahadurmal, S/o Late Jaidyalai, H. No. 21-6-740 Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Pushpabai, W/o Sri Balmukand H. No. 21-6-739 Chelapura, Hyderabad.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 123/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being

the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-7-268/A situated at Dewan Devdi, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 31-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lateefunissa Begum, W/o late Syed Hasan Pasha, H. No. 6-2-6 Lakdikapul, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All that property total area 1740 Sq. Yds. forming part of the premises bearing M. No. 22-7-268/A at Dewan Devdi, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th March 1975

Ref. No. RAC. No. 125/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-482 to 484 situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Laxman Rao Gangakhedkar S/o Sri Narayanrao Gangakhedkar, late at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Kripashankar S/o Sri Balaramsingh, Uppar Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of house No. 5-1-482 to 484 at Jambagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS-----

(2) Sri Nand Singh, S/o Babu Singh, H. No. 21-3-266,
at Punchi Buraqe, Opp. to Police station Musabowli, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1975

Ref. No. RAC. No. 119/75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-87 Portion situated at Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25th July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(1) Sri R. Soma Sunder Rao, S/o R. S. Sambiah,
H. No. 1-10-87 Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of building north side No. 1-10-87, at Ashoknagar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-3-1975
Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. S. K. S. Mohamed Salaluddin, M. A. Nijamuddin & Azisuddin Ahamed, Cumbum P.O., Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 26th February 1975

Ref. No. F.X/3/4/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1482/1 situated at Bodi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodi on July 1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. S. Natarajan, Bodinayakkanur P.O., Uthamapalayam Tq.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11 acres and 3 cents in S. No. 1482/1 at Bodi village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 26-2-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-710/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar Bahri s/o Shri Dharampal Bahri, WK-185, Ajit Pura, Jullundur.
(Transferor)

(2) (i) Shrimati Shukla Rani w/o Shri Ram Paul Gupta, B-2, Chanan Nagar, Jullundur (ii) Ved Kumari, w/o Shri Tilakraj Aggarwal, B-2, Chanan Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the registered deed No. 2865 of June-1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date : 17-3-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-711/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shri Girdhar Lal Chopra s/o Shri Dulo Ram, EK-90, Shivraj Garh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagadish Kumar s/o Shri Har Chand, NK-213, Charanjitpura, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land mentioned in the registration deed No. 2414 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 17-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. T. M. Kadcejakutty, D/o Muhamed, Kovilattom,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

Ernakulam, the 3rd March 1975

Ref. No. LC. 29/74-75.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 1763/1 situated at Jews Street Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 5-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Hameed, S/o Sri A. K. Mammu, Alunkaparambil, Ernakulam. (ii) Sri Muhamed Ali, S/o Sri A. K. Mammu, Alunkaparambil, Ernakulam. (iii) Sri Mohamed Usman, S/o Sri A. K. Mammu, Alunkaparambil, Ernakulam. (Transferors)

Objections, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 cents of land with building in Sy. No. 1763/1 at Jews Street in Ernakulam Village in Ernakulam District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 3-3-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Prativa Lahiri. (Transferor)

(2) Smt. Smritikana Dey. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st March 1975

Ref. No. AC-204/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 716 Bangur Avenue, situated at Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances on 15-7-74 at Calcutta for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly three storied and partly two storied brick dwelling house with land thereunto belonging containing an area of five cottahs two, ch, and thirtyseven sq. ft. corresponding with .095 Satak a little more or less situate at Plot No. 98 of Block 'D' Bangur Avenue, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date : 1-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sova Chand Agarwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Sushil Kumar Banik.

(ii) Nityandadas Banik.

(iii) Premananda Banik.

(iv) Subodh Ch. Banik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. AC-2050R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/4, Raja Brajendra St., situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two, three and four storied building on land area about 3 K. 7 Ch. 28 Sa. ft at 26/4, Raja Brajendra St. Calcutta, within the Calcutta Corporation.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date : 18-2-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 26th February 1975

Ref. No. AC-203/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 80 Jamunalal Bajaj St. situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (2) 1. Mohammed Yusuf Molla
2. Mussamat Jannat Begum. 3. Mukhtar Ahmed Mallan.
4. Iftekhar Mahamood, all of 26, Colootala St. Calcutta-I.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tenanted building with land measuring 2 Katha and 33sq. ft. being a portion of 80 Jamunalal Bajaj St. Calcutta-7.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,

(1) Shri Biswa Ranjan Bysack,

(Transferor)

Date : 26-2-1975,
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, Madras-6

Madras-6, the 17th March 1975

Ref. No. F. XII/18/4/74-75—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 178 situated at Mani Nagar, 4th Street, Palamcottah Road, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin on 4-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. T.A.K.P. Sankaralinga Nadar,
T.A.K.P. Ramaswamy Nadar,
T.A.K.P. Krishnamoorthy Nadar &
T.A.K.P. Murugesu Nadar, Virudhunagar.
(Transferor)

(2) Shri A.S. Gurusami Nadar,
S/o. Shri Shanmughasundara Nadar,
52. North Cotton Road, Tuticorin.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (1 acre) and building (1673 sq. ft.) at Door No. 178, Muninagar, 4th Street, Palamcottah Road, Tuticorin.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 17-3-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Harbans Singh s/o Shri Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, Teh. Nawanshahar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-712-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land 23 kanals & 6 marlas situated at vill. Sarhal Kazian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 kanals and 6 marlas situated at village Sarhal Kazian P.S. Banga Teh. Nawanshahar Distt. Jullundur as mentioned in the Registration Deed No. 2367 of July, 1974 of the Registering Authority, Nawanshahar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Harbans Kaur d/o Shri Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, P. S. Banga Teh, Nawanshahar Distt. Jullundur.

(Transferor)

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-713-74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Gatti Pirbax, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Singh s/o Suder Singh s/o Punjab Singh, Vill. Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shangar Singh & others ss/o Banta Singh s/o Buta Singh R/o Vill. Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2,
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property],

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 33 kanals and 14 marlas situated at Village Gatti Pirbax as mentioned in registration deed No. 843 of July, 1974 of the Registering Authority, Shahkot Distt. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

*(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-714/74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No., As per schedule situated at Village Bachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishori Lal Aggarwal s/o Mulkraj Aggarwal,
R. O. Phillaur,

(Transferor)

- (2) Shri Gurdev Singh s/o Udham Singh, Vill. Tehang,
Teh. Phillaur,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 59 kanals 18 marlas situated at vill Bachowal Teh. Phillaur as mentioned in registration deed No. 2013 of July 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-715/74.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bakhtawar Singh s/o Satnam Singh Vill. Vadala, Madhowala Teh. Jullundur.
(Transferor)

(2) (i) Nandinder Singh s/o Jagat Singh, R/o Sidhwan Teh. Nakodar
(ii) Avtar Singh s/o Karnail Singh s/o Bhagat Ram, R/o Bath Teh. Phillaur.
(Transferee)

- (3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 70 kanals situated at Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in registration deed No. 4831 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-3-1975
Seal:

FORM ITNS

(2) Piara Singh & Others S/o Banta Singh s/o Buta Singh
R/o Gatti Pirbax, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-716/74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Hari Singh s/o Sh. Sunder Singh, Vill. Gatti Pirbax Teh. Nakodar.

(Transferor)

*(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 kanals 5 marlas situated at Vill. Gatti Pirbax Teh. Nakodar as mentioned in registration deed No. 846 of July, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March, 1975

Ref. No. AP-717/74—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) (i) Mohinder Singh s/o Kishansingh,
(ii) Satpal Singh s/o Jogjit Singh, and
(iii) Gurpritsingh s/o Gurcharansingh, R/o Jhajj Pind, Teh. & Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)

- (3) As per S No. 2.
(Person in occupation of the property).
(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Dehriwala measuring 42 kanals 17 Marlas as mentioned in registration deed No. 627 of July, 1974 of Registering Authority, Bhunga.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

(1) Narinder Singh s/o Sh. Buta Singh Vill. Dehriwala Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

Date: 17-3-1975

Seal:

FORM ITNS

- (1) (i) Satpal Singh s/o Jagjit Singh, (ii) Mohinder Singh & Gurprit Singh s/o Gurcharan Singh, Vill. Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-718-74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhwinder Singh s/o Sh. Buta Singh Vill. Dehriwala Teh. Hoshiarpur.

[Transferor]

- (3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 42 kanals and 17 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in registration deed No. 628 of Registering Authority, Bhunga, Teh. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-719/74.—Whereas, J. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47-26GI/75

- (1) (i) Shri Narinder Singh s/o Shri Buta Singh (ii) Smt. Jagdishkaur Wd/o Buta Singh s/o Gurdial Singh, R.O. Vill. Dehriwala, Teh. Hoshiarpur. (Transferor)

- (2) (i) S/Shri Manjit Singh s/o Kishan Singh, (ii) Santokh Singh s/o Jagjit Singh, and (iii) Gurpal Singh, s/o Gurcharan Singh, R.O. Jhajji Pind, Teh. Hoshiarpur. (Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; and
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Dehriwala measuring 31 kanals 1 Marla as mentioned in registration deed of Registering Authority, Bhunga at S. No. 629 of July, 1974.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.

Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT

NOTICE

GRADE III STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION.

OCTOBER, 1975

New Delhi, the 19th April, 1975

No. 13/2/75-ARRNG.—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade III of Central Secretariat Stenographers' Service Grade III of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), will be held by the Institute of Secretariat Training & Management at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad commencing on the 22nd October, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 19th April, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. (a) The approximate number of vacancies in the various Services for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below :—

- | | | |
|--|----|-------|
| (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade III | .. | 100** |
| (ii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III | .. | * |
| (iii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service—Grade III | | * |

** The number is liable to alteration.

* Will be determined later.

(b) Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3 A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 2nd June, 1975. They are also obtainable from the Institute by post up to the 2nd June, 1975, on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/C Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training and Management' at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi. The name of the examination—Grade III STENOGRAPHERS, LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, OCTOBER, 1975—should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the

candidate by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one i.e., he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. **Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Rs. 1.00 or 2.00 as the case may be will in no case be refunded.**

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C—Other Services—I.S.T. & M. Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi), obtain a receipt in TR-5 form from that office and forward the receipt in the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental competitive Examination, October, 1975. Applications on forms other than the one prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, October, 1975 will not be entertained.

NOTE 2.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 2nd June, 1975. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep will, however, be entertained up to the 16th June, 1975.

4 The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1 Wing No. 5, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 on or before the 2nd June, 1975, accompanied by necessary documents in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidate residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the 2nd June, 1975 will, however, be accepted up to the 16th June, 1975.

NOTE 1.—Candidates who send their requests for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 2.—Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the clerk who receives the applications from them.

5 (i) **Prescribed Fee**—Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Institute with the completed application form :—

Rs. 8.00 (Rs. 2.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes)

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of **CROSSED** Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training & Management. The

Postal Orders should be filled as per specimen given, below—

A/C Payee only
<p>Pay to Institute of Secretariat Training & Management New Delhi</p> <p>POSTAL ORDER</p> <p>at R. K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi-22</p>

The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January 1964 (but before 25th March, 1971) or is *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT, NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 10 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY AND, BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

In case the candidate is not admitted to the Examination by the Institute because of late receipt of his application or cancellation of examination, the fee paid by him will be refunded in full.

7. If any candidate who took the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1975, wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Institute by the prescribed date without waiting for the results of an officer of appointment on the basis of earlier examination. If he is recommended for appointment on the results of the earlier examination, his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide paragraph 6 above.

8. All communication in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training and Management, Post Bag No. 2, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH (IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.)
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, October, 1975".

MADAN LAL,
Director (Exams.)

Institute of Secretariat Training & Management.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the Examination is obtainable from the office of the Institute of Secretariat Training and Management in accordance with para 3 of the Notice. Candidate should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him or any other Mission.

A candidate, who wishes to take the examination, at an Indian Mission abroad and exercise the opinion to take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 1 of Appendix to the Rules may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form, and the attached sheet comprising six slips showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and

not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, Post Bag No. 2, West Block-1, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep may, at the discretion of the Institute, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep, as the case may be, from a date prior to the date specified in the first sub-para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office who will complete the endorsement at the end of the application and forward it to the Institute. If a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management, at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi for the Prescribed fee;
- (ii) Certified true copy of (a) the first page of his Service Book; (b) Particulars of service rendered during the last 3 years ended on 1st January, 1975;
- (iii) Two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph;
- (iv) Certified true copy of the certificate in support of claim for exemption from payment of fee, and/or age concession (*vide* para 6 of the Instruction to Candidates'), if applicable.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

- (i) Crossed Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signatures of the issuing Post Master and a clear legible stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be **CROSS-ED** with 'A/c Payee only' crossing and completed as follows :—

"Pay to the Institute of Secretariat Training and Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their application should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 8. (Rs. 2 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative as the case may be in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "065-other Administrative Services-C-other Services—I.S.T. & M.—Other Receipts—Examination Fees" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues,

New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) (a) Certified true copy of the first page of the Service Book by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification and specimen signature of the candidate.

(b) Certified true copy of the particulars of service during three years ended on 1-1-1975 by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Institute, may if it considers necessary call for the Service Book or other documentary evidence.

(iii) **Two copies of Photograph.**—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on front by the candidate. Copies of the photograph will not be returned by the Institute.

(iv) Certified true copies of the documents required in support of a claim for remission of fee and/or reckoning the prescribed minimum service and/or relaxation of age must be submitted along with the application, failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled in or is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 4(i), 4(ii) and 4(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any documents not submitted with the application but explanation for the absence of which has been given should be sent after the submission of the application and in any case they must reach the Institute within 15 days of the last date for receipt of applications, otherwise the application is liable to be rejected. The attested copies of the documents/certificates will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6(i) A displaced person from Bangla Desh (Erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 5(ii) or 5(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranva Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta;

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka Seeking remission of the prescribed fee, vide Paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(iv) or 5(v) of the Rules, should send an attested copy of a certificate obtained from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee vide paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(viii) or 5(ix) of the Rules should send an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon, to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or of a certificate in the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(vi) should send an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

1. Director of Civil Administration.
2. Administrators of the concelhos.
3. Mamlatdars.

(v) A candidate who has migrated from Kenya Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(vii) should send an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(x) or 5(xi) should send an attested copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and released as a result of such disability.

Signature _____

Name _____

Designation _____

Date _____

*Strike out which is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 5(xii) or 5(xiii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations

during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature _____

Name _____

Designation _____

Date _____

7. Copies of the certificates mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following who should indicate his name, designation and full address and date of attestation and affix his seal/rubber stamp below his signature:—

- (a) Gazetted Officer of the Central or a State Government;
- (b) Member of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi;
- (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers;
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars;
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools Higher Secondary Schools/Colleges/Institutions;
- (f) Block Development Officers; and
- (g) Member of a Municipal Corporation.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

10. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute a communication regarding the result of his application one month before the date of commencement of the examination i.e. 22nd October, 1975 he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Institute for attending the examination.

12. Change in Address:—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

SELECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 19th April 1975

No. F. 14/1/74-E, I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 14/1/74-E, I(B) dated 6th July, 1974, published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 6th July 1974, the following amendments shall be made.

(i) Para 1 of the Notice should read as under :—

"A limited departmental competitive examination for inclusion in the selection List for the Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 9th September, 1975 at DELHI, in accordance with Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India, dated 6th July, 1974 as amended by their Notification in the Gazette of India dated 19th April, 1975.

THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE IS LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF TIME AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 9)".

(ii) Para 2 of the Notice should read as under :—

"The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade on the result of this examination will be 7. (This includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates and 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).

The above number is liable to alteration".

(iii) For the figures and words '2nd September, 1974' occurring in para 4 of the Notice the figure and word '2nd June, 1975' shall be substituted.

(iv) For the word and figure 'MAY, 1975' occurring in line 15 of the Note below para 3 of Annexure II to the Notice the word and figure 'FEBRUARY, 1976' should be substituted.

M. S. THANVI,
Under Secretary,
Union Public Service Commission